प्रकाशन का सफलतम 17 वां वर्ष

सुविचार

कोई भी इंसान
जन्म से नहीं बल्कि
अपने कर्मो से महान बनता है!!!

श्रीमद् भगवद् गीता

www.purvanchalsurya.com

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची ➤दिल्ली➤देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 17 | अंक 250 | दैनिक | रांची | बुधवार 24 अप्रैल 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

मौसम के मिजाज ने फिर डराया ! और बढ़ेगा संकट

40 डिग्री के पार होगा तापमान,अगले 5 दिन तक लू का कहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में भीषण गर्मी और लू की मार ने लोगों को बेहाल कर दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का कहना है कि अभी इससे राहत मिलने के आसार नहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वी भारत के बड़े हिस्से में हीट वेव अगले 5 दिन तक जारी रहेगी। पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड और बिहार के कुछ हिस्सों में लू की स्थिति है और यह इस महीने में दूसरी बार है। मौसम विभाग के अनुसार, 15 अप्रैल से ओडिशा में और 17 अप्रैल से पश्चिम बंगाल में गंगा के किनारे वाले क्षेत्रों में लू की स्थिति बनी हुई है। तटीय आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कर्नाटक, गोवा, केरल, पश्चिम बंगाल और बिहार में उच्च आर्द्रता लोगों की परेशानी बढ़ा सकती है। आईएमडी के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अगले 3 दिन में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। दिल्ली में मंगलवार को दिन में आसमान साफ रहने और तेज हवा चलने का अनुमान जताया है। आज राजधानी में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38 और 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। दिल्ली में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा, आने वाले दिनों में लू चलने की कोई संभावना नहीं है, लेकिन अगले तीन से चार दिन में दिल्ली का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। श्रीवास्तव ने कहा कि नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पश्चिमी भारत के करीब पहुंचेगा, लेकिन इसका राजधानी पर कोई असर नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इसलिए आने वाले सप्ताह में दिल्ली में आसमान साफ रहेगा और बारिश का भी कोई पूर्वानुमान नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, अप्रैल में देश के विभिन्न हिस्सों में सामान्यतः एक से तीन दिन की अवधि की तुलना में चार से आठ दिन लू रहने की संभावना है। पूरे अप्रैल-जून की अवधि में सामान्यतः चार से आठ दिन की तुलना में 10 से 20 दिन तक हीट वेव की संभावना है। यह स्थिति तब पैदा होती है, जब मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस, तटीय क्षेत्रों में 37 डिग्री और पर्वतीय क्षेत्रों में 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है।

अरे ये तो योगी बाबा हैं ! सीएम को देख बच्चे हुए 'अभिभूत'

गोरखनाथ मंदिर में घूम रहे थे बच्चे,सीएम ने प्रेम से दुलारा,बांटे चॉकलेट

गोरखपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में मौजूद हैं, ऐसे में गोरखनाथ मंदिर में अपने प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह परिसर में भ्रमण के समय छोटे-छोटे बच्चों को सामने देखकर उनका बालप्रेम फिर जाग उठा। वह बच्चों के पास गए, उन्हें अपने हाथों से चॉकलेट देकर आशीर्वाद दिया और उनका हाल-चाल जाना। लोक सभा चुनाव 2024 के सिलसिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार चुनावी दौरा कर रहे हैं। कई जगह उनकी सभाएं आयोजित है। ऐसे में किसी विशेष अवसर पर गोरखनाथ मंदिर आना नहीं भूलते। नवरात्र के दौरान भी उनका गोरखपुर आना-जाना लगा रहा। इसी बीच सोमवार की शाम को वह एक बार फिर गोरखनाथ मंदिर पहुंचे थे, क्योंकि मंगलवार को हनुमान जयंती थी।

आपका विज्ञापन तो इस माफीनामे से बड़ा होता है

● पतंजलि और बाबा रामदेव को एससी ने फिर सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पतंजलि आयुर्वेद की ओर से अपनी दवा कोरोनिल को कोरोना से निपटने वाली औषधि बताए जाने के प्रचार पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फिर लताड़ लगाई। अदालत ने इस मामले में पतंजलि आयुर्वेद और बाबा रामदेव से कहा था कि वे इस मामले में सार्वजनिक माफी मांगें। इससे पहले बाबा रामदेव और पतंजलि के एमडी आचार्य बालकृष्ण ने अदालत में हाथ जोड़कर माफी मांगी थी। लेकिन कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया था। इसके बाद बाबा रामदेव ने कहा था कि हम सार्वजनिक माफी के लिए तैयार हैं। इसके बाद अदालत ने एक सप्ताह का वक्त दिया था। अब कोर्ट में फिर से पेशी हुई तो अदालत ने अखबारों में छपे माफीनामे पर ही

सवाल उठा दिया। इस दौरान बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण खुद भी अदालत परिसर में मौजूद थे। बेंच ने सवाल किया कि आखिर माफीनाम कल ही क्यों प्रकाशित कराया गया। इसके अलावा बेंच ने यह भी सवाल उठाया कि क्या आपका माफीनाम उतना बड़ा ही छपा है, जितना बड़ा विज्ञापन होता है। इस पर पतंजलि आयुर्वेद के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि इस माफीनामे में सुप्रीम कोर्ट में वकीलों की पेशी के बाद भी प्रेस कॉन्फ्रेंस करने और विज्ञापन में गलत दावा करने पर माफी मांगी गई है। यही नहीं सुप्रीम कोर्ट की ओर से विज्ञापन और माफीनामे के साइज को लेकर जब सवाल उठाया गया तो उन्होंने कहा कि इसके प्रकाशन में 10 लाख रुपये का खर्च आया है। बाबा रामदेव के वकील ने बताया कि हमने कल कई अखबारों में माफीनामा छपवाया है।

तेजी से पिघल रहे ग्लेशियर बने 'जीवन' के लिए संकट

सैटेलाइट तस्वीरों से इसरो ने खोला राज,मिल रहे परिवर्तन के संकेत

बढ़ रही 'जल-प्रलय' की आशंका,हिमालय ने बजाई खतरे की 'घंटी'

बेंगलुरु (एजेंसी)। सदियों से हिमालय भारत का सिरमौर रहा है। यह भारत का प्राकृतिक प्रहरी रहा है, जलवायु विभाजक भी है। साइबेरिया से आने वाली ढंडी बयारों को रोककर भारत में एक अलग जलवायु तंत्र बनाने वाला भी रहा है लेकिन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की नई रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है कि जल्द ही उत्तर का यह मस्तक और प्रहरी देश में प्रलय मचा सकता है। हिमालय को बड़े-बड़े ग्लेशियर और बर्फ के विशाल टीलों की वजह से तीसरा ध्रुव भी कहा जाता है। इसरो ने चेतावनी दी है कि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से हिमालय के ये ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इसरो ने सोमवार को कहा कि दशकों की उपग्रह इमेजरी का विश्लेषण करने वाले नए शोध से पता चला है कि भारतीय हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियर खतरनाक दर से पिघल रहे हैं, जिससे हिमालयी इलाके में बने हिमनदीय झीलों का विस्तार हो रहा है। बता दें कि ये ग्लेशियर और ग्लेशियल झीलें उत्तर भारत की सभी प्रमुख नदियों के जलस्रोत रहे हैं। दुनियाभर में हुए शोधों से पता चला है कि दुनियाभर के ऊंचे पहाड़ों-पर्वतों पर के ग्लेशियर 18वीं सदी के औद्योगीकरण के बाद से ही तेजी से पिघल रहे हैं और वे अपने स्थानों से पीछे हट रहे हैं। यानी जहां आज ग्लेशियर हैं, वहां उसका वजूद खत्म हो रहा है। ग्लेशियर के पीछे हटने से वहां झील का निर्माण होता है। इसरो की रिपोर्ट में कहा गया है कि ये झीलें कई बार बड़ा जोखिम भी पैदा करते हैं। यानी कई बार ग्लेशियल लेक फट जाते हैं, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ आ जाती है जो समुदायों के लिए विनाशकारी परिणाम लाते हैं। इसरो की रिपोर्ट में कहा गया है कि 1984 से 2023 तक ग्लेशियर्स के सैटेलाइट डेटा हैं, जिनमें यह बात सामने आई है कि 2016-17 में नदी घाटियों में 10 हेक्टेयर से बड़ी कुल 2,431 हिमनद झीले थीं। 1984 के बाद से इस क्षेत्र में आश्चर्यजनक रूप से 676 झीलें विकसित हो गई हैं। इनमें 130 झीलें भारत के अंदर हैं।

ये मोदी की गारंटी है,देश में आरक्षण कभी खत्म नहीं होगा

● राजस्थान के टोंक में बोले पीएम,कांग्रेस के मेनीफेस्टों पर फिर घेरा ● पीएम मोदी ने कहा-कांग्रेस राज में हनुमान चालीसा सुनना भी गुनाह ● ये सिर्फ मुसलमानों को आरक्षण देना चाहते हैं,इनकी सोच में तुष्टिकरण

टोंक (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर कहा है कि देश में आरक्षण कभी खत्म नहीं होगा। उन्होंने राजस्थान के उनियारा (टोंक-सवाईमाधोपुर लोकसभा) में कहा कि कांग्रेस पार्टी की सोच हमेशा से तुष्टिकरण की राजनीति की रही है। वो दलित-आदिवासियों को मिले आरक्षण को कम करके मुसलमानों को देना चाहती है। साल 2004 में कांग्रेस ने सबसे पहले आंध्र प्रदेश में एससी-एसटी के आरक्षण में कमी करके मुस्लमानों को रिजर्वेशन देने की कोशिश की गई। ये एक पायलट प्रोजेक्ट था। जिसे बाद में पूरे देश में लागू करने की प्लानिंग थी, लेकिन मंसूबे कामयाब नहीं हो सके। इसके बाद 2011 में फिर से देश में इसे लागू करने की कोशिश हुई। कांग्रेस ने संविधान की परवाह नहीं की, लेकिन हमने ऐसा नहीं होने दिया। क्या कांग्रेस अब देश की जनता को वादा करेगी कि वो उस आरक्षण को मुसलमानों में नहीं बांटेगी। मोदी ने कहा कि यदि 2014 के बाद भी कांग्रेस होती तो सरहद पर सैनिकों के सिर काटे जा रहे होते और बम ब्लास्ट हो रहे होते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में तो हनुमान चालीसा पढ़ना-सुनना भी गुनाह हो गया है। कर्नाटक में इसीलिए एक युवक को पीटा गया। राजस्थान में जब कांग्रेस की सरकार थी तो यहां रामनवमी पर निकलने वाली शोभायात्रा पर ही प्रतिबंध लगाया गया था। जब कर्नाटक में बीजेपी सरकार थी तो हमने सबसे पहला काम किया कि उन्होंने जो एससी, एसटी से आरक्षण छीनकर मुस्लिम कोटा निकाला था उसे खत्म किया। जिसका हक था उसे सुरक्षित रखा, लेकिन कांग्रेस इससे आग बबूला हो गई..। मोदी संविधान को समझता है, बाबा साहेब अंबेडकर की पूजा करने वाला व्यक्ति है। साथियों..सच्चाई ये है कि कांग्रेस और इंडी अलायंस जब सत्ता में था तो ये लोग दलितों और पिछड़ों के आरक्षण में सेंधमारी करके वोट बैंक पॉलिटिक्स के लिए उनकी खास जमात को अलग से आरक्षण देना चाहते थे। जबकि संविधान इसके खिलाफ है। आरक्षण का हक बाबा साहेब ने दलित, आदिवासी, पिछड़ों को दिया, कांग्रेस और इंडी अलायंस वाले उसे मजहब के आधार पर मुसलमानों को देना चाहते थे। कांग्रेस अपने वोट बैंक पॉलिटिक्स के दलदल में में इतनी फंसी हुई है कि उसे बाबा साहेब के संविधान की भी परवाह नहीं है। उन्होंने मेनिफेस्टो में लिखा है आपकी संपत्ति का सर्वे करेंगे। हमारी माता-बहनों के मंगलसूत्र का सर्वे करेंगे। उनके नेता ने कहा कि एक्स-रे किया जाएगा। मतलब आपके घर के बाजरे के डिब्बे, दीवार में रखा है तो वे एक्स-रे कर खोजा जाएगा।

भारत और चीन के बीच फिर लिपूलेख दर्रे पर बढ़ेगी टेंशन !

● इस साल भी नहीं शुरू होगा कारोबार, कई लोगों की जुड़ी है आजीविका

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में लिपूलेख दर्रे से इस बार भी भारत-चीन के बीच कारोबार शुरू नहीं हो पाएगा। इस अंतरराष्ट्रीय कारोबार से कई स्थानीय कारोबारियों की आजीविका जुड़ी हुई है। चौथे साल भी कारोबार शुरू नहीं होने से व्यापारी निराश हैं। समुद्र तल से 17 हजार फीट की ऊंचाई पर लिपूलेख दर्रे से भारत-चीन के बीच कारोबार प्राचीन समय से होता आ रहा है।

वस्तु विनिमय आधारित इस कारोबार में समय के साथ मुद्रा का चलन प्रारंभ हुआ। इस व्यापार ने भारत और चीन दोनों देशों के सीमा के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को जरूरत का सामान देने के साथ ही उनकी आजीविका विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 25 अक्टूबर 2019 में इस अंतराष्ट्रीय कारोबार में शामिल भारतीय दल के वापस लौटने के बाद यह कारोबार अब तक शुरू नहीं हो सका है। 2020 में चीन में कोरोना के कहर के बाद यह व्यापार अब तक शुरू करने की कोशिश भी नहीं हुई है। यह स्थिति तब है जब भारत और चीन के बीच अन्य मार्गों से अरबों का कारोबार हो रहा है। सीमांत के कारोबारियों ने कहा कि इस बार भी अंतरराष्ट्रीय कारोबार शुरू करने को केन्द्र सरकार ने कोई प्रयास नहीं किए। जनवरी से ही इस कारोबार की अन्य सालों में तैयारी शुरू हो जाती थी। इस बार अब तक कोई तैयारी नहीं है। वैसे ही पिछले चार साल से कारोबार नहीं होने से व्यापारियों के सामने आजीविका का गंभीर संकट है। उच्च हिमालयी गांवों के लोगों के लिए यह कारोबार साल भर की आजीविका का प्रमुख स्रोत रहा है।

मलेशिया के 2 नेवी हेलीकॉप्टर टकराए, 10 की मौत

परेड रिहर्सल में हादसा,एक हेलीकॉप्टर स्विमिंग पूल,दूसरा स्टेडियम में गिरा

कुआलालंपुर (एजेंसी)। मलेशियाई नेवी के 2 हेलीकॉप्टर मंगलवार को हवा में टकरा गए। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई है। मलेशियाई नेवी ने बताया कि रॉयल मलेशियन नेवी परेड की रिहर्सल के दौरान यह हादसा हुआ। मारे गए सभी लोग नेवी के क्रू मेंबर्स थे। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, हादसा मंगलवार सुबह 9.30 बजे पेराक में लुमुत नेवल बेस पर हुआ। सभी शवों को लुमुत एयरबेस के अस्पताल भेजा गया है, जहां इनकी पहचान की जाएगी। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, मरने वाले सभी लोगों की उम्र 40 साल से कम है। हेलीकॉप्टर्स की टक्कर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मलेशियन फ्री प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, नेवी की 90वीं सालगिरह पर परेड के लिए रिहर्सल चल रही थी तभी यह हुआ।

पटना साहिब संसदीय सीट से अंशुल अविजित को प्रत्याशी बनाए जाने पर भारती सत्येंद्र देव ने दी बधाई

विशेष संवाददाता, बख्तियारपुर (पटना)। लोकसभा चुनाव के लिए पटना साहिब संसदीय सीट से लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कुमार के बेटे (पूर्व उप प्रधानमंत्री स्व. जगजीवन राम के नाती) अंशुल अविजित को प्रत्याशी बनाए जाने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व बिहार कांग्रेस सेवादल के पूर्व संगठन मंत्री भारती सत्येंद्र देव ने बधाई दी है। इसके लिए उन्होंने कांग्रेस आलाकमान व पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा है कि अंशुल की राजनीतिक पृष्ठभूमि रही है। उनके नाना स्व.जगजीवन राम और माता मीरा कुमार कांग्रेस पार्टी को सशक्त बनाने के साथ-साथ देश सेवा के प्रति सदैव समर्पित रहे। राष्ट्र के लिए उनका समर्पण सराहनीय ही नहीं, अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि अंशुल अविजित द्वारा अपने नाना और माता के पदचिन्हों पर चलते हुए जनसेवा के लिए तत्पर रहने का संकल्प लिया जाना लोकतंत्र के प्रति उनके समर्पण का परिचायक है। उनके सांसद चुने जाने से पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र में सर्वसमुदाय का सर्वांगीण विकास संभव हो सकेगा। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि अपने नाना स्व.जगजीवन राम (बाबु जी) और माता मीरा कुमार के आदर्शों को आत्मसात कर अंशुल भी जनता की आवाज को संसद में बुलंद करने में सफल होंगे। जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए तत्पर रहेंगे। भारती सत्येन्द्र ने पटना साहिब संसदीय क्षेत्र की जनता से अंशुल अविजित को व्यापक जन समर्थन देते हुए भारी मतों से विजयी बनाकर संसद भेजने की अपील की।

जेल में ही कटेंगे सीएम अरविंद केजरीवाल के दिन

अदालत ने फिर बढ़ाई न्यायिक हिरासत, अब 7 मई को सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कथित आबकारी नीति घोटाले के आरोपियों को राहत नहीं मिल रही है। अब अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत फिर से बढ़ा दी है। सीएम केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 7 मई तक बढ़ा दी गई है। इसी के साथ अदालत ने शराब घोटाले के अन्य आरोपियों बीआएस नेता के कविता और चनप्रीत सिंह की भी न्यायिक हिरासत बढ़ा दी है। के कविता की न्यायिक हिरासत भी 7 मई तक बढ़ाई गई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पेशी अब 7 मई को दोपहर 2 बजे होगी। बताया जा रहा है कि कथित शराब घोटाले में ईडी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग वाले केस में आरोपी बनाए गए सीएम अरविंद केजरीवाल और चनप्रीत सिंह की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में हुई थी। इनके अलावा बीआरएस नेता के कविता भी वर्चुअली अदालत में मौजूद थीं। तीनों ही आरोपी तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए थे। के कविता की न्यायिक हिरासत सीबीआई से जुड़े केस में बढ़ाई गई है। के कविता की न्यायिक हिरासत भी 7 मई तक बढ़ाई गई है। इससे पहले अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ाई गई थी। सीएम की न्यायिक हिरासत खत्म होने के बाद उन्हें जज कावेरी बावेजा की अदालत में पेश किया गया था। जज ने अब केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ाए जाने का आदेश दिया है।

श्री सनातन महापंचायत द्वारा डीएवी आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल में गीता पाठ प्रतियोगिता आयोजित

वरीय संवाददाता ,रांची। श्री सनातन महापंचायत कला प्रकोष्ठ झारखंड की ओर से डीएवी आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल, वेस्ट एंड पार्क, हेहल में गीता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि डीएवी आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल की प्राचार्या रोशी वाधवानी ,श्री सनातन महापंचायत झारखंड के युवा संयोजक डॉ अनिल कुमार,श्री सनातन महापंचायत कला प्रकोष्ठ झारखंड के संयोजक आशुतोष द्विवेदी, समाजसेवी शुभम चौधरी उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल की संस्कृत शिक्षिका संगीता समादार, शैफाली मल्होत्रा, सुषमा ठाकुर का सहयोग रहा। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों के बीच गीता का उचित ज्ञान को बढ़ाना था। श्रीमद भागवत गीता भारत के सभी प्राचीन योग और ज्ञान का निचोड़ और समन्वय है।गीता वास्तव चरित्र निर्माण का सबसे बड़ा और उत्तम शास्त्र है। जीवन में बढ़ रहे तनाव को कम करने की एकमात्र विधि गीता है। इस अवसर पर बच्चों ने गीता के कई श्लोकों और अध्यायों को पढ़ कर उसका उचित विश्लेषण भी किया। गीता पाठ में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया। यह जानकारी अमन ने दी।

राजस्व शाखा के साथ बैठक आहूत

प्रतिनिधि,हजारीबाग। हज़ारीबाग नगर आयुक्त सह प्रशासक शैलेन्द्र कुमार लाल ने नगर निगम राजस्व शाखा के साथ बैठक आहूत की।बैठक में उप नगर आयुक्त ज्योति सिंह,सहायक नगर आयुक्त बिपिन कुमार,नगर प्रबंधक फरहत अनिसी, राजीव रंजन,अर्पण इंदवार,मो महफूज आलम,प्रधान सहायक निरंजन सिंह , सहायक धर्मेन्द्र राय,रितिका के सुजीत मिश्रा,शेखर सभी तहसीलदार उपस्थित थे।आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए।नगर आयुक्त ने तहसीलदार को घर घर एवं निगम क्षेत्रान्तर्गत अवस्थित विभिन्न अपार्टमेंट जाकर लोगो को वोट डालने हेतु प्रेरित करने का आदेश दिया।वोटर हेल्पलाइन ऐप्प एवं नो योर कैंडिडेट ऐप्प की जानकारी भी लोगो को देने को आदेश दिया।नगर आयुक्त ने उपस्थित सभी को मतदान से संबंधित शपथ दिलाई,तहसीलदार को स्वीप से संबंधित टी शर्ट वितरण किया गया।इसके अतिरिक्त सभी आर डब्लू ए से स्वघोषणा लेने को कहा गया है कि वहाँ सभी 20 मई को वोट डालेंगे।सभी का नाम मतदाता सूची में है एवं वहां एक नोडल नियुक्त कर दिया गया है।जो वहां लोगो को मतदान के प्रति जागरूक कर रहे है।नगर आयुक्त ने बताया कि वितीय वर्ष 2024-25 को होल्डिंग टैक्स 30 जून 2024 के पहले जमा करने पर हजारीबाग नगर निगम के करदाताओं को कर में 15 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है। सभी सामान्य करदाताओं को 5,महिलाओं को 5,वरिष्ठ नागरिकों को 5,स्वयं कार्यालय आकर 2.5,आर्मी में या ट्रांसजेंडर होने पर 5,विकलांग होने पर 5,ऑनलाइन जमा करने पर 5 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी।30 जून के उपरांत बकाये टैक्स पर 1 प्रतिशत की दर से ब्याज देय होगा।

राष्ट्रीय तेली साहू महा संगठन ने रुक्मणी भवन में मनाया दानवीर भामाशाह की जयंती

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बड़कागांव। राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन के बैनर तले बड़कागांव स्थित हजारीबाग पथ के माता रुक्मणी भवन में दानवीर भामाशाह का जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता हजारीबाग जिला महासचिव सह बड़कागांव विधानसभा समाजसेवी कौलेश्वर साव तथा संचालन बड़कागांव प्रखंड अध्यक्ष डूभन साव ने की। समारोह की शुरुवात दानवीर भामाशाह के तस्वीर के समक्ष मुख्य अतिथि राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन प्रदेश मंत्री कुंजबिहारी साव,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राम विलास साव, जिला महासचिव कौलेश्वर साव, जिला अध्यक्ष अशोक साव,जिला उपाध्यक्ष अर्जुन साव, शाहिद अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात उपस्थित सभी लोगों द्वारा बारी-बारी से भामाशाह के तस्वीर पर पुष्प अर्पित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुंज बिहारी साहू ने कहा कि राजा महाराणा प्रताप के विपरीत स्थिति में भामाशाह अपनी संपत्ति दान देकर राजपाट बचाने का काम किया था। आज भी हमारा समाज दानवीर है। दान देकर दूसरे को राजा बनाने का काम कर रही है। हमारी इतनी बड़ी संख्या रहते हुए दूसरे को ही राजा बनाते रहेंगे और वे लोग हम पर ही शासन करते रहेंगे। इसलिए लोकतंत्र की व्यवस्था में स्वयं राजा बनना होगा। विशिष्ट तिथि रामविलास साहू ने कहा कि हमारा समाज अब दान देने के लिए नहीं दान लेने का काम करेगी। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर से तैयारी हो चुकी है। कड़ी बाई कड़ी समाज को जोड़ने का कार्य जारी है। जिला उपाध्यक्ष अशोक साहू ने कहा हल्दीघाटी की उस लड़ाई पर विस्तार से बात कर लोगों को बताया कि किस तरह दानवीर भामाशाह ने अपनी सारी संपत्ति महाराणा प्रताप सिंह को दान देकर उनकी मदद की और इतिहास के पन्नों पर उनका नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा गयाद्य समारोह में केरेडारी प्रखंड के बरियातू निवासी योगेंद्र साव उर्फ छोटू की हत्या पर 2 मिनट का मौन धारण करते हुए उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। साथ ही साथ अति शीघ्र हथियारों को गिरफ्तार करने की मांग भी की गई। मौके पर जिला मीडिया प्रभारी आशीष कुमार साव, प्रखण्ड अध्यक्ष डूभन साव, प्रखण्ड उपसचिव पदुम साव, मुखिया प्रतिनिधि राजकूमार साव, अरविंद कुमार (कौशल विकास), समाजसेवी उमेश्वर साव, लोकन साव,राजकुमार साव,प्रदीप साव, शिवा साव, तुलेश्वर साव, गोपाल साव, शिक्षक धनेश्वर प्रसाद, चंद्रिका कुमार, चंदर साव सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल थे।

बिस्कोमान (बिहार-झारखंड) की विशेष आम-सभा का निदेशक पार्षद के प्रतिनिधि निर्वाचन के लिए सोमवार को नामांकन पर्चा किया गया दाखिल

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिला से बिस्कोमान का चुनाव बिस्कोमान (बिहार-झारखंड) की विशेष आम-सभा का निदेशक पार्षद के प्रतिनिधि निर्वाचन के लिए सोमवार को नामांकन पर्चा दाखिल किया गया।डाल्टनगंज सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक परिसर स्थित बिस्कोमान भवन में बिस्कोमान के जिला मतदान पदाधिकारी सह निर्वाचन प्रभारी विवेक कुमार सिंह के समक्ष प्रफुल कुमार सिंह ने नामांकन पर्चा दाखिल किया।

प्रफुल के खिलाफ किसी ने नामांकन नहीं भरा इसलिए उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। प्रफुल हुसैनाबाद के पिपरा प्रखंड के मूल निवासी हैं।

वर्तमान में प्रफुल भूमि विकास बैंक (बिहार-झारखंड) , बिहार स्टेट हाउसिंग को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड (बिहार-झारखंड) में निदेशक पद पर कार्यरत हैं। बिस्कोमान (बिहार स्टेट को-ऑपरेटिव मार्केटिंग यूनियन लिमिटेड), झारखंड स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक में भी पलामू का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।चुनाव जीतने के बाद, प्रफुल ने झारखंड सरकार से मांग की कि यूरिया, दलहन, तिलहन आदि की खरीद के लिए बिस्कोमान

को आधिकारिक रूप से स्टेट नोडल एजेंसी घोषित की जाए ताकि किसानों को यूरिया की कमी का सामना न करना पड़े और साथ ही लाभकारी मूल्य पर उन्हें खाद मिल सके।

उन्होंने आश्वासन दिया कि किसानों के लिए यूरिया की कोई कमी नहीं होगी और किसानों से यूरिया के लिए एक रुपये अतिरिक्त नहीं लिया जाएगा। यूरिया बिक्री का रजिस्टर में पूरा विवरण दर्ज करना होगा। यूरिया बिक्री केंद्र पर पर्यवेक्षक के द्वारा लगातार निरीक्षण कराया जाएगा। स्टॉक रजिस्टर, बिक्री रजिस्टर, प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीन होनी चाहिए। बिस्कोमान केंद्र स्टॉक बोर्ड पर रेट अंकित होना चाहिए।

प्रफुल ने बताया कि यूरिया का रेट 265 रुपये प्रति बैग है। इससे अधिक पर नहीं बेचा जाएगा। आधार कार्ड लेकर बिक्री केंद्र पर पहुंचने वाले किसान को पीओएस मशीन पर बायोमीट्रिक करानी होगी। बायोमीट्रिक यूडीआइ से वैरीफाई होगा।

प्रफुल अविभाजित बिहार के सम्मानित सहकारी नेता और पूर्व मंत्री स्वर्गीय अवधेश सिंह के बेटे हैं। अवधेश बाबू एक प्रमुख सहकारी नेता थे, जिन्होंने अपने कॉलेज के दिनों से ही अविभाजित बिहार के पलामू जिले के दूरदराज के इलाकों में सहकारी आंदोलन का नेतृत्व किया था। अपनी साधारण साइकिल पर ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा करते समय, वह हमेशा किसानों को सहकारी समितियों में संगठित होने के लिए प्रोत्साहित करते थे और उनके जीवन को बदलने में सहकारी मॉडल की श्रेष्ठता पर जोर देते थे।

अवधेश बाबू 1970 में जिला सहकारिता बैंक के सचिव बने। बाद में वे 1972 में विधायक और सहकारी बैंक के निदेशक बने। 1977 से, वह 1989 तक सहकारी बैंक, बिस्कोमान, भूमि विकास बैंक और हाउसिंग बोर्ड के निदेशक थे। वह 1995-2000 तक बिहार के सहकारिता मंत्री थे।

चैनपुर के पूर्वडीहा गांव में अरहर के बोझे में लगी आग, 150 बोझे हुए खाक

ग्रामीणों ने एकजुट होकर आग पर पाया काबू

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

मेदिनीनगर (पलामू)। चैनपुर प्रखंड के पूर्वडीहा गांव में दिन में अचानक अरहर के बोझे में आग लग गई । इससे आग की लपट ऊंची उठने लगी। इसे देख गांव के लोग एकजुट हुए। बाल्टी व डब्बा में पानी लेकर लोग आग बुझाने दौड़े । काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। साथ ही एक बड़ी घटना को टाला गया। आगलगी की इस घटना में अरहर के लगभग 160 बोझे जलकर खाक हो गए। घटना लगभग 12 बजे दिन की है। झारखंड पुलिस कुंदन दुबे के घर के सामने अरहर का लगभग 160 बोझा रखा हुआ था। अचानक आग लगने व हवा के तेज झोंके से पल भर में आग विकराल रूप धारण कर लिया। गनीमत रही कि खपड़े के मकान में आग नहीं फैली। बगल में लगे हुए ट्रैक्टर को आंशिक क्षति पहुंची है। आग बुझाने वालों में संदीप दुबे, भारत दुबे, सौरभ दुबे, अविनाश, विक्रांत, सुमित, मनु, रिशु व बडू सहित कई ग्रामीण शामिल थे।पलामू कृषि मित्र संघ जिलाध्यक्ष रंजन कुमार दुबे ने अप्रैल मइ माह मे किसानो सावधानी वरतने तथा जिला प्रशासन पलामू द्वारा जारी एडवायजरी पर अमल करने की सलाह दी है।साथ ही प्रभावित किसानो उचित छति पूर्ती करने का आग्रह किया है ।

निपु सिंह चार मई को करेंगे नामांकन

वरीय संवाददाता ,रांची। राष्ट्रीय जनसंघर्ष स्वराज पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व युवा समाजसेवी निपु सिंह रांची लोकसभा सीट के लिए चार मई (शनिवार) को सुबह 11 बजे नामांकन करेंगे। श्री सिंह ने कहा कि नशा,अपराध और भ्रष्टाचार से तंग आकर महिलाओं, युवाओं और सहारा इंडिया के जमाकर्ताओं के आग्रह पर चुनाव मैदान में उतर रहा हूं। नामांकन के दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार जायसवाल सहित पार्टी के पदधारी और कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

जिला तैलिक समाज ने माल्यार्पण कर दानवीर भामाशाह की जयंती मनाई

प्रतिनिधि, हजारीबाग। हजारीबाग जिला तैलिक समाज द्वारा मंगलवार को अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में इंद्रलोक टावर में दानवीर भामाशाह की जयंती मनाई गई। मंच संचालन जिला महासचिव ओरिया निवासी नारायण साव ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष द्वारा दानवीर भामाशाह की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके बाद समाज।के प्रबुद्ध व गणमान्य लोग भी माल्यार्पण कर उनके जीवनी पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर सोमर साहू ने हल्दी घाटी की उस लड़ाई पर विस्तार से बताकर लोगो को बताया कि किस तरह दानवीर भामाशाह ने अपनी सारी संपत्ति महाराणा प्रताप को दान में देकर उनकी मदद की और इतिहास के पन्नो में उनका नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया। उनके जीवनी पर अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि दानवीर भामाशाह का जन्म राजस्थान के मेवाड़ राज्य में वर्तमान पाली जिले के सादड़ी गांव में 23 अप्रैल 1547 को ओसवाल में हुआ। उनके पिता का नाम भारमल था जो रणथम्भौर के किलेदार थे। बाल्यकाल से मेवाड़ के राजा महाराणा प्रताप के मित्र, सहयोगी और

विश्वासपात्र सलाहकार थे। अपरिग्रह को जीवन का मूलमन्त्र मानकर संग्रहण की प्रवृत्ति से दूर रहने की चेतना जगाने में आप सदैव अग्रणी रहे। मातृ-भूमि के प्रति अगाध प्रेम था और दानवीरता के लिए भामाशाह नाम इतिहास में अमर है। महासचिव नारायण ने दानवीर भामाशाह की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हल्दी घाटी के युद्ध के पश्चात महाराणा प्रताप के लिए उन्होंने अपनी निजी सम्पत्ति में इतना धन दान दिया था कि जिससे 25000 सैनिकों का बारह वर्ष तक निर्वाह हो सकता था। प्राप्त सहयोग से महाराणा प्रताप में नया उत्साह उत्पन्न हुआ और उन्होंने पुनः सैन्य शक्ति संगठित कर मुगल शासकों को पराजित करा और फिर से मेवाड़ का राज्य प्राप्त किया। समाज के अन्य लोगो ने भी उनकी जीवनी से प्रेरित होने की बात कही। मौके पर जिला सचिव अशोक साव, जिला युवा महासचिव रामकिशोर सावंत, उपाध्यक्ष रामचंद्र साव, रघुनंदन साव उर्फ बाबू, नारायण साव, महिला अध्यक्ष रेणुका साहू, महिला संग्रक्षक शीला देवी, महिला नगर अध्यक्ष शिला साहू, महिला महासचिव रेखा कुमारी, मीडिया प्रभारी हेमराज कुमार साहू, व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रदीप साहू, मंडई अध्यक्ष दशरथ साव, चंद्रिका साहू, सोमर साहू, मानकी साव, रोहित कुमार गुप्ता, रूना देवी, देवाशीष गुप्ता, सुमित कुमार गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित हुए।

सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा में वीर कुंवर सिंह जयंती के अवसर पर किया गया कार्यक्रम का आयोजन

प्रतिनिधि, रजरप्पा। कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा में वीर कुंवर सिंह जयंती के अवसर पर एक समारोह का आयोजन किया गया। इस दिन को याद करते हुए छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर एक ऐतिहासिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसमें वीर कुंवर सिंह के जीवन और उनके योगदान को याद किया गया। समारोह की शुरुआत विद्यालय के प्राचार्य उमेश प्रसाद के द्वारा दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि के द्वारा किया गया।कार्यक्रम में भैया बहनों ने बड़े ही उत्साह के साथ वीर कुंवर सिंह की जीवनी, 1857 ई. की गौरव कथा, कविता पाठ, राष्ट्रभक्ति गीत, प्रेरक जीवन प्रसंग प्रस्तुत किया। प्राचार्य उमेश प्रसाद ने वीर कुंवर सिंह को भारतीय स्वाधीनता संग्राम के पुरोधा, अतुलनीय पराक्रम एवं शौर्य का प्रतीत एक सच्चा राष्ट्रभक्त बताया। साथ ही उन्होंने वीर कुंवर सिंह के जीवन एवं प्रमुख रूप से 1857 ई. के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को प्रमुखता से याद किया। कार्यक्रम का संचालन आचार्या गायत्री कुमारी ने किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के आचार्य अक्षय कुमार सिंह,शुक्ला चौधरी,सेखर कुमार,इंद्रजीत सिंह,रेखा पाठक,राकेश सहाय आदि की प्रमुख भूमिका रही।

पाकुड़ पॉलिटेक्निक में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

प्रतिनिधि, पाकुड़। हर साल 22 अप्रैल को वर्ल्ड अर्थ-डे यानी विश्व पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण को लेकर जागरूक करना है। वर्ष 2024 में विश्व पृथ्वी दिवस का थीम था प्लेनेट बनाम प्लास्टिक। धरती को जननी कहते हैं। धरती जानवरों से लेकर इंसानों तक को जीवन देती है। जिंदा रहने के लिए श्वास, जल और भोजन देती है। हालांकि इंसान पृथ्वी से प्राप्त तत्वों का भरपूर दोहन कर रहे हैं और उसे नुकसान पहुंचा रहे हैं। दिन पर दिन पृथ्वी और इसका वातावरण दूषित हो रहा है। ऐसे में विश्व प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को अर्थ डे यानी पृथ्वी दिवस मनाता है। पृथ्वी दिवस मनाने का उद्देश्य वातावरण को संरक्षित करने के लिए लोगों को जागरूक करना है। इस दिन को

मनाने की शुरुआत अमेरिकी सीनेटर जेराल्ड नेल्सन ने 1970 में की थी। पर्यावरणीय खतरे को कम करने के लिए लोगों को पृथ्वी द्वारा प्रदत्त चीजों के लिए धन्यवाद देना चाहिए और पृथ्वी दिवस पर प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। पाकुड़ पॉलिटेक्निक में भी विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, साथ ही सेमिनार के माध्यम से संस्थान के कर्मचारियों और छात्रों को पृथ्वी के संरक्षण हेतु क्या क्या कदम उठाने चाहिए, उसकी विस्तृत जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी गयी। साथ ही शपथ भी दिलाई गई। संस्थान के माइनिंग ब्रांच के शिक्षक राहुल चौधरी ने उक्त सेमिनार में अपना व्याख्यान दिया। प्राचार्य डॉ ऋषिकेश गोस्वामी, मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी निखिल चंद्र और परीक्षा नियंत्रक अमित रंजन ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़ते हुए संस्थान के निदेशक अभिजीत कुमार ने वातावरण पर प्लास्टिक के घातक प्रभाव पर प्रकाश डाला साथ ही सभी को प्लास्टिक कम से कम उपयोग करने की सलाह दी। आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर क्रमशः आज़ाद अंसारी (सिविल), कामिनी कौशल (सिविल) और आशा किरण टुडू (इलेक्ट्रिकल) रहे । साथ ही निबंध प्रतियोगिता में रितेंद्र भंडारी (बी सी ए), अंशु प्रिय (इलेक्ट्रिकल) और आर्यन कुमार मिश्र (सिविल) प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के अंग्रेजी के शिक्षक सुदीप्तो दास ने किया। इस अवसर पर सभी शिक्षकगण और कर्मचारी मौजूद रहे।

13950 पीस अवैध लॉटरी के साथ लैपटॉप,प्रिंटर मशीन, लॉटरी कटिंग मशीन को पुलिस ने किया जब्द

प्रतिनिधि,पाकुड़। पुलिस अधीक्षक को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर पाकुड़ मुफस्सिल थाना पुलिस ने एक टीम गठित कर मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत अंजना गांव के बाबर शेख के घर में छापामारी के दौरान बाबर शेख, काबिल शेख उर्फ टीपू एवं उनके सहयोगी मौके का फायदा उठाकर भाग गए। छापामारी के दौरान पुलिस को 13950 पीस अवैध लॉटरी टिकट, एक लैपटॉप, दो प्रिंटर मशीन एवं एक लॉटरी कटिंग मशीन को जप्त किया। यह कार्रवाई पुलिस के लिए काबिले तारीफ है और यह बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। छापामारी के दौरान अवैध लॉटरी में सम्मलित व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। जानकारी के अनुसार काबिल शेख उर्फ टीपू शेख तथा बाबर शेख इस धंधे का मुख्य सरगना है। इन लोगों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है यह जानकारी मुफस्सिल थाना पाकुड़ में एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर कही। इन सभी के ऊपर थाना कांड संख्या 39/2024, दिनांक 21.04.2024, धारा 294(ए)406/420/467/468/471/34 भाश्दश्विश एवं 7(3) लॉटरी विनिमय अधिनियम 1988 दर्ज कर पुलिस आगे की कार्यवाई कर रही है। छापामारी में गठित टीम में मुफ्फसिल अंचल के पुलिस निरीक्षक अजय कुमार ठाकुर, मुफस्सिल थाना प्रभारी संजीव कुमार झा, पुश्अश्निश सचिन कुमार, पप्पू कुमार, सुबल कुमार डे, नर्वदेश्वर सिंह, मृत्युंजय कुमार पाठक सहित रिजर्व गार्ड के सशस्त्र बल शामिल थे।

विश्व मलेरिया दिवस को लेकर लिट्टीपाड़ा के सभागार में हुई बैठक

प्रतिनिधि,पाकुड़। लिट्टीपाड़ा प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी के सभागार में सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में विश्व मलेरिया दिवस मनाने से संबंधित एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक मे अंतर विभागीय आईसीडीएस, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, पेयजल स्वच्छता, जेएसएलपीएस, बीपीआरओ, पीसीआई, ड्ढ्ढ।ह्र, उपस्थिति थे। प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा सभी को यह निर्देश दिया गया कि सभी बीमारी से बचने से संबंधित सभी विभाग अपने-अपने स्तर से क्षेत्र में कार्यरत कर्मियों द्वारा लोगों को जागरूक करेंगे। अपने-अपने क्षेत्र में गांव स्तर के कर्मी द्वारा ग्रामीणों को मच्छरदानी व्यवहार करने, जमे हुए पानी का निकासी सोख्ता गढढा बनाने, साफ सफाई एवं बीमार होने पर जल्द ही स्वास्थ्य केंद्र जाकर उपचार करने से संबंधित लोगों को जागरूक करने के लिए निर्देश दिए। साथ ही यह बताया गया कि क्षेत्र में किए गए कार्यक्रम का फोटो, वीडियो सभी विभाग साझा करेंगे। पीसीआई के मोहम्मद अनिश द्वारा बताया गया कि हाल ही में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लिट्टीपाड़ा प्रखंड के मलेरिया प्रभावित गांवों में मच्छरदानी का वितरण किया गया। मच्छरदानी के व्यवहार से संबंधित लोगों को जागरूक करना आवश्यक है एवं मच्छरदानी की सिलाई खुल जाने पर उसका मरम्मती से संबंधित जीएसएलपीएस के बीपीएम को सलाह दी गई कि महिला ग्रुप की बैठक में सभी अपने-अपने मच्छरदानी को लाकर एक दिन मरम्मती अभियान के रूप में मनाएंगे एवं उसी दिन मच्छरदानी को लेकर गांव में लोगों को जागरूक करने के लिए रैली करेंगे जिससे लोग जागरुक होकर मच्छरदानी का व्यवहार अच्छी तरह से करेंगे एवं उपलब्ध कराए गए। कुछ मलेरिया से संबंधित स्लोगन गांव के दीवारों में सेविका, सहिया, जलसहिया द्वारा लिखित जाने के लिए निर्धारित किया गया है। आज की इस बैठक में मुख्य रूप से जिला ड्क्क्ष्ठ पदाधिकारी डॉक्टर के के सिंह उपस्थित थे।

सीसीएल गांधीनगर अस्पताल में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन 26 अप्रैल को

सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट डॉ.राजीव राठी देंगे सेवाएं

वरीय संवाददाता,रांची। सीसीएल के केन्द्रीय अस्पताल, गांधीनगर, कांके रोड में शुक्रवार (26अप्रैल) को प्रात- 9 बजे से निःशुल्क हृदय रोग संबंधी चिकित्सीय शिविर (कार्डियक क्लिनिक) का आयोजन किया जाएगा। इस चिकित्सीय शिविर में मैक्स सुपर स्पेशियलिटी, अस्पताल, नई दिल्ली के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. राजीव राठी (सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट) हृदय रोग से ग्रसित मरीजों का जाँच एवं चिकित्सीय सलाह देंगे। निःशुल्क हृदय संबंधित चिकित्सीय सलाह का सभी झारखंडवासी लाभ उठा सकते हैं। मरीज के पास यदि पुराने ईलाज की रिर्पोट/जांच के पेपर हो तो उसे अवश्य अपने साथ लायें। सीएमडी डॉ. बी. वीरा रेड्डी के मार्गनिर्देशन में सीसीएल ने अपने कर्मियों एवं हितधारकों के साथ-साथ समाज के हर वर्ग के लिए चिकित्सा सेवा मुहैया कराने के लिए कृतसंकल्पित है। इसके लिए सीसीएल द्वारा समय-समय पर देश के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों कोआमंत्रित कर विभिन्न बीमारियों से संबंधित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है जिससे जरूरतमंद परिवारों को गंभीर बीमारी के अत्याधुनिक ईलाज की सुविधा उनके घर के निकट ही प्राप्त हो सके तथा इससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सके।

मतदान दल और डाक मतपत्र मतदान केंद्र के लिए मतदान दल को दिया गया प्रशिक्षण

प्रतिनिधि, पाकुड़। सोमवार को समाहरणालय स्थित सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल की अध्यक्षता में मतदान सुविधा केन्द्र के लिए मतदान दल और डाक मतपत्र मतदान केन्द्र के लिए मतदान दल को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को डाक मतपत्र के माध्यम से वोटिंग की प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उपस्थित मास्टर ट्रेनरों द्वारा ऑडियो, वीडियो के माध्यम से पोस्टल बैलेट के माध्यम से वोटिंग की प्रक्रिया को दर्शाया गया। इस प्रशिक्षण में अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, ईटीबीपीसी कोषांग के सहयोगी पदाधिकारी, प्रशिक्षण कोषांग के मास्टर ट्रेनर एवं कर्मी उपस्थित थे।

चतरा संसदीय क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी कालीचरण सिंह ने चलाया जनसंपर्क अभियान, हंटरगंज प्रखंड का किया तूफानी दौरा

राष्ट्र का मान-सम्मान और अभिमान हैं मोदी, तीसरी बार बनाएं मोदी सरकार- काली चरण सिंह

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो, चतरा। लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत हंटरगंज में एनडीए उम्मीदवार कालीचरण सिंह ने चतरा के पूर्व विधायक जनार्दन पासवान सहित भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मतदाताओं के बीच जाकर अपना जनसंपर्क अभियान शुरू किया।

जनता और मतदाताओं ने बड़ी तादाद में उपस्थित होकर सांसद प्रत्याशी काली चरण सिंह को सुना और उनके समर्थन में मतदान करने का उन्हें भरोसा दिया। काली चरण सिंह ने इस दौरान चतरा विधानसभा क्षेत्र के हंटरगंज में दर्जनभर से अधिक गांवों का तुफानी दौरा कर अपने जनसंपर्क अभियान को एक नई गति प्रदान की। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर एक बार फिर मोदी जी के नेतृत्व में देश की सरकार का गठन करने में अपना सहयोग करने का आह्वान किया।

आपने इस संपर्क संवाद अभियान में कालीचरण सिंह ने लोगों से आग्रह किया कि देश को वर्तमान समय में मोदी जैसे राष्ट्र नायक की आवश्यकता है इसलिए आप अपना बहुमूल्य मत देकर मोदी जी की सरकार एक मजबूत सरकार बनाने में अपने मतों का प्रयोग करें और देश को एक स्थिर और सशक्त सरकार दे जिससे हमारा देश समृद्ध और सशक्त देश बने।

जनसंपर्क और जनसंवाद के माध्यम से भाजपा और अपने पक्ष में आगामी 20 मई को कमल फूल छाप पर वोट देने का अपील किया। सांसद उम्मीदवार कालीचरण सिंह ने घंघरी, कटैया , तेतरिया , तावागड़ा, बेलगाड़ा, केदली,बेलगड़ा,कौलश्वर पहाड़ , गुरुद्वारा सिख सिंह सभा का चुनावी दौरा किया।

बिरसा उच्च विद्यालय में मुखिया बीरेंद्र रजक ने स्कूली बच्चों को खिलाया कृमि मुक्ति की दवा

प्रतिनिधि, चौपारण। पंचायत बच्छई के ग्राम डुमरी स्थित बिरसा उच्च विद्यालय में कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर 102 स्कूली बच्चों को दवा की गोली खिला कर मुखिया बीरेंद्र रजक ने कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। मौके पर पंचायत के बी टी टी गीता देवी सहिया साथी निशा देवी, स्वास्थ्य सहिया कविता देवी प्रभारी मंजू शर्मा, शिक्षक मंटू कुमार सीताराम साव,अशोक कुमार मनीष कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे ।इस अवसर पर मुखिया ने कहा स्वास्थ विभाग द्वारा दवा दिया गया इस दवा को सेवन करने से कई बीमारियों से निजात मिलेगा।कहा सभी लोग दवा का सेवन अवश्य करे।

हरमू रोड के श्रीश्याम मंदिर में हनुमान जयंती की धूम

सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ आयोजित

विशेष संवाददाता

रांची। हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में चैत्र शुक्ल पूर्णिमा के अवसर पर सुबह मंदिर में सत्यनारायण कथा का पाठ विधिवत रूप से संपन्न हुआ।

हनुमान जयंती के अवसर पर मंगलवार को बालाजी महाराज के मंड को सुंदर रूप से सजाया गया। विभिन्न प्रकार की फूलों से तीनों मंड को बड़े ही भव्य रूप से सजाया गया । लाल गेंदा, पीला गेंदा लाल गुलाब पीला गुलाब, गुलबहार मोती बेली तुलसी दल की मोटी मोटी मालाओं से सभी दरबार तैल चित्रों को बड़े ही सुंदर रूप से सजाया गया। हनुमान जयंती के अवसर पर विभिन्न प्रकार के प्रसाद एवं फल भी बालाजी महाराज को भोग के रूप में लगाया गया।

98 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ : मन क्रम वचन ध्यान जो लावे सब पर राम तपस्वी राजा तिन के काज शक्ल तुम साजा* के सुरताल से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। अवसर था 98 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा के संगीतमय पाठ का। श्री श्याम मित्र

मंडल के द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रत्येक मंगलवार को होने वाला 98 वा कार्यक्रम आज धूमधाम से संपन्न हुआ। प्रमोद पुनम पोद्दार ने परिवार संग हनुमान जी महाराज की दिव्य अखंड पावन ज्योति प्रज्वलित करके केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का प्रसाद अर्पित कर परिवार के लिए खुशहाली की प्रार्थना की। मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने पूजन अनुष्ठान विधिवत संपन्न करवाया। श्रृंगार प्रसाद एवम फल प्रसाद की सेवा प्रमोद पोद्दार श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद की सेवा केसरिया पेड़ा सेवा श्रीमती पुष्पा देवी पोद्दार ने निवेदित की। प्रमोद पोद्दार ने रामचरितमानस ग्रंथ व पाठ वाचको का चंदन वंदन किया । श्री गणेश वंदना करके हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक डफली झांझ करताल के सुरताल के साथ श्री सुंदरकांड का पाठ प्रारंभ किया। मंदिर परिसर में उपस्थित सैकड़ो भक्तों ने भक्ति भाव से सामूहिक रूप से पाठ किया। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। बजरंगबली की जय जयकारों से हरमू रोड गूंज रहा था। पाठ के समापन के बाद श्री हनुमान चालीसा का संगीतमय संकीर्तन करके महाआरती की गई । सभी भक्तजनों को केसरिया पेडा चना गुड़ संतरा फल व नारियल का प्रसाद वितरित किया गया । इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी श्रवण ढानढनिया स्नेह पोद्दार श्याम सुंदर जोशी उपस्थित थे।

शनिवार को श्री श्याम भंडारा

27 अप्रैल शनिवार को हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 109 वां श्री श्याम भंडारा सायं 5 बजे से होगा । मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी ने भक्तों का आमंत्रित किया है । उपरोक्त जानकारी मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने दी।

उपायुक्त के उद्घाटन के बाद भी सरकारी फाइलों में दबा है गार्बेज प्लांट, नहीं हो सका चालू

मच्छरदानी लगाकर भोजन करने को विवश है ग्रामीण

प्रतिनिधि,पाकुड़। लगभग नौ करोड़ की लागत से जिले के उपायुक्त मृत्युंजय बरनवाल द्वारा चापाडांगा स्थित गार्बेज प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन किया गया था, लेकिन अब तक प्लांट चालू नही हो सका। इस संबंध में नगर परिषद के प्रशासक कमलकांत मिश्रा ने बताया की पॉल्यूशन कंट्रोल से सीटीओ सर्टिफिकेट नहीं मिलने के कारण चालू नहीं हो पाया है, जो जल्द होने की संभावना है। वही इस प्लांट के आस पास के गांव में बीमारी दस्तक देने जा रही है, कारण इस प्लांट से पूरा आस पास के गांव में मक्खियां फैल रही है जिससे चापाडांगा के ग्रामीण परेशान है।मक्खियों की संख्या इस कदर बढ़ी हुई है कि ग्रामीण भोजन भी मच्छड़दानी लगाकर करते है। इस गांव में स्थित चापाकल से गंदा पानी भी निकल रहा है जिस कारण ग्रामीण पोखर का पानी पीने को मजबूर है। एक और भीष्म गर्मी और पानी न मिलना मतलब एक सवालिया निशान जिला प्रशासन में पैदा करती है। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि आज तक सड़क किनारे निर्मित नाली की सफाई नहीं हुई है। वोट के समय हमलोग वोट देते है, लेकिन आज हालत बद्तर है। गांव में छोटे बच्चे है, जो कभी भी बीमार पड़ सकते है। दुर्भाग्य की बात है कि गांव में किसी प्रकार का कीटनाशक का छिड़काव भी नहीं होती है। कोई जन प्रतिनिधि हाल चाल पूछने भी नहीं आता है। वही दूसरी और प्लांट चालू नहीं होने से पूरा शहर से कचड़ा तो उठाया हर दिन जा रहा है, लेकिन कचड़े को वजन कर ढेर बनाया जा रहा है। इस संबंध में प्लांट में कार्यरत कर्मी सूरज ने बताया की कभी कभी मशीन को चलाया जाता है। लेकिन प्लांट में ऐसी कोई गतिविधि नहीं दिखा। वहीं प्लांट के सूत्रो की माने तो कुल कचड़ा उठाने के लिए 19 वाहन है, जिसमे से 9 खराब पड़ा हुआ है, और 10 संचालित है, जिसमे भी कुछ ऐसे वाहन है, जो हमेशा खराब होती रहती है। सवाल यह है कि जब कागजी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो उद्घाटन कैसे हो गया, और उद्घाटन हो जाने के बाद आज तक चालू नहीं हुआ, आखिर इसका जिम्मेवार कौन है? वहीं नगर परिषद से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक बार सीटीओ सर्टिफिकेट को रद्द कर दिया गया था, पुनः एक सप्ताह पहले आवेदन किया गया है। तो आखिर एक बार रद्द क्यों हुई थी? कही शहर वासियों के उम्मीद पर पानी न फिर जाए। जरूरत है विभाग और सरकार को इस करोड़ों की लागत से बने योजना पर ध्यान देने की और सुचारू रूप से संचालन की।

टिकट बंटवारे में कांग्रेस ने की ओबीसी अल्पसंख्यक और वैश्य समुदाय की उपेक्षा - राजेश गुप्ता

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर द्वारा पिछड़ा वर्ग विरोधी मानसिकता के लोगों के इशारे पर टिकट बंटवारे में ओबीसी अल्पसंख्यक, वैश्य समुदाय की उपेक्षा की गई है। जिससे इस वर्ग में कांग्रेस के प्रति आक्रोश है।

उक्त बातें राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कही। उन्होंने कहा कि एक तरफ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी देश में कमजोर वर्ग के प्रतिनिधियों से मिलकर समस्या को घोषणा-पत्र में शामिल कर सामाजिक न्याय कर जनमत को अपने पक्ष में कर रहे हैं।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा में आए राहुल गांधी ने दिल्ली से मिलने के लिए मुझे इरबा में आमंत्रण दिया था। हमारी मांगों के प्रति संवेदना जताई और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डी को पास में बुलाकर बताया कि वहां जातीय जनगणना की जा रही है।

झारखंड में ओबीसी आरक्षण बढ़ाने के मेरे सवालों पर उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर एवं प्रभारी मीर साहब से पूछताछ भी की। वहां यह बातें आई कि 50 प्रतिशत से ज्यादा आरक्षण नहीं दी जा सकती है। तो रांची की धुर्वा में सभा के दौरान 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा तोड़ने की घोषणा की थी।

वहीं, झारखंड प्रभारी मीर साहब ओबीसी समुदाय को टिकट बंटवारे में सामाजिक अन्याय कर रहे हैं। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रतिनिधि से मिलने में भी गुरेज कर रहे हैं। इसलिए इस विषय को लेकर राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रतिनिधि दिल्ली जा रहे हैं। केंद्रीय नेतृत्व से मिलेगा।

श्री गुप्ता ने कहा कि जिस तरह राहुल गांधी पूरे देश में लोगों से मिल रहे हैं और उनके प्रभारी झारखंड राज्य के बहुसंख्यक समुदाय के जनप्रतिनिधियों से मिलने, उनसे सुझाव लेने का काम नहीं कर रहे हैं वहीं राज्य के बड़े 5 स्टार होटल में बड़े-बड़े लोगों के साथ बैठक कर रहे हैं। जबकि उन्हें चाहिए था की ओबीसी के तमाम जातियां के प्रतिनिधियों को बुलाकर या जाकर मिलने के बाद टिकट बंटवारे करने चाहिए थी।

राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के आंदोलन के प्रभाव है कि भारतीय जनता पार्टी ने टिकट बंटवारे में सामाजिक न्याय का खयाल रखा है। वहीं कांग्रेस ओबीसी, वैश्य, अल्पसंख्यक के साथ राजनीतिक रूप से अन्याय कर रही है। प्रेस वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष राजेश गुप्ता के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष दिलीप वर्मा, रामावतार कश्यप, एमडी जुनैद उपस्थित थे।

जनता दरबार में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने उपायुक्त के समक्ष रखी अपनी समस्या

प्रतिनिधि,पाकुड़। समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने मंगलवार को जनता दरबार के माध्यम से आमजनों की समस्याएं सुनी। जनता दरबार में जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने अपनी समस्याओं से उपायुक्त महोदय को अवगत कराया। उपायुक्त महोदय ने उपस्थित लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी। साथ ही उनके सामाधान को लेकर उन्हें आश्वस्त कराया। संज्ञान में आए हुए शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान करने की बात कही। गौरतलब है कि जनता दरबार के दौरान शिकायत के रूप में आए आवेदन विभिन्न विभागों से संबंधित थे। जनता दरबार में शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त महोदय ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनका समाधान करने को लेकर निर्देशित किया। सभी आवेदनों की भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द करने को लेकर आदेश दिया। इसके अलावा उपायुक्त महोदय ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें। जिससे शिकायत के रूप में मिले आवेदन का समाधान जल्द किया जा सके। उपायुक्त ने कहा कि आमजन की सुनवाई में कोई कोताही न बरती जाए और इसे प्राथमिकता से लिया जाए। जनता दरबार में जमीन, शिक्षा विभाग, पशुपालन विभाग, भू- अर्जन आदि विभाग से संबंधित मामले शिकायत के रूप में प्राप्त हुए।

पूर्वांचल सूर्य में छपी खबर का असर

चतरा सदर अस्पताल में पानी की व्यवस्था हुई बहाल, मरीजों ने ली राहत की सांस

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

चतरा। पिछले दिनों चतरा सदर अस्पताल में पानी की किल्लत और बदहाली की खबर छपने के बाद जिला प्रशासन आया हरकत में। जिला उपायुक्त रमेश घोलप ने चतरा सदर अस्पताल में मरीजों की परेशानी पर संज्ञान लेते हुए चतरा सदर अस्पताल के सिविल सर्जन को अविलंब अस्पताल में पेयजल समस्या के निराकरण का निर्देश दिया। उपायुक्त के निर्देश के आलोक में अस्पताल प्रबंधन द्वारा अस्पताल में पेयजल की सुविधा को बहाल किया गया। खराब मोटर की मरम्मत की गई। इससे अस्पताल में भर्ती मरीजों ने राहत की सांस ली। इसके अलावा भी मरीजों ने अस्पताल प्रबंधन द्वारा मरीजों को दिए जाने वाले भोजन, फल एवं दूध पर भी सवालिया निशान खड़े किए थे। इस पर भी संज्ञान लेते हुए सदर अस्पताल के सिविल सर्जन अस्पताल कर्मियों को स्थिति में सुधार करने का निर्देश दिया। कुल मिलाकर अस्पताल में भर्ती मरीजों ने पेयजल की व्यवस्था को सुचारु करने से राहत की सांस ली है।

साउंड पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त, चार घायल,एक रिम्स रेफर

प्रतिनिधि ,बालूमाथ। बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत शेरेगड़ा पंचायत के तसतबार गांव में साउंड पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि उक्त दुर्घटनाग्रस्त वाहन एक शादी समारोह में जा रही थी की इसी दौरान तसतबार में अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिससे खलारी पिपरवार निवासी दीपक उरांव 13 वर्ष,गणेश उरांव 20 वर्ष, सुनील कुमार 18 वर्ष अरविंद उरांव 16 वर्ष घायल हो गया। जिसके बाद सभी घायलों को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां पर चिकित्सक नीरज कुमार के द्वारा प्राथमिक उपचार की गई। स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर उपचार के लिए अरविंद कुमार को रांची रिम्स रेफर कर दिया गया। चिकित्साको की टीम ने बताया कि सभी घायलों के सर पैर और शरीर के कई जगहों पर चोट आई है।

मध्य विद्यालय सेलहारा में अयोजित हुआ विदाई समारोह

वर्ग आठ के बच्चों को विद्यालय परिवार द्वारा दी गई भावभीनी विदाई

प्रतिनिधि, चौपारण। मध्य विद्यालय सेलहारा में विद्यालय परिवार द्वारा वर्ग 8 के 71 बच्चों को शैक्षिक सत्र के समापन पर भावभीनी विदाई दी गई 7 विदाई समारोह में सर्वप्रथम वर्ग 8 के बच्चों को निचली कक्षाओं के बच्चों द्वारा पुष्पवर्षा कर एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया द्य समारोह को संबोधित करते हुए मुखिया प्रतिनिधि कैलाश पासवान ने कहा कि मध्य विद्यालय सेलहारा में जो संस्कार युक्त शिक्षा आप सभी बच्चों को दी गई है उससे अपना भविष्य बनाने में सहयोग मिलेगा द्य उपमुखिया प्रवीण सिंह ने बच्चों का कहा कि आप जहां भी जाएं वहां शिक्षा प्राप्त कर देश का एक अच्छा नागरिक बनें द्य शिक्षक- सह- परिवर्तन दल सदस्य जनार्दन प्रसाद वर्मा ने बच्चों को भविष्य में अच्छा करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए शुभकामना दिया द्य प्रधानाचार्य रामखेलावन रविदास ने कहा कि इन बच्चों का विद्यालय में काफी योगदान रहता था इनकी कमी खलेगी द्य वरीय शिक्षक जन्मेजय सिंह ने बच्चों को अच्छा नागरिक बन कर अपना एवं परिवार का नाम रौशन करने को कहा द्य इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया द्य जिसमें बच्चों ने गीत,संगीत, नृत्य एवं नाटक द्वारा अपनी भावनाओं को बिखेरते हुए कला का प्रदर्शन किया । शिक्षकों ने बच्चों को शुभकामना देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की । विद्यालय से निकल रहे वर्ग आठ के बच्चों को विद्यालय परिवार द्वारा उपहार भी प्रदान किए गए साथ ही विद्यालय के सभी बच्चों के लिए विशेष व्यंजन की व्यवस्था की गई थी, जिसका लुत्फ सभी ने मिलकर उठाया । कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक -सह-परिवर्तन दल सदस्य जनार्दन प्रसाद वर्मा, प्रधानाचार्य रामखेलावन रविदास, जन्मेजय सिंह, बिजय कुमार, विजय प्रसाद,रामचंद्र साहु, राजेंद्र रविदास,राकेश सिंह, डैजी कुमारी,सिंह रंगीना कुमारी व बाल- संसद के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा ।

चतरा से भीम आर्मी के निर्देशन में आजाद समाज पार्टी ने भी लोकसभा चुनाव लड़ने का मन बनाया, जल्द हो सकती है उम्मीदवार की घोषणा

भीम आर्मी एवं आजाद समाज पार्टी के कोर कमेटी की हुई बैठक, लिए गए कई निर्णय

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो,चतरा। सोमवार को भीम आर्मी एवं आजाद समाज पार्टी के कोर कमेटी की बैठक जिला कार्यालय भवन में हुई। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष आफताब अहमद के द्वारा किया गया। संचालन महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष शारदा देवी के नेतृत्व में हुआ। मौके पर संगठन मंत्री मुकेश रवि उपस्थित रहे। इस बैठक में झारखंड प्रदेश महासचिव वीरेंद्र कुमार भी उपस्थित हुये। सभी प्रखंड से प्रखंड अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे। सुरेश भारती, कामेश्वर गंझू आदित्य यादव, मोहम्मद खुर्शीद, सिकंदर दास, रंजीत भूईया, जुगल गंझू ,जितेंद्र सिंह भोक्ता, सकलदेव भारती, कामेश्वर कुमार कुलेश्वर भूईया एवं भुवनेश्वर कुमार इस बैठक में सर्वसम्मति से उपस्थित रहकर निम्नलिखित निर्णय लिया गया।

भीम आर्मी एवं आजाद समाज पार्टी चतरा लोकसभा में अपना प्रत्याशी बहुत जल्द उतरेगी।

चतरा लोकसभा क्षेत्र में एससी, एसटी, ओबीसी और मुस्लिम वोट 59त्न है। भीम आर्मी हमेशा एससी, एसटी, ओबीसी एवं मुस्लिम के हक अधिकार के लिए हमेशा सड़क पर लड़ाई लड़ते आ रही है। अब समय आ गया है कि संसद में लड़ाई लड़ी जाए।

इसलिए भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी चतरा संसदीय क्षेत्र के लिए अपना उम्मीदवार उतारने का निर्णय लिया है।

चतरा जिला, लातेहार जिला एवं पलामू जिला में संगठन बहुत मजबूत स्थिति में है और हर प्रखंड और पंचायत में संगठन अपना कार्य कर रही है। आजाद समाज पार्टी को भीम आर्मी पार्टी पूरा सहयोग करेगी।

हरि कीर्तन होने से पूरा गांव भक्ति भाव में लीन हो जाता है ~ ममता देवी

देवी देवताओं का सच्चे मन से आराधना करने से जीवन की सभी प्रकार की दु :ख दूर होती है~ ममता देवी

प्रतिनिधि, गोला। गोला प्रखंड के पुरबडीह में चल रहे पांच दिवसीय हरिकीर्तन में बतौर अतिथि के रूप में शामिल हुई रामगढ़ विधानसभा की पूर्व विधायक श्रीमती ममता देवी जी। साथ ही राधा कृष्णा मंदिर और मां दुर्गा जी के मंदिर में माथा टेक कर भगवान श्री कृष्ण और माता राधा रानी और मां दुर्गा जी से आर्शीवाद प्राप्त की क्षेत्र में सुख शांति एवं समृद्धि की कामना की। हरि कीर्तन में शामिल होने पर कमिटी के द्वारा पूर्व विधायक श्रीमती ममता देवी जी का माला पहनाकार स्वागत किया गया। मौके पर आयोजन कमेटी के अध्यक्ष राधा बिनोद प्रजापति, सचिव शंकर राम, कोषाध्यक्ष सचिन कुमार, नीलकमल महथा, दीप नारायण महतो, महावीर महतो, सुरेश राम, शंभू महतो, पिंटू महतो, अनूप,दीपक,कपिल,श्रीकांत, सत्रजित, आशीष, गौरी शंकर महतो, संतोष महतो सहित सैकड़ो महिला पुरुष भक्त उपस्थित थे।

हटिया उप डाकघर में सुविधा शुल्क के नाम पर अवैध वसूली का आरोप

पीड़ित ने डाक अधीक्षक व पीएमओ से की शिकायत

वरीय संवाददाता ,रांची। डाकघर के अभिकर्ता मुकेश कुमार और संध्या चौधरी ने हटिया उप डाकघर के कर्मियों द्वारा सुविधा शुल्क के नाम पर अवैध वसूली एवं ग्राहकों के साथ दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। इस संबंध में मंगलवार को प्रेस वार्ता कर कहा कि हटिया उप डाकघर के उप डाकपाल मनसुख और डाक सहायक पप्पू की तानाशाही से डाकघर के ग्राहक त्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि हटिया उप डाकघर का अभिकर्ता हूं। पोस्ट ऑफिस के राजस्व में वृद्धि के लिए सेवारत रहते हैं। लेकिन उप डाकघर के कर्मियों द्वारा हमेशा उपेक्षा की जाती है। बेवजह परेशान किया जाता है । डाकघर के अधिकारी काम करने के नाम पर सुविधा शुल्क की मांग करते हैं। नहीं देने पर प्रताड़ित किया जाता है। खाता खुलवाने में भी अनावश्यक विलंब व टालमटोल किया जाता है। ग्राहकों के साथ भी अक्सर दुर्व्यवहार किया जाता है। कई खाता जो जनवरी में खोला गया उसे 20 दिन बाद ओपन किया जाता है। डाक विभाग के कर्मियों द्वारा ग्राहकों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं होती रहती है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में तीन अप्रैल को वरीय डाक अधीक्षक,रांची को एक शिकायत पत्र दिया गया। लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई । इसके बाद छह अप्रैल को प्रधानमंत्री कार्यालय को भी एक शिकायत दर्ज कराया गया । यहां से कुछ दिन के बाद जवाब आया कि मामला क्लोज्ड हो गया है। इसके जवाब में अपील में गया। पीएमओ के बाद बाद यह मामला अभी सुपरिंटेंडेंट के पास जांच के लिए गया। लेकिन आगे की कार्रवाई उनके द्वारा अभी तक नहीं की जा रही है। मुकेश कुमार ने कहा कि मेरी मांग है कि डाक विभाग इस मामले की उचित जांच कर संबंधित पदाधिकारियों पर यथाशीघ्र यथोचित कार्रवाई करे।

मैट्रिक परीक्षा में उत्क्रमित उच्च विद्यालय दैहर का बेहतर प्रदर्शन

- शिक्षकों के अभाव के बीच छात्र-छात्राओं ने किया बेहतर प्रदर्शन
- अपने उत्क्रमण काल से ही यह विद्यालय शिक्षकों एवं मूलभूत संसाधनों के अभाव के से गुजरता रहा

प्रतिनिधि,चौपारण। प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय दैहर का मैट्रिक परीक्षा 2024 का रिजल्ट काफी अच्छा रहा। परीक्षा में सम्मिलित हुए कुल 47 विद्यार्थियों में से 45 को सफलता प्राप्त हुई, जिनमें से 38 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से तथा 07 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। विद्यालय के छात्र अनुज कुमार 382 (76.40त्न) अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉपर रहे, शिखा कुमारी 380 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान एवं प्रियंका कुमारी 379, संटू कुमार , 379 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थी जिन्होंने स्कूल टॉप 10 में जगह बनाई उनमें कशिश 375, निशि 374, आरती 369, दीपिका वर्मा 361, सुशीला 361, बंटी प्रजापति 358, सुमेर कुशवाहा 355 और सूरज कुमार 354 शामिल हैं। प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होने वाले अन्य विद्यार्थी सुरुचि, लालसा, अस्मिता, दिव्या भारती, रिया, करिश्मा, निक्की, गुड्डी, साकेत राणा, ओम कुमार, शिवा गुप्ता, शक्ति कुमार, रेनू और संगीता शामिल हैं। छात्रों की सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य प्रेम पंडित, मुखिया ब्रह्मदेव भुईया, मुखिया प्रतिनिधि नागेंद्र कुमार, एसएमसी अध्यक्ष कैलाश पांडेय, उपाध्यक्ष बेला देवी, परीक्षा प्रभारी जय किशोर पांडेय, शिक्षक अभिमन्यु गौतम, हरे राम राय, उपेन्द्र वर्मा, किशोर प्रजापति, रजनी रंजन, विभा कुमारी, प्रतिभा कुमारी, अमर कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश दांगी, देव कुमार दांगी एवं प्रियंका कुमारी आदि ने परीक्षा में सफल छात्र-छात्राओं को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी की अध्यक्षता में बैंक/सीसीएल व अन्य सेंट्रल विभागों के साथ बैठक संपन्न

पूसू प्रतिनिधि

गिरिडीह। लोकसभा आम निर्वाचन व 31 गांडेय विधानसभा उप चुनाव के निमित्त मंगलवार को समाहरणालय सभागार कक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी, नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में बैंक/सी.सी.एल./अन्य सेंट्रल कार्यालयों के साथ बैठक आयोजित किया गया। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने लोकसभा आम चुनाव 2024 एवं 31 गाण्डेय विधानसभा उप चुनाव 2024 के चुनाव कार्य सम्पन्न कराने के निमित्त मतदान दल एवं अन्य कार्यो में प्रतिनियुक्ति अधिकारियों/कर्मियों की जानकारी प्राप्त की और उन्हें उनके दायित्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में लोगों को मतदान के प्रति उदासीनता को दूर करने को लेकर जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न गतिविधिया आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि मतदान सबका अधिकार है हम सबको बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। आपके स्तर से भी चुनाव को लेकर व्यापक जन जागरूकता होनी चाहिए ताकि अधिकाधिक संख्या में लोग इस बार मतदान में भाग लें और अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। बैठक में सदर अनुमंडल पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, संबंधित बैंक, सीसीएल/अन्य सेंट्रल के अधिकारी तथा निर्वाचन शाखा के अधिकारी उपस्थित थे।

गिरिडीह में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

- मंदिरों में हुई श्रद्धा भाव से पूजा अर्चना,भंडारे का हुआ आयोजन
- कुटिया प्रांगण स्थित बालाजी मंदिर में हुआ सुंदरकांड पाठ

पूसू प्रतिनिधि

गिरिडीह। भगवान श्रीराम भक्त हनुमान के जन्मोत्सव के मौके पर शहर के विभिन्न हनुमान मंदिरों में मंगलवार को भव्य रूप से वीर बजरंगबली की पूजा अर्चना की गई। इस क्रम में शहर के बड़ा चौक स्थित श्रीराम जानकी महाबीर मंदिर, कुटिया मंदिर स्थित बालाजी मंदिर, टावर चौक स्थित शिव महावीर मंदिर व हनुमान मंदिर, कोल्डीहा स्थित संकट मोचन मंदिर, धरियाडीह स्थित हनुमान मंदिर सहित शहर व ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न हनुमान मंदिरों में अहले सुबह से ही अनुष्ठान शुरू हो गया था। जिसमें काफी संख्या में भक्तों ने हिस्सा लिया और श्रद्धा भाव से बजरंगबली की पूजा अर्चना की।

इस दौरान बड़ा चौक स्थित हनुमान मंदिर, कुटिया मंदिर, धरियाडीह स्थित हनुमान मंदिर पूजा अर्चना के साथ ही भव्य भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें काफी संख्या में भक्त शामिल हुए और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। कई मंदिरों में विश्वहिन्दू परिषद व बजरंग दल के पदाधिकारी अनूप यादव, गुड्डू यादव, शिवपूजन कुमार, शक्ति साहा सहित अन्य सदस्यों के द्वारा अनुष्ठान कराया गया।इधर शहर के कुटिया मंदिर स्थित बालाजी मंदिर में श्रीमहावीर कुटिया सेवा समिति के द्वारा अनुष्ठान के साथ ही संगीतमय सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें काफी संख्या में भक्त शामिल हुए सुनील केडिया के साथ सुंदरकांड पाठ किया। वहीं दोपहर को बालाजी महाराज की रसोई का भी आयोजन किया गया। जिसमें भक्तों ने शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। अनुष्ठान को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष राजेश जालान, नीलकमल भारतिया, रोहित जालान सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

फैक्ट्री के उत्सर्जित दूषित जल के गड्ढे में डूबकर बालक की मौत

पूसू प्रतिनिधि

डुमरी। डुमरी थाना क्षेत्र के आइबीपी के पास वर्षों से

संचालित मिठाई निर्माण फैक्ट्री से निकलने वाला गंदा और दुर्गंधयुक्त पानी को जमा करने हेतु खुले में बनाये गये गड्ढा में डूबकर सोमवार को एक 7 वर्षीय बच्चे की मौत हो गयी।काफी खोजबीन के बाद बच्चे को गड्ढे से

रात्रि करीब 10 बजे निकाला गया। जिसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गयी।पुलिस ने आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव की पोस्टमार्टम के लिए मंगलवार को गिरिडीह भेज दिया।घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।हालांकि मामले को रफादफा करने के लिए स्थानीय कुछ सफेदपोश ने आपाधापी शुरू कर दिया था। ताकि कुछ मुआवजा राशि दिलाकर मामला सलटा दिया जाये मृतक के पिता ने अवैध रूप से मिठाई निर्माण फैक्ट्री संचालित होने का आरोप लगाकर दोषी संचालक पर कठोर से कठोर सजा देने की मांग स्थानीय पुलिस प्रशासन से की है।बताया जाता है कि आइबीपी निवासी शिवा महतो का पुत्र रवि कुमार महतो (7) सोमवार को अपराह्न 3 बजे खेलने की बात कह कर घर से निकला। लेकिन जब काफी देर तक घर वापस नहीं आया तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। इसी क्रम में खुले में बने मिठाई निर्माण के गंदे पानी से भरे गहराई वाला गड्ढा में परिजनों व आसपास के लोगों ने खोजबीन शुरू की।

जिसके बाद रात्रि करीब 10 बजे बच्चे का शव उक्त गड्ढे से बाहर निकाला गया।मृतक के पिता का कहना है कि अवैध रुप से संचालित इस मिठाई निर्माण फैक्ट्री से लोगों का जीना मुहाल हो गया है क्योंकि मिठाई निर्माण में प्रयुक्त पानी खुले में बने उक्त गड्ढे में जमा रहता है। जिससे निकलने वाले बदबू से क्षेत्र के लोगों को खट्टा और सड़ांध दुर्गंध से रहना मुश्किल हो जाता है।बता दें कि क्षेत्र में मिलावटी मिठाई,लड्डू एवं अन्य मिठाई निर्माण का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। हालांकि बीच बीच में ऐसे धंधेबाजों के खिलाफ कार्रवाई तो होती है। लेकिन फिर चालू हो जाता है।डुमरी के निवर्तमान एसडीएम प्रेमलता मुर्मू ने जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के साथ मिलकर क्षेत्र में संचालित मिठाई निर्माण फैक्ट्री, मिलावटी मसाला निर्माण और प्रतिबंधित गुटखा बेचने एवं भंडारण करने वाले के विरूद्ध छापेमारी या सील अभियान समय अंतराल के बाद चलाती रहती थी।लेकिन अब इनकी पौ बारह होते हैं।इधर घटना की खबर सुनकर

बीस सूत्री अध्यक्ष डेगलाल महतो मुखिया प्रतिनिधि निर्मल जायसवाल पूर्व मुखिया फलजीत महतो,प्रितम महतो,तुलसी साव,मिश्रीलाल महतो आदि शोकाकुल परिवार से मिलकर सांत्वना दी।

अल्पव्यस्क लड़की को भगा ले जाने का आरोपी कोलकाता से गिरफ्तार

पूसू प्रतिनिधि,गिरिडीह। जिला के तिसरी थाना क्षेत्र से एक नाबालिग लड़की को भगा कर ले जाने वाले मुख्य आरोपी और उसके एक साथी को पुलिस ने कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया। तिसरी पुलिस द्वारा पश्चिम बंगाल स्थित कलकत्ता से नाबालिग को मुख्य आरोपी आफताब अंसारी के साथ बरामद किया गया।

जहां पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया और ट्रांजिट रिमांड पर गिरिडीह लाया गया। आरोपी आफताब अंसारी के निशानदेही पर पुलिस ने नाबालिग को भागने में मदद करने वाले उसके एक साथी निसार अंसारी को तिसरी थाना क्षेत्र के पपीलो से गिरफ्तार किया।

गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बता दें कि 13 अप्रैल को पपीलो निवासी नाबालिग के पिता ने तिसरी थाना में मुख्य आरोपी आफताब अंसारी के अलावा उसके दो साथी निसार अंसारी और एजाज अंसारी के विरुद्ध अपनी नाबालिग बेटी को बहला फुसला कर भगा ले जाने की शिकायत दर्ज कराई थी।

इस मामले में तिसरी थाना में कांड अंकित करते हुए अनुसंधान शुरू किया गया। पुलिस की टेक्निकल सेल से आफताब के कलकत्ता में होने का पता चला। जिसके बाद पुलिस टीम कलकत्ता पहुंची और आरोपी के साथ नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया गया।

भद्रकाली महाविद्यालय में निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

प्रतिनिधि,इटखोरी। इटखोरी (चतरा) प्रखंड अवस्थित उच्च शिक्षण संस्थान भद्रकाली महाविद्यालय में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन एनएसएस इकाई 1 एवम 2 के तत्वावधान में अफरोज चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित दृष्टि आई हॉस्पिटल चौपारण के सौजन्य से किया गया।कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राओं,महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षक, तृतीय और चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों के अतिरिक्त ,बलिया,सोनिया,परसौनी,सोनासीमर , पचमो गांव के ग्रामीणों के आंखों की जांच करके मुफ्त दवाइया एवम परामर्श दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ दुलार ठाकुर ने की। इसके पूर्व नेत्र चिकित्सकों एवम तकनीकी कर्मियो के महाविद्यालय पहुंचने पर उन्हें पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। नेत्र रोग विशेषज्ञों की टीम में डॉक्टर मोश्र मोहसिन रज्जा, मोश्र इफ्तेखार आलम, मो. इरफान खान, मोश्र शाहरुख खान,एवम शांति देवी शामिल रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रो.श्यामसुंदर प्रसाद,प्रो.सकेंद्र मिस्त्री,प्रो.ललित मोहन सिन्हा,प्रो. जे. पी.दांगी, प्रो.संदीप कुमार,सहित सभी महाविद्यालय कर्मियों का योगदान रहा।

मतदाताओं की शत-प्रतिशत भागीदारी हेतु 25 अप्रैल को रन फॉर वोट/रन फॉर डेमोक्रेसी के लिए दौड़

मतदान में बढ़ाये अपनी भागीदारी, लोगों को भी करें जागरुक, रन फॉर डेमोक्रेसी में भाग लें~उपायुक्त

पूसू प्रतिनिधि,गिरिडीह। लोकसभा आम निर्वाचन व 31 गांडेय विधानसभा उप चुनाव 2024 के निमित्त गिरिडीह जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 25 अप्रैल को मतदाता जागरूकता कार्यक्रम हेतु झंडा मैदान में प्रातः 7 बजे से रन फॉर वोट/रन फॉर डेमोक्रेसी का आयोजन किया जाएगा। लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित कराने को लेकर दिनांक 25 अप्रैल को रन फॉर वोट/रन फॉर डेमोक्रेसी के लिए दौड़ेगा गिरिडीह। रन फॉर वोट झंडा मैदान से स्टेशन रोड होते हुए बड़ा चौक तक व बड़ा चौक से नगर भवन, नया सर्किट हाउस होते हुए वापस झंडा मैदान तक निर्धारित है।

शंकर प्रताप देव डिग्री कॉलेज में नैतिक मतदान सह मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गढ़वा। 23 अप्रैल मंगलवार को शंकर प्रताप देव डिग्री कॉलेज में नैतिक मतदान सह मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहायक परियोजना पदाधिकारी सिया जानकी सिंह ने छात्रों से नैतिक मतदान सह मतदाता जागरूकता विषय पर विशेष रूप से सक्रिय संवाद किया तथा मतदान क्यों जरूरी है विषय पर परिचर्चा भी किया। जिसमें छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं अपने विचार रखें। सिया जानकी सिंह ने बताया कि मतदान से ही मजबूत लोकतंत्र की नींव रखी जा सकती है। मतदान से ही तय होता है कि हमारे क्षेत्र के नागरिक देश के प्रति कितने जिम्मेवार एवं जागरूक हैं। यदि हम खुद मतदान नहीं करते हैं, तो हमारा कोई अधिकार नहीं बनता कि हम किसी के कार्यकलाप पर उंगली उठाएं। कार्यक्रम में सिया जानकी सिंह द्वारा ईवीएम एवं वीवीपीएटी के बारे में मुख्य रूप से बताया गया कि कैसे ईवीएम द्वारा मतदान करने से एवं वीवीपीएटी के आ जाने से हमारी मतदान की प्रक्रिया पूर्णतः सहज़ पारदर्शी एवं विश्वसनीय हो गयी है। नैतिक मतदान ही मजबूत लोकतंत्र की धुरी है। अतः उपस्थित सभी मतदाताओं से आग्रह किया गया कि किसी भी प्रकार के प्रलोभन में आए बगैर बिना किसी भय अथवा दबाव के नैतिक रूप से 13 मई 2024 को

मतदान कर अपने देश के प्रति एक जिम्मेवार नागरिक का कर्तव्य अवश्य निभाएं। उपस्थित सभी मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न तरह के एप्प्स जो निर्वाचन प्रक्रिया को और भी अधिक सुलभ एवं पारदर्शी बनाने में सहायक हैं, के बारे में जानकारी भी विस्तृत रूप से दी गई। खासकर सी-विजिल एप्प जो निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी किया गया है, किसी भी प्रकार से आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले पर करवाई करने में काफी सहायक है। अगर आपके क्षेत्र में कोई भी राजनितिक व्यक्ति किसी भी प्रकार का भय किसी मतदाता को दिखाता है या किसी भी प्रकार का प्रलोभन देता है तो ऐसे में सी विजिल एप्प के माध्यम से उक्त व्यक्ति का वीडियो बनाकर तुरंत अपलोड करना है। यहाँ महत्वपूर्ण बात यह है कि सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम पूर्ण रूप से गोपनीय रखा जाएगा। साथ ही सक्षम एप्प है एक ऐसा एप्प है कि अगर कोई पूर्णतः दिव्यांग बुजुर्ग व्यक्ति है एवं वह मतदान केंद्र पर आकर मतदान करने की स्थिति में नहीं है तो ऐसी परिस्थिति में सक्षम एप्प के माध्यम से ऐसे व्यक्तियों की पूर्ण जानकारी अपलोड कर देने से उनके मतदान की व्यवस्था बूथ लेवल कर्मचारियों के द्वारा कर दी जाएगी। एक और एप्प वोटर हेल्पलाइन एप्प है जो मतदाताओं को मतदान सूची में अपना क्रम संख्या देखने में सहायक है। जिससे मतदाता लम्बी लाइन लगाकर मतदाता सूची में अपना नाम एवं क्रम खोजने के परेशानी से निजात पा सकते हैं। आज के कार्यक्रम में उपस्थित सभी मतदाताओं को मतदाता शपथ पत्र के माध्यम से 13 मई 2024 को होने वाले मतदान में अवश्य हिस्सा लेने एवं नैतिक रूप से मतदान कर जिम्मेवार नागरिक की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य, कृष्ण कुमार जायसवाल, सहायक, साकेत सिंह, परवेज अंसारी, धर्मेंद्र प्रजापति आदि उपस्थित थे।

अग्रसेन भवन के श्री श्याम मंदिर में धूमधाम से मनाई गई हनुमान जयंती

वरीय संवाददाता ,रांची। छम छम नाचे देखो वीर हनुमान
अंजनी को लाल निरालो रे
श्री राम नाम मतवाला , है लाल लंगोटे वाला
दुनियां चले न श्री राम के बिना , हनुमान जी चले न श्री राम के बिना
अंजनी मां के हुयो लाल , बधाई सारा भक्तां न

भजनों की लय पर भक्तगण भाव विभोर हुए श्रोता । अवसर था अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मन्दिर में मंगलवार (23 अप्रैल)को हनुमान जयंती अत्यन्त भक्तिभाव व श्रद्धा के साथ मनाया गया । हनुमान जयंती का उल्लास लिए भक्तगण प्रातः काल से ही वीर हनुमान के दर्शन के लिए उमड़ पड़े ।प्रातकाल में हनुमान जी को नवीन वस्त्र पहनाकर आभूषणों से अलंकृत कर विभिन्न प्रकार के फूलों जैसे गुलाब , जूही , बेला, मोगरा , गैंदा व से मनभावन श्रृंगार किया गया साथ ही मन्दिर में विराजमान शिव परिवार एवं श्री श्याम प्रभु का भी इस अवसर पर विशेष श्रृंगार किया गया ।

रात्रि 8ः30 बजे श्री वीर हनुमान के जयकारों के बीच भक्तगण कतारबद्ध होकर वीर बजरंगबली का दर्शन कर मंगलमय जीवन की कामना कर रहे थे । श्री श्याम मंडल के सदस्यों द्वारा संगीतमय संकीर्तन प्रारम्भ कर भजनों की अमृत वर्षा की गई । इस अवसर पर वीर बजरंगबली को विभिन्न प्रकार के मिष्ठान - फल - मेवा का भोग अर्पित किया गया ।

रात्रि 11ः30 बजे महाआरती व प्रशाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया ।

कार्यक्रम को सफल बनाने में रमेश सारस्वत , ओम जोशी , चन्द्र प्रकाश बागला , धीरज बंका , विवेक ढांढनीयाँ , विकाश पाडिया , ज्ञानप्रकाश बगला , सुदर्शन चितलंगिया , अजय साबू , अरुण धानुका, जीतेश अग्रवाल एवम श्याम सुन्दर पोद्दार का विशेष सहयोग रहा।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी द्वारा एक अपराधी को किया गया जिला बदर, तीन अपराधियों को प्रतिदिन लगानी होगी थाने में हाजरी

प्रतिनिधि,रामगढ़। उपयुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामगढ़ चंदन कुमार के न्यायालय में झारखंड अपराध नियंत्रण अधिनियम 2002 के तहत वैसे अपराधियों जोकि जेल से छूटकर आने पर अपने घर पर न रहकर बाहर से ही व्यावसायियों एवं ठेकेदारों से रंगदारी की मांग करते हुए धमकी देने, विभिन्न स्त्रोतों से खबर भिजवाकर या खुद जाकर अपने प्रभाव क्षेत्र के ठेकेदारों व्यवसायियों, ट्रांसपोर्टरों तथा सीसीएल के पदाधिकारी/ कर्मियों को लेवि के लिए भयभीत करने का कार्य करते हैं एवं जिला बदर किए जाने के उपरांत भी अवांछित रूप से जिला में प्रवेश करने तथा विभिन्न स्त्रोतों से खबर भिजवाकर या खुद जाकर लेवी के लिए भयभीत करने अथवा वाद के गवाहों व वादी को डराने धमकाने की संभावना एवं अपराधी की गतिविधियों पर प्रतिदिन निगरानी रखने की आवश्यकता से संबंधित मामले में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी के न्यायालय द्वारा की गई सुनवाई में निम्न आदेश जारी किए गए हैं। अपराध कर्मी दीपक करमाली उर्फ नेपाली (पतरातू प्रखंड), अपराध कर्मी सुनील राम उर्फ सुनील मोची (पतरातू प्रखंड), अपराध कर्मी मोनू सोनी (पतरातू प्रखंड) को आगामी 6 महीने के लिए प्रतिदिन 10ः00 बजे पूर्वाह्न में थाना प्रभारी पतरातू के समक्ष हाजिरी लगाने हेतु आदेश दिया गया है।

यदि कोई अनुज्ञप्ति आधारित शस्त्र है तो अविलंब उसे स्थानीय थाने में जमा करना होगा एवं इस अवधि में किसी भी स्थिति में शस्त्र धारित नहीं करना होगा। इसके अलावा उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी के न्यायालय द्वारा विधि व्यवस्था लोक शांति बनाए रखने तथा अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से कुख्यात अपराधी निशांत सिंह स्टीम कॉलोनी, पतरातू के विरुद्ध निम्न आदेश जारी किए गए हैं।

अभियुक्त को 3 महीने अथवा आदर्श आचार संहिता की अवधि समाप्त होने तक जो भी पहले हो को रामगढ़ जिला क्षेत्राधिकार से निष्कासित (जिला बदर) किया गया है।अभियुक्त को आदेश पारित होने के 24 घंटे के अंदर जिले की सीमा को छोड़ना होगा एवं अगले छह माह तक जिले की सीमा में बगैर लिखित पूर्वानुमति के प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी। यदि कोई अनुज्ञप्ति लाइसेंस आधारित शस्त्र है तो अविलंब उसे स्थानीय थाने में जमा कराएंगे एवं इस अवधि में किसी भी स्थिति में शस्त्रधारित नहीं करेंगे। उक्त सभी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू है एवं आदेश की अवमानना अथवा उलंघन झारखंड अपराध नियंत्रण अधिनियम 2002 की धारा 25 तथा भारतीय दंड संहिता, इत्यादि के अन्य सुसंगत धाराओं के अंतर्गत दंडनीय होगा।

लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत महत्वपूर्ण तिथियों से संबंधित जानकारी

रामगढ़। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत 14 लोकसभा क्षेत्र जिसमे हजारीबाग के लिए महत्वपूर्ण तिथियां निम्न है।

नामांकन- 26 अप्रैल 2024 को अधिसूचना जारी की जाएगी, जिसके उपरांत नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तिथि 3 मई 2024
स्क्रुटनी- 4 मई 2024
मतदान- 20 मई 2024
मतगणना- 4 जून 2024

भागलपुर में सीएम नीतीश बोले-एक आदमी को बनाने में हमारी ही भूमिका थी, गलती हो गई

भागलपुर, एजेंसी। मेरी मूर्खता की वजह से लालू परिवार को 15 साल बिहार में राज करने का अवसर मिला। ये कहना है बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का। सीएम नीतीश सोमवार को अजय मंडल के पक्ष में भागलपुर में जनसभा कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने लालू यादव पर निशाना साधा।

सभा में पहुंचे लोगों को पुराने दिन की याद दिलाते हुए सीएम नीतीश ने कहा कि 2005 में जब हम आए, तब से काम कर रहे हैं। हमारा संबंध भाजपा से पुराना है। 1995 से है। बीच में किसी के साथ चले गए थे। जब गड़बड़ करने लगा तो छोड़ दिए। हम हमेशा से भाजपा के साथ हैं।

लालू प्रसाद का नाम लिए बिना उनपर निशाना साधते हुए सीएम नीतीश ने कहा कि एक आदमी को बनाने में हमारी ही भूमिका थी। कौन लेकर आया उनको, मैं लेकर आया। नहीं तो उनको कोई पूछने नहीं वाला था। उन्होंने 15 साल राज किया। मेरी ही गलती थी। मूर्खता थी हमारी। 15 साल क्या किया उन्होंने। सीएम नीतीश ने कहा कि वो ब्याह किए। बाद में बाल-बच्चा, बेटा-बेटी में लगे रहे। यही काम किए। अपने भाषण के दौरान सीएम नीतीश बार-बार ये दोहराते रहे कि मेरी गलती थी कि 15 साल लालू परिवार को बिहार में राज करने का मौका मिल

गया।

40 की 40 सीट जीतेंगे- सीएम नीतीश : मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा कि बिहार में हम 40 की 40 और देश में 400 से ज्यादा सीटें जीतेंगे। कोई भी जाति का हो सबका उत्थान किए। पैसा विपक्ष वाला कमाता है। कोई काम नहीं करता है। उन्होंने कहा कि अजय मंडल को माला पहना रहे हैं, इनको विजयी बनाएं। मंच पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ मंत्री संजय चौधरी, मंत्री संजय झा, मंत्री सुनील कुमार प्रत्याशी अजय मंडल मौजूद थे। सीएम नीतीश आज भागलपुर में रोड शो करेंगे।

भागलपुर में सीएम नीतीश ने लालू परिवार पर तंज कसते हुए कहा कि %इतना ज्यादा पैदा करना चाहिए किसी को, बाल बच्चा? क्या कोई इतने सारे बच्चे पैदा करता है? नीतीश कुमार साफ तौर से लालू यादव की नौ संतानों की ओर इशारा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पहले बेटों को बढ़ावा दिया गया था और अब बेटियों की बारी है।

सीएम ने कहा कि अब तो महिलाएं शाम होने के बाद भी घर से बाहर निकलती हैं। जब लालू की सरकार थी तो महिलाएं या आम लोग घर से बाहर नहीं निकलते थे। तेजस्वी यादव को डिप्टी सीएम बना दिए तो गड़बड़ करने लगे। दो-तीन बार गड़बड़ करते पकड़े गए। इसके बाद इसका भी साथ छोड़ दिया। इस दौरान एनडीए प्रत्याशी अजय मंडल के पक्ष में वोट देने की अपील की।

कभी मांझी को नीतीश ने कहा था- मेरी मूर्खता से आप सीएम बने करीब छह महीने पहले सीएम नीतीश ने ऐसे ही शब्द पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के लिए कहे थे। दरअसल, पिछले साल नवंबर में शीतकालीन सत्र के दौरान बिहार विधानसभा में सीएम नीतीश कुमार और पूर्व जीतन राम मांझी के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी।

सत्र के दौरान मांझी आरक्षण की समीक्षा की मांग कर रहे थे। तभी सीएम ने उन्हें बीच में ही टोका और कहा- मेरी मूर्खता से ये मुख्यमंत्री बने थे। इसे राज्यपाल बनने की चाहत है। मुख्यमंत्री ने बीजेपी विधायकों की ओर इशारा करते हुए कहा कि इसे गवर्नर क्यों नहीं बना देते हैं।

शेरपुर में 9 दिवसीय रुद्र महायज्ञ की शुरुआत, बनारस और अयोध्या के पंडित होंगे शामिल

नालंदा, एजेंसी। नालंदा के हरनौत प्रखण्ड के नेहुसा पंचायत के शेरपुर गांव में सोमवार से श्री-श्री 108, श्री शिव प्राण-प्रतिष्ठा पंचकुंडीय 9 दिवसीय रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ होने जा रहा है। यह 9 दिवसीय रुद्र महायज्ञ ग्रामीणों के सहयोग से किया जा रहा है।

बने हैं 51 अस्थायी मूर्तियां : यज्ञ परिसर में श्रीगणेश, भगवान राम, मैया सीता, लक्ष्मण, हनुमान, माता दुर्गा, पार्वती जी समेत कुल 51 अस्थाई मिट्टी के मूर्ति बनाई गई हैं। सभी मूर्तियां समस्तीपुर के मुर्तिकारों द्वारा बनाई गई हैं। जिसमें भगवान शंकर और बजरंग बली जी की प्रतिमा सबसे बड़ी है।

मंडप में बना है पांच हवन कुंड : वाराणसी से आए यज्ञाचार्य पूर्ण चंद्र उपाध्याय ने बताया कि रूद्रयज्ञ तीन प्रकार का होता हैं। रूद्र, महारूद्र और अतिरूद्र। महारूद्र 9 से 11 दिन में होता हैं। इसमें कई

विद्वान होते हैं। इस महारुद्र में 21 मन हवन सामग्री लगती है। इसमें अग्नि द्वारा देवताओं को पहुंचाने वाले सोम के लिए हवन कुंड का प्रयोग किया जाता है। हवन कुंड को वेदी के अनुसार बनाया जाता है। यज्ञ परिसर में एक मंड़प बना है। इसमें पांच हवन कुंड बनाया गया है। इस संबंध में अयोध्या धाम से आए हुए महंत स्वामी श्री निवासानन्द सरस्वती उर्फ संजय बाबा ने बताया कि मंडप के बीच में चतुरस्त्र कुंड है। इसके इर्द-गिर्द में वृत्त कुण्ड, अर्द्धचन्द्र कुण्ड, अष्टकोण कुण्ड और त्रिकोण हवन कुण्ड है। इसमें चतुरस्त्रकुंड सभी प्रकार की मनोकामना पूर्ति के लिए, वृत्त कुंड जनकल्याण की भावना और व्यापार में वृद्धि के लिए, अर्द्ध चन्द्राकार, कुंड पारिवारिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों से निजात पाने और मन की शांति के लिए अष्टकोण कुण्ड से सभी मनकामनाओं की पूर्ति व आरोग्य प्रदान करने एवं त्रिकोण कुंड शत्रु पर विजय हासिल करने के लिए बनाया जाता है।

मेले में रहेगी विशेष निगरानी : ग्रामीण देवानंद सिंह, कन्हैया कुमार, मिथिलेश कुमार, बलवंत सिंह, प्रेम राज उर्फ बिट्टरी, नरेश प्रसाद, राम पदार्थ सिंह, गोपाल बाबू, अनिल प्रसाद, साधु मांझी, श्रवण प्रसाद, राकेश भारती आदि ने बताया कि इस मेले में पुलिस बल के अलावा 20 सीसीटीवी और सैकड़ों वॉलेंटियर्स के साथ एक कमेटी बनाया गई है। जो सुरक्षा का ख्याल रखेंगे।

गोपालगंज में दुल्हन के दादा-मामा-भाई की सड़क हादसे में मौत

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज में शादी की खुशियां मातम में बदल गई। होनेवाली दुल्हन का तिलक चढ़ाकर लौट रहे दादा, मामा और भाई की सड़क हादसे में मौत हो गई। सभी छपरा से लौट रहे थे। इसी दौरान कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। मरनेवालों में एक बच्चा भी है। परिवार के 10 लोग एक कार से तिलक चढ़ाने गए थे। लौटने के दौरान हादसा हुआ, जख्मी लोगों में 2 की स्थिति नाजुक है। जिन्हें गोरखपुर रेफर किया गया है। मृतकों में सिधवलिया थाना क्षेत्र के बुचिया कली टोला गांव निवासी परमेश्वर राम का 3 साल का बेटा रेयांस कुमार (दुल्हन का भाई), सूरज राम (65) (दादा) और छपरा के गोरिया कोठी निवासी शंकर कुमार (25) (मामा) शामिल हैं। घटना बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के खैरा आजम गांव के पास की है। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि सात लोग जख्मी हो गए। वहीं, सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को और जख्मी लोगों को कार से बाहर निकाला। छपरा में तिलक चढ़ाकर लौट रहे थे सभी सिवालिया थाना क्षेत्र के बुचिया गांव निवासी रामकांत राम की बेटी की शादी छपरा के सिसवा गांव में तय हुई। सोमवार को तिलक चढ़ाने के लिए कार से करीब 10 लोग छपरा के सिसवा गए थे। तिलक चढ़ाकर सभी लोग वापस लौट रहे थे। तभी मंगलवार की अहले सुबह 3 बजे कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। घायलों में ड्राइवर के साथ-साथ दुल्हन के परिवार के लोग शामिल हैं। जख्मी लोगों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया जहां डॉक्टर ने परमेश्वर राम की 12 साल की बेटी प्रीति, मजिस्टर राम के बेटे गोविंदा कुमार को गोरखपुर रेफर कर दिया। वही, रमाकांत राम का बेटा सचिन कुमार, स्व. जगदीश राम के बेटा राजा कुमार राम, परमेश्वर राम की 7 साल की बेटी सिमरन, 6 साल का बेटा ऋषभ और 8 साल की बेटी प्रिंसी बुरी तरह से जख्मी हो गए। जिनका इलाज डॉक्टर की देखरेख में सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में चल चल रहा है। वैकुंठपुर थाना प्रभारी राजीव रंजन सिंह ने बताया कि सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है। कुछ लोग जख्मी हैं। पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया चल रही है।

सीतामढ़ी में प्रेमी की गला रेतकर हत्या, ट्रैक पर मिला शव

सीतामढ़ी, एजेंसी। सीतामढ़ी में एक छात्र की गला रेतकर हत्या कर दी गई है। छात्र का गांव की लड़की से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। दोनों एक-दूसरे से न मिले इसके लिए 4 बार पंचायती भी हुई थी। जिसमें कहा गया था कि लड़का फिर से लड़की से मिलने की कोशिश करेगा तो उसकी खैर नहीं। रविवार की रात गांव में शादी थी। जिसमें दोनों शामिल हुए थे। दोनों आपस में मिले या नहीं ये किसी ने नहीं देखा। मृतक के परिजन घर पर उसका इंतजार करते-करते सो गए। सुबह जब सभी उठे तो मृतक अपने बेड पर नहीं था, वो घर नहीं लौटा था। खोजबीन शुरू की गई तो उसकी लाश रेलवे ट्रैक पर मिली। घटना नगर थाना क्षेत्र के अमघट्टा गांव की है।

रेलवे ट्रैक पर मिली युवक की लाश : मृतक की पहचान अमधट्टा शैलेश स्थान के पास का रहने वाले शिवा पासवान के बेटे धीरज पासवान (18) के रूप में की गई है। वो इंटर का स्टूडेंट था। स्थानीय लोगों ने बताया कि धीरज पासवान का इसी गांव के रहने वाली लड़की से लगभग 2 सालों से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। मृतक धीरज की मां मरछिया देवी ने कहा कि रविवार की रात गांव में चार जगह पर बारात आई थी। जिसमें लंबू राय की लड़की की शादी में धीरज डांस कर रहा था। उसी शादी में लड़की भी आई हुई थी। हम लोग खाना खाकर सो गए। सुबह जब आंख खुली तो उसे घर में न देखकर उसकी खोजबीन शुरू की। थोड़ी ही देर में पता चला कि एक शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा हुआ है। मौके पर गए तो देखा कि धीरज पासवान की गला रेतकर हत्या कर दी गई है। हत्या कर लाश को पटरी पर फेंका गया डीएसपी सदर रामकृष्णा, डीएसपी ट्रैफिक दीपक कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर प्रशांत कुमार सब इंस्पेक्टर सोनम कुमारी उदय कुमार, नगर थाना अध्यक्ष विनय प्रताप सिंह दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए हैं। पुलिस घटनास्थल पर कैंप कर रही है।

संदिग्ध हालत में झारखंड के हवलदार की मौत

आरा(भोजपुर)। भोजपुर जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र के बड़का लौहर गांव में सोमवार की देर शाम संदिगध हालत में एक हवलदार की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक हवलदार बड़हरा थाना क्षेत्र के बड़का लौहर गांव निवासी स्व. मनेंद्र सिंह का बेटा मिंटू कुमार सिंह (43) है।

इधर मृत हवलदार के चचेरे भाई मुन्ना कुमार ने बताया कि वह 15 अप्रैल को रामनवमी पूजा में शामिल होने के लिए झारखंड से छुट्टी लेकर गांव आए थे। रविवार की देर शाम जब वह अपने भाइयों के साथ दरवाजे पर बैठे थे। तभी उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और मुंह से गाज गिरने लगा, जिसके बाद उन लोगों द्वारा उनके पीठ को थपथपाया गया और कलेजे को सहलाया गया। इसके बाद परिजन उसे आनन- फानन में इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां चिकित्सक ने देखा उसे मृत घोषित कर दिया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
Email- rdsd.latehar@rediffmail.com
निविदा रद्द करने संबंधी सूचना
इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित ई–निविदा सूचना संख्या–EE/RDSD/LATEHAR/21/2023-24 जिसका PR NO- 322849 है तथा यह दिनांक–15.03.2024 को प्रकाशित हुई थी। इस निविदा को अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है।
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
PR 324005 Rural Development(24-25)D

भाई से भाई को मिलने का सहारा चचरी पुल, नदी ने दो हिस्सों में बांटा गांव को, बरसात में स्कूल जाने के लिए करनी पड़ती है नाव यात्रा

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय का एक ऐसा गांव, जहां एक भाई अगर नदी पार दूसरे भाई के घर जाता है तो वो डरते-संभलते चचरी पुल को पार करता है। बच्चों को अगर स्कूल जाना है तो बांस के बने इस चचरी पुल पर फूंक-फूंक कर कदम रख सफर तय करते हैं। यह मजबूरी की कहानी है वीरपुर प्रखंड के मखवा गांव की। गांव के बीच में बना यह चचरी पुल ही दोनों ओर के लोगों का एक मात्र सहारा है।

अगर लोग इस चचरी पुल का सहारा ना लें तो उन्हें करीब 5 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ेगी। दरअसल, बैंती नदी ने मखवा गांव को दो हिस्सों में बांट दिया है। सालों से इस नदी पर कोई पुल नहीं बना तो लोगों ने

खुद ही चंदा कर बांस का चचरी पुल तैयार कर लिया। पर समस्या तब बड़ी हो जाती है जब बरसात का वक्त आता है। पुल के ऊपर से नदी का पानी बहता है। बच्चों को अगर स्कूल जाना हो तो नाव का सहारा लेना पड़ता है। कई तो डर से स्कूल ही नहीं जाते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई चुनाव हो गए, कई सरकारें भी बनी। लेकिन आज तक मखवा गांव की बैंती नदी पर पुल का निर्माण नहीं हो सका। पुल नहीं होने से मखवा की तकरीबन 5 हजार की आबादी इससे प्रभावित हो रही है। अधिकांश लोगों का घर और डेरा इस पार है तो घर और खेती-बाड़ी उस पार है। पश्चिमी किनारे बसे लोगों का भी यही हाल है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई बार नाव डूबने से बड़ा हादसा होते होते बचा है। किसानों और पशुपालकों को हर दिन 3 किलोमीटर तय कर पशु का चारा और खेती-बाड़ी देखना पड़ता है। प्रखंड मुख्यालय में बस पकड़ने के लिए लोगों को लंबा सफर तय कर गारा या नौला आना पड़ता है।

पिछले दिनों स्थानीय प्रतिनिधियों द्वारा विधानसभा में पुल निर्माण के मुद्दा को उठाया गया था। तब उस समय स्थानीय लोगों में आस जगी थी कि अब पुल निर्माण होगा। लेकिन अभी तक पुल नहीं बनने से लोगों में भारी नाराजगी है। गर्मी के मौसम में यहां के बच्चे, किसान और पशुपालक लकड़ी के बने चचरी पुल से ही नदी पार करते हैं। इससे हमेशा हादसे की आशंका बनी रहती है। बेबी देवी कहती हैं कि चार हजार से अधिक की आबादी है। लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी होती है। नेता वोट के समय आते हैं तो कहते हैं कि जीता दीजिए, पुल बना देंगे। लेकिन हम जब से इस गांव में आए हैं, सिर्फ आश्वासन सुन रहे हैं। करता कोई कुछ नहीं है। सरिता देवी ने कहा कि आश्वासन के भरोसे हम लोग जी रहे हैं। प्रत्येक साल पानी कम होने के बाद चंदा कर पुल बनाते हैं। नेताजी आते हैं, किसी तरह से वोट ले लेते हैं। फिर वह अपने घर बैठ जाते हैं। हम लोग किसी तरह इसी के सहारे अपनी जिंदगी गुजार रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी बच्चों को होती है। हमेशा मन में डर बना रहता है।

OFFICE OF EXECUTIVE ENGINEER
RCD, Road Division, Ranchi
Dindayal Nagar, Behind Govt. Guest House, Morhabadi, Ranchi-834008
E-mail- eercdranchi-jhr@nic.in, Phone- 0651-2361018

CORRIGENDUM

E-Tender Reference no.: RCD/RANCHI/EPC/01/2023-24, Dated- 07-03-2024
(PREVIOUS PR No.- 323373(23-24)D

Name of work :- "Construction of flyover from Bahubazar to Patel Chowk Connecting Siramtoli-Mecon Flyover at Patel Chowk and Kokar-Yogoda Satsang Ashram Flyover at Bahu Bazar (Length 1.25 KM) in Ranchi city in the state of Jharkhand on EPC mode" the revision in the particulars of which are as follows :-

	Estimated Cost (in Rs.)	Bid Security (in Rs.)
Published	175,72,14,948.00, (One hundred seventy-five crores seventy-two lakhs fourteen thousand nine hundred and forty eight only), (including LC & GST)	1,76,00,000
Amended	174,80,78,602.00, (One hundred seventy-four crores eighty lakhs seventy eight thousand six hundred and two only), (including Utility works, LC &GST)	1,75,00,000

	Availability of tender on-line (Date and Time)		Date and Time of Pre-bid meeting	Last date of Seeking clarification	Bid Submission (Date & Time)		Date & Time of opening of Technical bid
	From	To			Start Date	Close Date	
Published	16-04-2024 10.30 AM	16-05-2024 12.00 Noon	29-04-2024 3.00PM	06-05-2024 12.00 Noon	16-04-2024 10.30 AM	16-05-2024 12.00 Noon	20-05-2024 12.30 PM
Amended	06-05-2024 10.30 AM	06-06-2024 12.00 Noon	20-05-2024 3.00PM	24-05-2024 12.00 Noon	06-05-2024 10.30 AM	06-06-2024 12.00 Noon	10-06-2024 12.30 PM

- The Estimated Cost and Bid Security amount are subject to change, which can be seen in Bid document to be uploaded online at http://jharkhandtenders.gov.in.
- For terms and conditions visit the website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer
Road Construction Department,
Road Division, Ranchi
PR 324012 Road Construction Dept Road Division Ranchi(24-25)#D

बेखौफ बंदी और जेलों में खूनी संघर्ष

संपादकीय

पंजाब की संगरूर जेल में कैदियों के बीच खूनी संघर्ष में दो की मौत से एक बार फिर जेलों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। शुक्रवार की रात को कुछ कैदियों ने दो कैदियों पर हमला कर उन्हें धारदार हथियार से मार डाला। जेल प्रशासन का कहना है कि जिन कैदियों के बीच हिंसक झड़प हुई, उनका किसी आपराधिक गिरोह से संबंध नहीं था। उनके बीच आपसी रंजिश थी, जो खूनी संघर्ष में परिणत हो गई। यानी इस बात की जानकारी जेल प्रशासन को थी कि कुछ कैदियों में कहासुनी की वजह से तनाव बना हुआ था। विचित्र है कि प्रशासन ने उस विवाद को सुलझाने का प्रयास नहीं किया। खुद पुलिस महानिरीक्षक ने माना है कि अगर समय रहते इस विवाद को सुलझा लिया गया होता, तो दो कैदियों की मौत नहीं होती। इस घटना के बाद भी फिर वही सवाल उठ रहे हैं कि आखिर कैदियों को धारदार चीजें कैसे हाथ लग गई, जिससे उन्होंने दो कैदियों की जान ले ली, जबकि जेलों में ऐसी हर चीज को बंदियों से दूर रखा जाता है, जिनसे वे किसी पर हमला या खुदकुशी कर सकते हों। पंजाब की जेलों में कैदियों के रखरखाव को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। कई लोग तो यहां तक कह चुके हैं कि वहां की कई जेलें अपराधियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन चुकी हैं। संगरूर जेल पर भी ऐसे आरोप लगते रहे हैं। कुछ साल पहले वहां से एक कुख्यात गिरोह के अपराधी के अपने जन्मदिन पर केक काटने और उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर डालने के बाद तो खासा विवाद हुआ था। ऐसे ही मामले बठिंडा, कपूरथला और पटियाला की जेलों से भी दर्ज हुए थे, जब अपराधियों को सोशल मीडिया पर सक्रिय देखा या फोन पर बाहर के लागों से बात करते, किसी साजिश को अंजाम देते पाया गया। हालांकि जेल में कैदियों के बीच हिंसक झड़प का मामला केवल पंजाब तक सीमित नहीं है। दिल्ली की अति सुरक्षित और चाकचौबंद मानी जाने वाली तिहाड़ जेल में भी ऐसी कई घटनाएं हाल के कुछ महीनों में देखी जा चुकी हैं। तिहाड़ में तो कुख्यात आपराधिक गिरोहों के बीच खूनी संघर्ष देखा गया। ऐसी घटनाएं होने की खबरें देश के दूसरे प्रदेशों की जेलों से भी आ जाती हैं। पठानकोट सैन्य अड्डे पर हुए आतंकी हमले के बाद तो सेना ने भी अपनी जांच के बाद चिंता जताई थी कि पंजाब की जेलों में बैठे अपराधी बाहरी लोगों से संपर्क में रहते और मादक पदार्थों की तस्करी आदि में संलिप्त हैं। तब सभी जेलों में औंचक निरीक्षण किया और जेलों के प्रशासन को मुस्तैद रहने को कहा गया था। मगर स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं देखा गया। आरोप लगते रहे हैं कि जेलों के प्रशासन से जुड़े लोग ही अपराधियों को मोबाइल फोन आदि उपलब्ध कराते हैं। जेलों को एक प्रकार के सुधारगृह के रूप में विकसित करने पर जोर दिया जाता रहा है, ताकि अपराधियों को गलत रास्ते से निकाल कर सही रास्ते पर लाया जा सके। मगर जेलें अगर यातनागृह और दबंग अपराधियों की सुरक्षित शरणस्थली का रूप लेती जा रही हैं, तो यह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। जेल प्रशासन और अपराधियों के बीच अगर किसी तरह का गठजोड़ बनता है, तो यह ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है।

दक्षिण भारत में तुरुप का इक्का साबित होंगे 'प्रमोद सावंत'!

(संजीव कुमार मिश्र)

प्रमोद सावंत के नेतृत्व में गोवा ने विकास की जो इबारत लिखी है, उसकी चर्चा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही है। शायद यही वजह है कि पार्टी ने चुनावी रणनीति के लिहाज से दक्षिण भारत के अहम राज्यों की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी हैं। प्रमोद सावंत पार्टी की उम्मीदों पर काफी हद तक खरे भी उतरे हैं।

अबकी बार, 400 पार। यह 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सूत्र वाक्य है। बीजेपी इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मिशन मोड पर काम कर रही है। हालांकि राजनीतिक विश्लेषक भी इस बात पर एकमत है कि दक्षिण भारत को साधे बिना बीजेपी चार सौ का आंकड़ा पार नहीं कर पाएगी। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दक्षिण भारत की चुनावी कमान खुद सम्हाल रखी है। अकेले केरल में मोदी अब तक 6 चुनावी जनसभाओं को संबोधित कर चुके हैं। लेकिन दक्षिण समेत पश्चिम भारत के कई राज्यों में प्रमोद सावंत भाजपा के लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं? गोवा के मुख्यमंत्री जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के साथ ही राजग के सहयोगी दलों की दायरा बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

सावंत के नेतृत्व में गोवा ने विकास की जो इबारत लिखी है, उसकी चर्चा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही है। शायद यही वजह है कि पार्टी ने चुनावी रणनीति के लिहाज से दक्षिण भारत के अहम राज्यों की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी हैं। प्रमोद सावंत पार्टी की उम्मीदों पर काफी हद तक खरे भी उतरे हैं। दक्षिण भारत का द्वार कहे जाने वाले कर्नाटक में सावंत की वजह से ही जेडीएस, राजग के साथ आयी। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की अध्यक्षता वाली जेडी (एस) पिछले साल सितंबर में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में शामिल हुई थी। जेडीएस के राजग में शामिल होने में प्रमोद सावंत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कर्नाटक में भाजपा 25 जबकि जेडीएस लोकसभा की 3 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। तेलंगाना में भाजपा की विजय पताका फहराने के लिए प्रमोद सावंत जी जान से जुटे हैं। गत वर्ष 2023 से ही प्रमोद सावंत ने राज्य में अपनी सक्रियता बढ़ा दी थी। फरवरी महीने में तेलंगाना में विजय संकल्प यात्रा के बहाने प्रमोद सावंत ने सभी लोकसभा सीटों पर प्रचार किया। पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रमोद सावंत प्रचार के साथ चुनावी रणनीति बनाने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

तेलंगाना में लोकसभा की कुल 17 सीटें हैं। जिसमें से चार पर भाजपा, नौ पर बीआरएस और तीन पर कांग्रेस का कब्जा है। गत चुनावों में एक सीट पर एआईएमआईएम को जीत मिली। इस बार 400 पार का नारा लेकर चुनावी मैदान में कूदी भाजपा का लक्ष्य यहां 10 से अधिक सीटें जीतना है।

बीजेपी, केरल में कांग्रेस और वामपंथ का दुर्ग भेदने में जुटी है। निःसंदेह यहां चुनाव की कमान खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संभाल रखी है। मोदी अब तक 6 चुनावी जनसभाओं को संबोधित कर चुके हैं। हालांकि, मोदी के 10 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सावंत बखूबी संभाल रहे हैं। मोदी की गारंटी का प्रचार वो जोर शोर से कर रहे हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से मुलाकात भी कर रहे हैं। इससे राज्य में पार्टी का जनाधार बढ़ा है। लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले पार्टी ने केरल में एक महीने लंबी पदयात्रा निकाली। इसमें उमड़ी भीड़ यह बताने के लिए काफी थी कि सावंत अपने उद्देश्यों में धीरे धीरे सफल हो रहे हैं। 2019 में केरल में बीजेपी खाता भी नहीं खोल पायी थी। इस बार पार्टी को यहां से काफी उम्मीदें हैं।

सावंत गोवा के साथ-साथ महाराष्ट्र में भी चुनावी सभाएं कर रहे हैं। नागपुर में कार्यकर्ताओं को भी संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात की। पार्टी महाराष्ट्र के युवाओं में सावंत की लोकप्रियता को भुनाना चाहती है। दरअसल बतौर मुख्यमंत्री सावंत ने कई उपलब्धि हासिल की है। सावंत के कार्यकाल में गोवा देश का पहला राज्य बना, जिसने शत प्रतिशत ग्रामीण घरों तक नल से जल की आपूर्ति सुनिश्चित की। गोवा के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी बड़ी थी, क्योंकि 15 अगस्त 2019 तक गोवा में नल कनेक्शन केवल 24 प्रतिशत था। आज गोवा के सभी स्कूलों, आंगनबाड़ी, सार्वजनिक संस्थान इमारतें, स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक केंद्र, आश्रमशालाओं समेत अन्य सरकारी कार्यालयों में नल कनेक्शन लग चुका है। सावंत के कार्यकाल में ही सब्जियों, फलों के लिए कर्नाटक और महाराष्ट्र पर निर्भर रहने वाला गोवा निर्यातक बना।

गोवा शत प्रतिशत घरों तक बिजली आपूर्ति करने वाला देश का पहला राज्य है। इतना ही नहीं, यह पहला राज्य है कि जहां प्रत्येक गांव में सड़कें हैं। गोवा में उज्ज्वला योजना सौ प्रतिशत लागू है। यह किरोसीन फ्री स्टेट है। शत प्रतिशत शौचालय निर्माण वाला देश का पहला प्रदेश है। अगर गिनाने लगे तो ऐसी योजनाओं की संख्या करीब 13 हैं जिनमें गोवा बाकी प्रदेशों के मुकाबले शीर्ष पर है। केंद्र सरकार की योजनाएं लागू करने के मामले में भी गोवा बाकियों के लिए बेहतरीन उदाहरण है। सावंत की विकासवादी नीतियों के कारण ही बीजेपी को उम्मीद है कि ना केवल दक्षिण भारत बल्कि पश्चिमी भारत के कई राज्यों में सावंत उसके लिए तुरुप का इक्का साबित होंगे। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार)

किसने लिखा संविधान, और किसने किया उसमें बार बार बदलाव?

लोकसभा चुनाव 2024 संसदीय क्षेत्र 7 प्रत्याशी 7 चुनाव तिथियां यह बात इसलिए क्योंकि देश में यह भ्रम खूब अच्छे से प्रचारित कर दिया गया है कि डॉ भीमराव अंबेडकर संविधान निर्माता हैं। अंबेडकर के नाम पर एक खास जाति समूह को गोलबंद करने के लिए कुछ नेताओं ने यह भ्रम फैलाना शुरु किया कि डॉ भीमराव अंबेडकर अकेले संविधान निर्माता हैं। इससे उनका वोटबैंक तो गोलबंद हुआ लेकिन यह इतना अधिक प्रचारित हो गया है कि कोई नेता अब इस नैरेटिव के उलट जाकर सच बोलने का साहस ही नहीं रखता। बहुत महीन विवरण में न भी जाएं तो हर पढा लिखा व्यक्ति यह जानता है कि भारत के संविधान निर्माण का काम संविधान सभा ने किया है। इस संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ राजेन्द्र प्रसाद थे और इसकी ड्राफ्टिंग कमेटी के चेयरमैन डॉ भीमराव अंबेडकर। निश्चित रूप से भारत के संविधान निर्माण में डॉ अंबेडकर का योगदान है लेकिन उन्हें संविधान निर्माता बताना पूरे लोकतंत्र पर सवाल उठाने जैसा होगा।

(संजय तिवारी)

राहुल गांधी को यह चिंता खाये जा रही है अगर तीसरी बार नरेन्द्र मोदी सत्ता में आ गये तो संविधान बदल देंगे। बदल क्या देंगे, खत्म ही कर देंगे। इसलिए जिस चुनावी सभा में जा रहे हैं, बस यही रट लगा रहे हैं कि बीजेपीवाले तो संविधान का सम्मान नहीं करते। अबकी सत्ता में आये तो बदल ही देंगे। मीडिया में राहुल गांधी के इन बयानों की चर्चा तो होती है लेकिन क्या उस जनता पर कोई असर होता है जिसके सामने राहुल गांधी संविधान बचाने की दुहाई देते हैं? असल में इसी सवाल से राहुल गांधी की समझ पर सवाल खड़ा होता है। क्या सचमुच भारत के सामान्य जन मानस पर ऐसी बातों का कोई असर होता है जैसा राहुल गांधी प्रचारित करते रहते हैं? या फिर वो जानबूझकर एक ऐसे समूह को भड़का रहे हैं जो यह तो नहीं जानता कि संविधान कैसे खत्म होगा लेकिन यह जरूर जानता है कि इसे उसके बाबा साहब ने लिखा है। लोकसभा चुनाव 2024 संसदीय क्षेत्र 7 प्रत्याशी 7 चुनाव तिथियां यह बात इसलिए क्योंकि देश में यह भ्रम खूब अच्छे से प्रचारित कर दिया गया है कि डॉ भीमराव अंबेडकर संविधान निर्माता हैं। अंबेडकर के नाम पर एक खास जाति समूह को गोलबंद करने के लिए कुछ नेताओं ने यह भ्रम फैलाना शुरु किया कि डॉ भीमराव अंबेडकर अकेले संविधान निर्माता हैं। इससे उनका वोटबैंक तो गोलबंद हुआ लेकिन यह इतना अधिक प्रचारित हो गया है कि कोई नेता अब इस नैरेटिव के उलट जाकर सच बोलने का साहस ही नहीं रखता। बहुत महीन विवरण में न भी जाएं तो हर पढा लिखा व्यक्ति यह जानता है कि भारत के संविधान निर्माण का काम संविधान सभा ने किया है। इस संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ राजेन्द्र प्रसाद थे और इसकी ड्राफ्टिंग कमेटी के चेयरमैन डॉ भीमराव अंबेडकर। निश्चित रूप से भारत के संविधान निर्माण में डॉ अंबेडकर का योगदान है लेकिन उन्हें संविधान निर्माता बताना पूरे लोकतंत्र पर सवाल उठाने जैसा होगा। संसार में कहीं भी कोई भी ऐसा लोकतंत्र नहीं स्थापित हुआ जहां किसी एक व्यक्ति ने संविधान या कांस्टीट्यूशन लिख दिया हो और उसे पूरे देश पर लागू कर दिया गया हो। अगर ऐसा कहीं होगा तो फिर तानाशाही और लोकतंत्र में फर्क क्या रह जाएगा? एक व्यक्ति किसी एक देश का संविधान लिख ही नहीं सकता। संविधान बनाने की एक सामान्य प्रक्रिया यही रही है कि इसके लिए समाज, राजनीति और कानून के जानकार लोगों की कमेटी या सभा बनती है और वो कई कई महीने चर्चा करके किसी देश का संविधान बनाते हैं। हाल फिलहाल में नेपाल में भी यही हुआ है जहां एक समिति ने ही संविधान बनाया और उसे लागू किया है। फिर भी संविधान में इतना लचीलापन छोड़कर रखा जाता है कि भविष्य में आनेवाली पीढियां अपनी जरूरत और समय की मांग के अनुसार उसमें जैसा चाहें वैसा बदलाव कर सकती हैं। यह लचीलापन ही संविधान को समय के साथ चलने लायक बनाता है वरना सदियों पहले लिखी गयीं मजहबी किताबों और किसी लोकतांत्रिक देश के संविधान में फर्क क्या रह जाएगा? अगर किसी संविधान को इस

तरह से लिखा जाए कि इसे भविष्य में कभी बदला नहीं जाएगा तो फिर ऐसा संविधान लोकतंत्र को ही खत्म कर देगा। फिर किस बात का संविधान और किसके लिए? इसीलिए 1973 के ऐतिहासिक केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य के केस में सुप्रीम कोर्ट की 13 जजों की सबसे बड़ी संवैधानिक पीठ ने यह फैसला दिया था कि संविधान में संशोधन हो सकते हैं लेकिन उसके मूल ढांचे में परविर्तन नहीं हो सकता। इस पीठ ने यह माना कि संसद को संविधान में संशोधन करने का अधिकार है, बस संविधान के मूल ढांचे में परिवर्तन नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने संविधान को 'लिविंग डाक्यूमेन्ट' कहा था जिसमें बदलते समय और जरूरतों के हिसाब से मूल ढांचे में छेड़छाड़ किये बिना बदलाव किये जा सकते हैं। असल में भारतीय संसद ने 1972 में एक संविधान संशोधन करके केरल भूमि सुधार अधनियम 1971 को मान्य कर दिया था। इसके कारण केरल राज्य धार्मिक मठों और एक सीमा से अधिक जमीन रखनेवालों की जमीन उनसे वापस लेकर भूमिहीनों में बांट रही थी। इसमें केशवानंद भारती का इडनीर मठ भी था जिसकी जमीन केरल सरकार ने जब्त कर ली थी। इसी के खिलाफ वो सुप्रीम कोर्ट आये थे और इसी केस में सुप्रीम कोर्ट ने 7-6 के निर्णय से संविधान में संशोधन के संसदीय अधिकार को मान्य किया था। जो लोकसभा चुनाव होते हैं वो संवैधानिक रूप से कानून बनानेवालों को चुनने के ही चुनाव होते हैं। जो जन प्रतिनिधि होते हैं उन्हें संविधान में संशोधन का पूरा संवैधानिक अधिकार प्राप्त होता है। इसीलिए संविधान लागू होने के बाद से संसद 106 बार संविधान में संसोधन कर चुकी है। पहला संसोधन तो 1951 में संविधान को स्वीकार करने के अगले ही साल खुद जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने ही कर दिया था। इसीलिए नितिन गड़करी कह रहे हैं कि अकेले कांग्रेस की सरकारों में ही 80 संवैधानिक संसोधन किये गये। क्या उस समय किसी ने कहा कि कांग्रेस भारत के संविधान को बदलकर देश पर कब्जा कर रही है? 1973 में सुप्रीम कोर्ट ने भले ही यह कह दिया हो कि संविधान के मूल सिद्धांतों और ढांचे में बदलाव नहीं किया जा सकता लेकिन 1976 में इंदिरा गांधी सरकार ने जो 42 संविधान संशोधन किया उसमें न केवल संविधान के मूल ढांचे में बदलाव किया गया बल्कि संविधान की प्रस्तावना तक को बिना संसद की मंजूरी के बदल दिया गया। इसी संविधान संशोधन में संविधान निर्माताओं की नीति से उलट जाकर प्रस्तावना में सेकुलर और सोशलिस्ट शब्द जोड़ा गया जो भारतीय संविधान के इतिहास की सबसे बड़ी छेड़छाड़ है जिसे उसी राहुल गांधी के पूर्वजों ने किया जिसके नाम की वो राजनीति करते हैं। यह संविधान संशोधन इतना व्यापक था कि इसे मिनी कांस्टीटयूशन तक कहा गया। आर्टिकल 51ए में बदलाव करके 10 नागरिक कर्तव्य जोड़े गये तथा नीति निर्देशक सिद्धांतों को मौलिक अधिकारों के ऊपर कर दिया गया। इस संविधान संशोधन में यहां तक संविधान को बदल दिया गया कि नीति निर्देशक सिद्धांतों में होनेवाले बदलाव की सुप्रीम कोर्ट में भी समीक्षा नहीं हो सकती। 42 संवैधानिक संसोधन में ऐसा नहीं है कि जो कुछ बदलाव हुए वो सब बुरी नीयत से हुए। लेकिन कई ऐसी बातें भी जोड़ी गयी जो उस समय की इंदिरा गांधी सरकार की जरूरत थी। मसलन, अब केन्द्र सरकार बिना राज्य सरकार की सहमति के भी राज्यों में अर्धसैनिक बलों की तैनाती कर सकती है। यह संविधान संशोधन इंदिरा गांधी ने क्यों किया होगा इसे आपातकाल को देखनेवाले अच्छे से समझ सकते हैं। इसलिए यह कहना कि संविधान में बदलाव नहीं हो सकता यह अपने आप में लोकतंत्र विरोधी बात है। लेकिन राहुल गांधी अपने कम्युनिस्ट सलाहकारों की राय पर अगर यह बात बार बार बोल रहे हैं तो उनका उद्देश्य संविधान की रक्षा करने से अधिक उस झूठ की खेती करना है जिसमें समाज की एक जाति को यह समझा दिया गया है कि संविधान का निर्माण बाबा साहेब अंबेडकर ने किया था। इसमें बदलाव का अर्थ होगा अंबेडकर द्वारा लिखी गयी बातों में बदलाव। जब राहुल गांधी बार-बार यह बात बोलते हैं तो वो उसी वर्ग की नजर में संविधान रक्षक बनना चाहते हैं। ऐसे झूठ और गैर लोकतांत्रिक बातों से किसी को फायदा हो न हो लोकतंत्र को नुकासन जरूर पहुंचता है। बहरहाल राहुल गांधी के इस झूठे दुष्प्रचार का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने 16 अप्रैल को बिहार में गया की जनसभा में कम से कम अंबेडकर के साथ डॉ राजेन्द्र प्रसाद का नाम तो लिया है। उन्होंने कहा कि यह (संविधान) डॉ राजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व और बाबा साहेब अंबेडकर की देन है। सीमित सच ही सही लेकिन मोदी ने यह कहने का साहस तो किया है कि संविधान निर्माण कैसे हुआ है। उम्मीद करनी चाहिए कम्युनिस्ट विचारकों और राहुल गांधी जैसे प्रचारकों के जरिए बार-बार संविधान में बदलाव का जो झूठ फैलाया जाता है, उस झूठ से पर्दा जरूर हटेगा।

ए राजा के संसदीय क्षेत्र नीलगिरी में भाजपा का गणित अगर काम कर गया तो डीएमके के लिए मुश्किल हो जायेगी

द्रमुक नेता ए. राजा सनातन धर्म के खिलाफ लगातार विवादित बयान देकर सुर्खियां बटोरते रहे हैं। इसलिए जब हमारी चुनाव यात्रा तमिलनाडु के दौरे पर पहुँची तो हमने समय निकाल कर नीलगिरी संसदीय क्षेत्र का दौरा कर यह जानने का प्रयास किया कि वहां पर राजा के सनातन धर्म विरोधी बयानों का कितना असर है। हम आपको बता दें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. राजा आठवीं बार चुनाव लड़ रहे हैं और उनका मुकाबला भाजपा उम्मीदवार और केंद्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन से है। प्राकृतिक खूबसूरती से भरपूर इस क्षेत्र में 19 अप्रैल को मतदान संपन्न हुआ। यह निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। इस बार राजा, मुरुगन और एआईएडीएमके के लोकेश तमिलसेल्वन और नाम तमिलर काची के ए. जयकुमार के बीच चतुष्कोणीय मुकाबला देखने को मिला।

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि ए. राजा नीलगिरी से 2014 में लोकसभा चुनाव हार गये थे। उस समय उनके खिलाफ 2जी घोटाले का मामला बेहद गरम था। हालांकि राजा ने 2019 में इस सीट पर फिर से जीत हासिल करते हुए अन्नाद्रमुक के उम्मीदवार एम त्यागराजन को 2,00,000 के अधिक मतों के अंतर से हरा दिया था।

द्रमुक नेता ए. राजा सनातन धर्म के खिलाफ लगातार विवादित बयान देकर सुर्खियां बटोरते रहे हैं। इसलिए जब हमारी चुनाव यात्रा तमिलनाडु के दौरे पर पहुँची तो हमने समय निकाल कर नीलगिरी संसदीय क्षेत्र का दौरा कर यह जानने का प्रयास किया कि वहां पर राजा के सनातन धर्म विरोधी बयानों का कितना असर है। हम आपको बता दें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. राजा आठवीं बार चुनाव लड़ रहे हैं और उनका मुकाबला भाजपा उम्मीदवार और केंद्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन से है। प्राकृतिक खूबसूरती से भरपूर इस क्षेत्र में 19 अप्रैल को मतदान संपन्न हुआ। यह निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। इस बार राजा, मुरुगन और एआईएडीएमके के लोकेश तमिलसेल्वन और नाम तमिलर काची के ए. जयकुमार के बीच चतुष्कोणीय मुकाबला देखने को मिला।

हम आपको बता दें कि ए. राजा यहां से 2014 में लोकसभा चुनाव हार गये थे। उस समय उनके खिलाफ 2जी घोटाले का मामला बेहद गरम था। हालांकि राजा ने 2019 में इस सीट पर फिर से जीत हासिल करते हुए अन्नाद्रमुक के उम्मीदवार एम त्यागराजन को 2,00,000 के अधिक मतों के अंतर से हरा दिया था। इस निर्वाचन क्षेत्र की खास बात यह है कि यहां 25 लाख श्रीलंकाई प्रवासी भी हैं, जिन्हें भारतीय मूल के पहाड़ी तमिल कहा जाता है। चुनावों में जीत के लिए इस वर्ग का समर्थन बहुत जरूरी है।

नीलगिरी में जब हमने लोगों से बातचीत की तो सबसे बड़ी समस्या मानव और पशुओं के बीच होने वाले संघर्ष के रूप में दिखी। यहां हाथियों के आवागमन से कई तरह की समस्याएं होती हैं। सरकार का दावा है कि रेडियो कॉलर तकनीक से हाथियों पर लगातार निगरानी रखी जाती है लेकिन लोगों ने बताया कि हाथी कई बार उत्पात भी मचाते हैं। इसके अलावा हाथी गलियारे के किनारे अतिक्रमण और अवैध रिसॉर्ट्स होने की बात भी सामने आई। नीलगिरी में हमें बुनियादी ढांचा भी खराब स्थिति में नजर आया। मानव और पशु अपशिष्ट के चलते जल प्रदूषण भी यहां की समस्या है। लोगों ने सीवेज की स्थिति भी सही नहीं होने की जानकारी दी।

नीलगिरी में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि इसके अंतर्गत आने वाले ऊटी और कुन्नूर में बड़ी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं। इसके चलते यहां कम बजट वाले होटलों की बाढ़ आ गयी है। होटलों और पर्यटकों की ओर से छोड़े जाने वाले ठोस कचरे के चलते पर्यावरण संबंधी चिंताएं बढ़ रही हैं। स्थानीय लोग इस बात से खुश नहीं दिखे कि पर्यटक आकर उनके शहर को गंदा कर रहे हैं। उनका कहना था कि ना तो सरकार सफाई की ओर ध्यान दे रही है ना ही पर्यटक साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं।

यहां व्यापारियों से बात करने पर उन्होंने बताया कि जीएसटी सबसे बड़ा मुद्दा है। कांग्रेस सभी वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी की एक दर लागू करने और द्रमुक जीएसटी को पूरी तरह से समाप्त करने का वादा कर भाजपा पर बढ़त बनाती दिखी। वहीं युवाओं ने नौकरियों की कमी पर चिंता जताई। इस सीट पर हमें द्रमुक को बढ़त दिखी और यह भी महसूस हुआ कि भाजपा यहां अपना वोट प्रतिशत बढ़ाने में कामयाब होगी क्योंकि उसने चुनाव पूरी मजबूती के साथ लड़ा है। भाजपा यहां जितनी मजबूत होगी उतना ही अन्य क्षेत्रीय दल कमजोर होंगे।

नीलगिरी में हमने लोगों से बातचीत में पाया कि सनातन धर्म विरोधी बयानों के चलते ए. राजा से कई लोग नाराज दिखे। साथ ही 2जी विवाद भी राजा का पीछा नहीं छोड़ रहा है। भाजपा उम्मीदवार मुरुगन तो प्रचार के दौरान इस चुनाव को 2जी और मोदीजी के बीच लड़ाई बताते रहे। अन्नाद्रमुक भी राजा पर निशाना साधती रही। पार्टी के महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने दावा किया है कि राजा जल्द ही जेल में हो सकते हैं। हम आपको बता दें कि भाजपा के मास्टर मथन इस सीट पर 1998 और 1999 के लोकसभा चुनावों में जीत हासिल कर चुके हैं। हालांकि वह जीत एक बार द्रमुक और एक बार अन्नाद्रमुक के साथ भाजपा के गठबंधन होने के चलते मिली थी। इस बार भाजपा ने जिस मजबूती के साथ चुनाव लड़ा है उससे यही प्रतीत हुआ कि यदि वह नहीं जीत पाई तो भी अन्नाद्रमुक को धकेल कर दूसरा स्थान हासिल कर सकती है।

मुरुगन ने हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में लगातार एक मजबूत समर्थन नेटवर्क तैयार किया है और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर जोर देते हुए सक्रिय रूप से अभियान चलाया। वह 'हिंदू विरोधी बयानबाजी' के लिए राजा के मुखर आलोचक रहे हैं और उन्होंने पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर पैदा करने का वादा किया है। भाजपा की नजर यहां के बडागास समुदाय पर थी जोकि यहां की आबादी का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा है। इसके अलावा भाजपा ने यहां वन क्षेत्र के किनारे रहने वाले 7,000 परिवारों के वोटों को भी आकर्षित किया। आप जान कर हैरान रह जाएंगे कि इन परिवारों के पास बिजली नहीं है। भाजपा ने जीतने पर उन्हें बिजली कनेक्शन देने का वादा किया है। भगवा पार्टी इस निर्वाचन क्षेत्र के छह विधानसभा क्षेत्रों में से केवल दो में मजबूत है। लेकिन, 2019 की तुलना में देखें तो वह बेहतर नजर आई।

भाजपा की पूर्व सहयोगी अन्नाद्रमुक ने लोकेश तमिलसेल्वन को यहां से मैदान में उतारा है। लेकिन उन्हें यहां ज्यादा लोग जानते ही नहीं हैं। 2019 में अन्नाद्रमुक ने नीलगिरी में 34 प्रतिशत वोट हासिल किया था। यदि यह वोट इस बार भाजपा को गया तो इस क्षेत्र में स्थिति बदल सकती है। दूसरी ओर, नाम तमिलर काची के उम्मीदवार जयकुमार भी सिर्फ वोट काटते नजर आये। हमें ऐसा भी महसूस हुआ कि इस बहुकोणीय लड़ाई के कारण द्रमुक का मुख्य मतदाता आधार विभाजित हो सकता है और इससे अंततः भाजपा को फायदा हो सकता है।

कैलिफोर्निया का ऐसा गांव जहां हर घर में है हवाई जहाज

दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जहां लोगों को घोड़े पर सवारी करते देखा है, गाड़ियां और मोटरसाइकिल तो बहुत कॉमन है. लेकिन दुनिया में एक ऐसी जगह भी है, जहां हर एक घर के बाहर हवाई जहाज खड़ा मिलेगा. हैरानी की बात तो ये है कि इस गांव के लोग परिवार के साथ खाना खाने या ऑफ़िस भी हवाई जहाज से जाते हैं. चलिए इस अनोखे गांव के बारे में जानते हैं-

कैलिफ़ोर्निया में स्थित है ये गांव

शहरों में अनगिनत गेराज और गाड़ियां देखना बहुत ही आम बात है. लेकिन सोचिए अगर आप ऐसी किसी जगह जाएं, जहां आपको एयरप्लेन और उन्हें खड़ा करने के लिए हैंगर दिखे? जी हां, सब कुछ मुमकिन है. क्योंकि ये गांव कैलिफ़ोर्निया में स्थित है. जिसका नाम 'Cameron Air Park' है. यहां के हर घर के बाहर आपको हवाई जहाज खड़ा मिलेगा.

इस गांव की सड़कों को भी रनवे की तरह डिज़ाइन किया गया है

इस गांव की स्ट्रीट को भी इस प्रकार से डिज़ाइन किया गया है कि पायलट आराम से हवाई जहाज उड़ा सकता है. साथ ही इन चौड़ी सड़कों पर एयरप्लेन के साथ-साथ गाड़ियां भी चला सकते हैं. हर सड़क पर Street Sign और लेटर बॉक्स को थोड़ा नीचे की तरफ बनाया गया ताकि किसी को कोई दिक्कत न हो. दरअसल द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, कई हवाई क्षेत्रों को बिना किसी मेंटेनेंस के छोड़ दिया गया था. जिसके बाद विमानन अथॉरिटी ने उन्हें Residential Airparks बना दिया और फिर वहां रिटायर्ड पायलट रहने लगे. यहां 1939 में कुल 34 हज़ार पायलट थे, लेकिन 1946 में बढ़कर कुल 4 लाख पायलट हो गए. 1963 में बने इस गांव में लगभग 124 घर है. रिपोर्ट्स के अनुसार, ये एक फ्लाइंग कम्युनिटी है. जहां सब पायलट है.

ये हैं दुनिया के विचित्र पेड़

ग्रेट सिकुआ ट्री

ग्रेट सिकुआ ट्री नाम के इस पेड़ की गिनती है दुनिया के सबसे बड़े पेड़ में होती है. किसी दानव की तरह दिखने वाला ये पेड़ अमेरिका में स्थित है. इस पेड़ का अनुमानित वजन 27 लाख पाउंड बताया जाता है. करीब 275 फीट लंबे इस पेड़ की उम्र 2300-2700 साल के आसपास बताई जाती है.

जबूटीकाबा

अक्सर आपने फल पेड़ों की टहनियों पर लगते हैं, लेकिन दक्षिणी अमेरिका में पाए जाने वाला इस पेड़ पर फल शाखाओं पर नहीं बल्कि पेड़ के तनों पर उगते हैं. इस पेड़ को जबूटीकाबा नाम से जाना जाता है. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यह अंगूर की ही प्रजाति का एक पेड़ है.

ड्रैगन ब्लड ट्री

यमन के सोकोट्रा द्वीप, जिसे एलियन आइलैंड के नाम से भी जानते हैं, पर पाए जाने वाले इस पेड़ को ड्रैगन ब्लड ट्री कहते हैं, क्योंकि ऐसा कहा जाता है कि इससे खून की तरह दिखने वाला लाल रंग का पदार्थ निकलता है. यह पेड़ अपनी अजीबोगरीब बनावट के लिए दुनियाभर में चर्चित है.

विस्टेरिया

विस्टेरिया नाम का यह पेड़ जापान में पाया जाता है. कहते हैं इस पेड़ की गिनती दुनिया के सबसे खूबसूरत पेड़ों में की जाती है. ये पेड़ पूरी तरह से फूलों से ढंके हुए रहते हैं. किसी पेड़ पर गुलाबी रंग का फूल होता है तो किसी पर नीले रंग का. आपको जानकर हैरानी होगी कि इन फूलों को पूरी तरह से खिलने में पांच से 15 साल तक लग जाते हैं. विस्टेरिया नाम का यह पेड़ जापान में पाया जाता है. कहते हैं इस पेड़ की गिनती दुनिया के सबसे खूबसूरत पेड़ों में की जाती है. ये पेड़ पूरी तरह से फूलों से ढंके हुए रहते हैं. किसी पेड़ पर गुलाबी रंग का फूल होता है तो किसी पर नीले रंग का. आपको जानकर हैरानी होगी कि इन फूलों को पूरी तरह से खिलने में पांच से 15 साल तक लग जाते हैं.

बाओबाब अपने तने में जमा कर सकता है 120000 लीटर पानी!

ये दुनिया वाकई में बेहद अजीब है. आप जहां नजर घुमाइए उधर ही आपको कुछ न कुछ ऐसा दिख जाएगा जिसे देखने के बाद कोई भी इंसान सोचने को एकबार तो जरूर मजबूर हो जाता है. इसी कड़ी में आज हम आपको एक पेड़ के बारे में बताने जा रहे हैं जो अपने तने में 120000 लीटर पानी जमा कर सकता है.

इस पेड़ का नाम बाओबाब है. इसे लोग बोआब, बोआबोआ, बोतल वृक्ष तथ उल्टा पेड़ के नाम से भी बुलाते हैं। हालांकि अरबी में इसे बु-हिबाब कहते हैं जिसका अर्थ है कई बीजों वाला पेड़.

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अफ्रीका ने इसे द वर्ल्ड ट्री की उपाधि भी प्रदान की है.

इस पेड़ पर केवल साल के 6 महीने ही पत्ते लगे रहते हैं. ये पेड़ लगभग 30 मीटर ऊंचे और 11 मीटर चौड़े होते हैं. इस वृक्ष की बनावट बड़ी ही अजीब होती है क्योंकि इन्हें देखने से लगते है कि इनकी जड़े ऊपर और तना नीचे है.

यह पेड़ जब बड़ा हो जाता है तो इसके तने में हजारों लीटर (1,20,000 लीटर तक) शुद्ध पानी भरा रहता है. यह पानी वर्षा के अभाव वाले इलाके में महीनों तक पीने के काम आता है.

बाओबाब की छाल में 40 फीसदी तक नमी होती है, इस वजह से यह जलाने के काम नहीं आती परन्तु तने की भीतरी रेशेदार होती है जिससे कागज, कपड़े, रस्सी, मछली पकड़ने के जाल, कंबल आदि वस्तुओं का निर्माण किया जा सकता है.

अफ्रीका के गर्म क्षेत्रों में पाया जाता है वर्षा कराने वाला पेड़

- अफ्रीका के गर्म क्षेत्रों में समानी सुमन नाम का पेड़ पाया जाता है जो दिन के समय अपनी फलियों में पानी को इकट्ठा कर लेता है और शाम को घनी वर्षा के रूप में उस पानी को जमीन पर गिरा देता है उस क्षेत्र में बसने वाले लोगों के लिए यही पानी का साधन है। इस पेड़ को वर्षा करने वाले पेड़ के नाम से भी जाना जाता है।
- भारत का मोलाई फॉरेस्ट कैसा जंगल है जिसे भारत के एक अकेले आदमी ने 1360 एकड़ भूमि पर लगाया था इस जंगल को बनाने में उसे 30 साल का समय लगा था।
- जहरीले पाइजन इवी के पेड़ में त्वचा को उत्तेजित करने वाला पदार्थ उरुशिओल होता है जिसे मात्र छूने से ही त्वचा पर एलर्जी का रिएक्शन देखने लगता है।
- बांस के पेड़ की कुछ प्रजातियां ऐसी है जो 1 दिन में 1 मीटर तक बढ़ सकती हैं।
- सूरजमुखी के पौधे का उपयोग रेडियो एक्टिव कूड़े को साफ करने के लिए किया जा सकताता है।
- आज से 30 करोड़ साल पहले धरती पर बहुत लंबे पेड़ हुआ करते थे इसका मुख्य कारण था कि उस समय धरती पर जीवाणु नहीं थे।
- बाओबैब का पेड़ अपने तने में लगभग 32000 गैलन पानी को जमा कर सकता है।
- जिराफ की जीभ 21 इंच लंबी होती है जिसका उपयोग में अपने कान साफ करने के लिए भी करता है।
- एक चिपकली का दिल 1 मिनट में लगभग 1000 बार धड़कता है।
- तितली फूलों का स्वाद अपने पैरों से पता लगाती है।
- अगर किसी मनुष्य को स्पेस में छोड़ दिया जाए बिना किसी सुरक्षा के तो वह 2 मिनट से ज्यादा जीवित नहीं रह पाएगा।
- पूरे सौरमंडल में पृथ्वी एक ऐसी जगह है जहां पर पानी ठोस द्रव और गैस तीनों रूपों में उपलब्ध है।
- झींगा किसी रंग का नहीं होता है लेकिन जब उसका खून बाहर आता है, तो वह ऑक्सीजन के साथ मिलकर नीले रंग में बदल जाता है।
- Rafflesia दुनिया का सबसे बड़ा फूल है।
- Fairylies दुनिया का सबसे छोटा कीड़ा है।
- दुनिया का सबसे बड़ा जंगल ऐमेज़ॉन है।
- अगर दुनिया की सारी मधुमक्खियों को मार दिया जाए तो दुनिया खत्म हो जाएगी क्योंकि मधुमक्खियां अनाज को पैदा करने में सहायक होती है।
- पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश मोसिनराम मेघालय, भारत में होती है।
- दुनिया के 85% पौधे समुद्र के अंदर पाए जाते हैं।
- केंचुए प्रकृति द्वारा मनुष्य के लिए एक वरदान है क्योंकि यह हमारी भूमि को उपजाऊ बनाते हैं जिससे फसल अच्छी होती है।
- सूरजमुखी का पौधा हमेशा सूरज की दिशा की ओर ही झुका रहता है।
- Venus Flytrap एक मांसाहारी पौधा है अगर इसके ऊपर कोई भी कीड़ा या किट पतंगे बैठते हैं तो यह तुरंत उसको अंदर खींच लेता है और उसे भोजन के रूप में खाता है।
- प्रकृति द्वारा बनाया गया, सबसे कठोर और ठोस पदार्थ हीरा है।

आईलैंड, जिसका हर 6 महीने में बदल जाता है देश

दुनिया में ऐसी कई अनोखी चीज़ें हैं जो समझ से परे हैं. ये दुनिया ही अतरंगी चीज़ों से भरी पड़ी है. प्रकृति पर किसी का अधिकार नहीं होता, लेकिन इंसान इसे अपने मतलब के लिए अपने तरीक़ों से इस्तेमाल करता है. दुनियाभर में ऐसी कई 'जंग' हो चुकी हैं, जो अधिकार क्षेत्र को लेकर लड़ी गईं. दुनिया के हर एक देश का अपना एक अधिकार क्षेत्र होता है. बावजूद इसके कई देश ऐसे हैं जो 1 इंच ज़मीन के लिए भी युद्ध करने के लिए तैयार रहते हैं. जंग के विपरीत कई देशों ने 'समझौतों' के तहत अपनी सीमाएं तय की हैं. ऐसा ही एक समझौता सन 1659 में एक 'आईलैंड' को लेकर भी हुआ था, जिसे अब तक का सबसे 'भरोसेमंद समझौता' कहा जाता है.

दुनिया में ऐसे कई आईलैंड हैं, जो अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर हैं. लेकिन फ्रांस और स्पेन के बीच एक ऐसा आईलैंड भी है, जो हर 6 महीने में अपना देश बदल लेता है. इस आइलैंड की ख़ासियत ये है कि इस पर 6 महीने फ्रांस और 6 महीने स्पेन का कब्ज़ा रहता है. इसका नाम फ़ीजैंट द्वीप है. इस अनोखे आईलैंड को फ्रेंच और स्पेनिश में फ़ैसेंस आईलैंड भी कहा जाता है. इसकी सबसे ख़ास बात ये है कि इसे लेकर 'फ्रांस और स्पेन' के बीच कोई झगड़ा नहीं है, बल्कि ये दोनों ही देश अपनी मर्ज़ी से इसकी अदला-बदली करते हैं. आपको जानकर हैरानी होगी कि ये अनोखी परंपरा आज से नहीं, बल्कि पिछले 364 सालों से चली आ रही है. फ्रांस और स्पेन के बीच इस आईलैंड के स्वामित्व को लेकर सन 1659 में एक 'समझौता' हुआ था. इस समझौते को 'पाइनीस संधि' के नाम से भी जाना जाता है. समझौते के तहत फ्रांस और स्पेन आपसे सहमति से फ़ीजैंट द्वीप की अदला-बदली करेंगे और इस पर 6 महीने फ्रांस और 6 महीने स्पेन का कब्ज़ा रहेगा. इस समझौता के बाद 200 मीटर लंबे और 40 मीटर चौड़े फ़ीजैंट द्वीप पर 1 अगस्त से लेकर 31 जनवरी तक फ्रांस का कब्ज़ा रहता है और 1 फ़रवरी से 31 जुलाई तक ये स्पेन के अधिकार में रहता है.

संक्षिप्त समाचार

हिजबुल्ला ने इजराइल पर 35 रॉकेट दागे : सेना

जेरूसलम, एजेंसी। इजराइली सेना ने एक बयान में कहा कि लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्ला ने उत्तरी इजराइल की ओर लगभग 35 रॉकेट दागे, जबकि इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हवाई हमले किए। रॉकेटों से सफेद शहर और उत्तरी इज़राइल के अन्य क्षेत्रों में हवाई हमले के सायरन बजने लगे। हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।इजराइली सेना ने सोमवार को कहा कि इजराइली रक्षा बलों ने दक्षिणी लेबनान में रॉकेट लॉन्चरों से हिजबुल्ला के बुनियादी ढांचे पर हमला किया। बयान के मुताबिक, इससे पहले सोमवार को इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के अरजौन और ओडाइसेह गांवों में हिजबुल्ला के लड़ाकों पर हमला किया था।

सुनक ने पूरा किया अपना वादा, ब्रिटेन की संसद में रवांडा डिपोर्टेशन बिल पास

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की संसद ने विवादित रवांडा डिपोर्टेशन बिल पारित कर दिया है। संसद के दोनों हंगामे के बीच इस बिल को पारित कर दिया गया। उन्होंने पीएम बनने से पहले रवांडा पॉलिसी लागू करने का वादा किया था। ऋषि सुनक ने जानकारी दी कि 10 से 12 हफ्तों के भीतर ब्रिटेन से अवैध शरणार्थियों के पहले जत्थे को रवांडा भेजना शुरू किया जाएगा। इसके लिए ब्रिटेन सरकार ने कमर्शियल चार्टर प्लेन बुक किए हैं ताकि उसके जरिए शरणार्थियों के रवांडा भेजा जा सके। वर्षों में इंग्लिश चैनल को पार करके रवांडा से हजारों शरणार्थी ब्रिटेन पहुंच चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस साल जनवरी से मार्च के बीच इंग्लिश चैनल पार कर ब्रिटेन पहुंचने वालों की संख्या 4600 से ज्यादा हो चुकी है। बता दें कि अप्रैल 2022 में ब्रिटेन और रवांडा के बीच असाइलम पॉलिसी पर एग्रीमेंट हुआ था। इस एग्रिमेंट के जरिए ब्रिटेन ने रवांडा को 12 करोड़ पाउंड दिए थे। इस पैसे से रवांडा में रहने वाले लोगों के लिए घर और काम का बंदोबस्त करना था।

जर्मनी-ब्रिटेन में जासूसी के आरोप में पांच शख्स गिरफ्तार

लंदन , एजेंसी। जर्मनी और ब्रिटेन में जासूसी करने के संदेह में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों पर चीन को संवेदनशील प्रौद्योगिकियों की आपूर्ति करने का भी आरोप है। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, जर्मनी ने चीन को संवेदनशील प्रौद्योगिकियों की आपूर्ति करने के संदेह में तीन लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि ब्रिटेन में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जर्मनी के सरकारी वकीलों के मुताबिक तीन जर्मन नागरिकों ने संभावित सैन्य मकसद से जुड़ी प्रौद्योगिकी चीनी खुफिया अधिकारियों के साथ साझा किए। दोनों पक्ष जून, 2022 से ही संपर्क में थे। गिरफ्तार किए गए तीनों पर बिना अनुमति के एक विशेष लेजर का निर्यात करने का भी आरोप है।

चीन संग तनाव के बीच दो और पोत तैनात करेगा ताइवान

बीजिंग, एजेंसी। चीन की आक्रामकता से निपटने और अपने जल क्षेत्र को सुरक्षित रखने के लिए ताइवान की नौसेना अगले महीने दो और स्वदेश निर्मित स्टील्थ मिसाइल पोत (कार्वेट) हसू जियांग (पीजीजी-621) और वू जियांग (पीजीजी-623) तैनात करेगा। सेंट्रल न्यूज एजेंसी ताइवान ने बताया कि दोनों मिसाइल पोत मई की शुरुआत में नौसेना में शामिल किए जाएंगे। पिछले साल फरवरी और जून में लॉन्च किए गए दोनों कार्वेट इस फरवरी में नौसेना को सौंपे गए थे।

एरिजोना में दो वाहनों की हुई भीषण टक्कर, हादसे में दो भारतीय छात्रों ने गंवाई जान

एरिजोना, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका की एक यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे भारत के दो छात्रों की एरिजोना में एक सड़क हादसे में मौत हो गई। निवेश मुक्का और गौतम कुमार पारसी की शनिवार रात (स्थानीय समय) पियोरिया में उस समय मौत हो गई, जब उनकी कार दूसरी कार से जा टकराई। दोनों की उम्र 19 वर्षीय थी। दो वाहन आपस में टक्कराए पियोरिया पुलिस के अनुसार, सड़क हादसा 20 अप्रैल को शाम छह बजकर 18 मिनट पर हुआ।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने एलन मस्क को बताया घमंडी अरबपति, एक्स से सामग्री न हटाने को लेकर भड़के

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने मंगलवार को अरबपति कारोबारी एलन मस्क को घमंडी बता दिया। बताया गया है कि ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में एक पादरी के साथ हुई चाकूबाजी की घटना के वीडियो को एक्स से न हटाए जाने को लेकर अल्बानीज मस्क पर भड़क गए।

क्या है मामला : दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में एक चर्च में कुछ ही दिनों पहले एक चाकूबाजी की घटना हुई थी। यहां एक 16 साल के लड़के ने चर्च के एक पादरी पर इस्लाम की आलोचना का आरोप लगाते हुए उसे चाकू मार दी थी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त तौर से वायरल हुआ। बाद में ऑस्ट्रेलिया के दूरसंचार नियामकों ने एक्स से इस वीडियो से जुड़े कुछ पोस्ट्स और कमेंट्स हटाने के लिए कहा।

हालांकि, एक्स की तरफ से इस मामले में कार्रवाई न किए जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया की कोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को दूरसंचार नियामक का

आदेश मानने को कहा। बाद में एक्स ने इस वीडियो को अपने प्लेटफॉर्म से पूरी तरह हटाने की जगह सिर्फ ऑस्ट्रेलिया में स्थित यूजर्स के लिए हटाया। एक्स का तर्क था कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार पूरी दुनिया में दिखाए जाने वाली सामग्री को लेकर मनमानी नीहं कर सकती।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम की मस्क को खरी-खरी: इसी के बाद ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने एक्स के मालिक एलन मस्क पर निशाना साधा। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि सोशल मीडिया कंपनियों को जिम्मेदार होना चाहिए, लेकिन मस्क इस हिंसा से भरी सामग्री को अपने प्लेटफॉर्म पर रखने के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, ÷हम इस घमंडी अरबपति, जो सोचता है कि वह कानून और आम शालीनता से भी ऊपर है, से निपटने के लिए जो भी जरूरी होगा वह करेंगे। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार की तरफ से इस वीडियो को एक्स से हटाने की मांग के दौरान मस्क ने सरकार की ई-सेफ्टी कमिश्नर पर तंज कसा था। मस्क ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया की सेंसरशिप अधिकारी करार दिया था। इतना ही नहीं एलन मस्क ने यहां तक कह दिया था कि एक्स स्वतंत्र अभिव्यक्ति और सच के साथ खड़ा है, जबकि अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सिर्फ सेंसरशिप और प्रोपेगैंडा से चलते हैं। इसको लेकर भी अल्बानीज ने मस्क पर निशाना साधा और कहा कि ऑस्ट्रेलिया की ई-सेफ्टी कमिश्नर नागरिकों के हितों की रक्षा का काम कर रही हैं।

भारत की गीता सभरवाल इंडोनेशिया में ह रेसीडेंट को-ऑर्डिनेटर के पद पर नियुक्त

मालदीव और श्रीलंका में कर चुकी हैं काम

यूनाईटेड नेशन्स , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने भारत की गीता सभरवाल को इंडोनेशिया में संयुक्त राष्ट्र के स्थानीय समन्वयक के रूप में नियुक्त किया है। सोमवार को उन्होंने पदभार संभाला।

संयुक्त राष्ट्र ने एक बयान में कहा कि गीता सभरवाल के पास जलवायु परिवर्तन, स्थायी शांति, शासन और सामाजिक नीति का समर्थन करने वाले विकास में लगभग 30 वर्षों का अनुभव है, जबकि सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में तेजी लाने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी और डेटा का लाभ उठाया जा रहा है।बयान में कहा गया है कि मेजबान सरकार की मंजूरी से सभरवाल को इंडोनेशिया में संयुक्त राष्ट्र के स्थानीय समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया है। अभी जकार्ता में उतरी! बहुत सम्मानित महसूस हो रहा है, क्योंकि मैं यूएन रेजिडेंट को-ऑर्डिनेटर के रूप में यूएन इन इंडोनेशिया के माध्यम से इंडोनेशिया की सरकार और लोगों के साथ-साथ क्षेत्र की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक में 26 संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के साथ एसडीजी के समर्थन में सेवा करने के लिए उत्सुक हूं।

इससे पहले, सभरवाल ने थाईलैंड में संयुक्त राष्ट्र के स्थानीय समन्वयक और श्रीलंका में संयुक्त राष्ट्र के शांति निर्माण और विकास सलाहकार के रूप में कार्य किया था। संयुक्त राष्ट्र में शामिल होने से पहले सभरवाल मालदीव और श्रीलंका के लिए एशिया फाउंडेशन के डिप्टी कंट्री रिप्रजेंटेटिव थीं और भारत और वियतनाम में अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए यूनाइटेड किंगडम के विभाग के गरीबी और नीति सलाहकार के रूप में कार्यरत थी।

नासा ने जारी की दुबई में आई बाढ़ की तस्वीरें; दे रहीं हैं बर्बादी की गवाही

दुबई , एजेंसी। दुबई में पिछले हफ्ते हुई भारी बारिश के बाद हाहाकार मच गया था। 16 अप्रैल से 17 अप्रैल तक संयुक्त अरब अमीरात के एक बड़े हिस्से में भारी बारिश हुई। बारिश के कारण दुबई अबुधाबी जैसे शहरों में अब तक की सबसे भारी बारिश दर्ज की गई। बारिश इतनी भयानक थी कि इसको अंतरिक्ष से भी देखा जा सकता था। यूएई के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश के कारण आई बाढ़ के नासा ने कुछ फोटो जारी किए हैं। जिनमें बारिश से पहले और बाद का क्षेत्र दर्शाया गया है। पाम जेबल अली में पार्कों सड़कों पर बाढ़ का पानी भर गया था सीएनएन के अनुसार, तस्वीरों में नीले रंग के तौर पर देखा जा सकता है दुबई में बाढ़ ने कितना क्षेत्रफल कवर किया था। दुबई के सबसे चर्चित जेबल अली के औद्योगिक क्षेत्र के साथ ही पाम जेबल अली के दक्षिण में हर जगह पार्कों सड़कों पर बाढ़ का पानी भर गया था। दुबई की बारिश के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं, जिसमें देखा जा सकता है कि बड़ी-बड़ी बिल्डिंग पानी में डूबी है और कारें पानी में तैर रही हैं। मंगलवार को दुबई में 142 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि यहां सालभर में औसतन 95 मिलीमीटर बारिश ही हो पाती है। बारिश कम होने के दो दिन के बाद नासा का लैंडसैट 9 उपग्रह शुक्रवार यानी 19 अप्रैल को संयुक्त अरब अमीरात के ऊपर से गुजरा और बाढ़ के पानी के बड़े, रुके हुए तालाबों की तस्वीरें खींची। नासा का लैंडसैट 9 उपग्रह मानव जीवन को बनाए रखने के लिए आवश्यक भूमि संसाधनों को समझने और उनके प्रबंधन की निगरानी करता है।

चीन में बारिश से आई बाढ़ में डूब गया दुनिया का मैन्युफैक्चरिंग हब, सड़कों पर चलीं नावें

बीजिंग, एजेंसी।
चीन के दक्षिणी प्रांत गुआंगदोंग में ऐसी बारिश हुई है कि बड़ा इलाका तालाब में तब्दील हो गया है। बीते 65 सालों में हुई सबसे ज्यादा बारिश के चलते 4 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 10 लोग लापता हैं। इस बारिश का सबसे ज्यादा असर गुआंगदोंग की राजधानी गुआंगझू में दिखा है। इसके अलावा पर्ल नदी की तलहटी पर बसे पर्ल रिवर डेल्टा में बड़ा इलाका पानी में डूब गया है। इस बारिश से ऐसी आपदा आई है कि प्रशासन ने करीब सवा लाख लोगों को निकाला गया है। यही नहीं करीब 26 हजार लोगों को शेल्टर होम्स में भेजा गया है।

ग्वांगझू में अप्रैल माह में 60.9 सेंटीमीटर बारिश हुई है। 1959 के बाद यह पहला मौका है, जब ग्वांगझू में

इतनी भीषण बारिश हुई है। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार झाओकिंग शहर में तीन लोगों की मौत हुई है, जबकि एक मौत शाओगुआन सिटी में हुई है। हालांकि यह जानकारी नहीं मिली है कि इन लोगों की कैसे मौत हुई है। बीते शनिवार से शुरू हुई बारिश का सबसे ज्यादा असर गुआंगदोंग प्रांत के इन दो शहरों में ही देखने को मिला है। हालात ऐसे हो गए हैं कि शहर के अंदर सड़कों पर नावें चल रही हैं।

बाजारों और रिहायशी इलाकों से लोगों को रबड़ की नावों के जरिए निकाला जा रहा है। पड़ोस के ही जियांग्शी प्रांत में भी बारिश ने खूब कहर ढाया है और वहां से 460 लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाया गया है। इस बारिश से बड़े पैमाने पर फसलों को भी नुकसान हुआ है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार इस बारिश से करीब 41 मिलियन युआन है। गुआंगदोंग को दुनिया का फैक्ट्री फ्लोर कहा जाता है। यहां पर बड़े पैमाने पर मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां हैं, जहां बारिश से बड़ा नुकसान हुआ है। 6 दशकों में ऐसा पहली बार हुआ है, जब यहां इतनी बारिश हुई है। इस बारिश के चलते बड़े पैमाने पर आलू और धान के खेतों को नुकसान पहुंचा है। आमतौर पर यहां मई और जून के दौरान बारिश होती है, लेकिन अप्रैल में ही ऐसी बारिश होना चिंता बढ़ाने वाला है।

अमेरिकी रिपोर्ट में इस्राइल पर मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप, ब्लिंकन बोले- अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करें

वॉशिंगटन, एजेंसी। हमास और इस्राइल के बीच कई माह से जंग जारी है। इस युद्ध को रुकवाने के लिए हर कोई कोशिश कर रहा है, लेकिन फिर भी जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। इस बीच गाजा की हालत बिगड़ती जा रही है। यहां मानवीय सहायता पहुंचाने के सभी रास्ते धीरे-धीरे इस्राइल ने लगभग बंद कर दिए हैं। इस बीच, एक बार फिर अमेरिका ने इस्राइल को आंखें दिखाई हैं। उसने इस्राइल से नागरिकों के नुकसान को कम करने का आग्रह किया है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने मानवाधिकार उल्लंघन पर अपनी रिपोर्ट जारी की और गाजा में मानवाधिकारों के हनन पर चिंताओं को रेखांकित करते हुए इस्राइल पर प्रकाश डाला। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन का कहना है कि गाजा में इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष मानवाधिकारों के लिए परेशान करने वाली चिंताएं पैदा कर रहा है। उन्होंने सात अक्तूबर के हमास आतंकवादी हमलों की निंदा की है, जबकि इस्राइल से अपनी प्रतिक्रिया में नागरिक क्षति को कम करने का आग्रह किया।

वार्षिक देश रिपोर्ट में इस्राइल पर 103 पन्नों में बात की गई है। इसमें एक दर्जन से अधिक प्रकार के मानवाधिकारों के हनन की विश्वसनीय रिपोर्ट दर्ज की गई है, जिसमें हत्याएं, यातना, मनमानी हिरासत, संघर्ष-संबंधी यौन हिंसा या सजा और कथित अपराधों के लिए परिवार के सदस्यों की सजा शामिल है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि गाजा पट्टी में इस्राइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध का मानवाधिकार की स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इसमें हमास और इस्राइली सरकार दोनों द्वारा गैरकानूनी हत्याओं की विश्वसनीय रिपोर्टों का हवाला दिया गया। ब्लिंकन ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका मानवाधिकारों पर विदेशी देशों के रिकॉर्ड के बारे में आकलन करना जारी रखेगा।

ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका ने स्पष्ट कर दिया है कि इस्राइल को अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने की आवश्यकता है और नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर संभव सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विभाग अभी भी युद्ध के दौरान गाजा में नागरिक मौतों के बारे में चिंता जता रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका ने गाजा में मानवीय सहायता पहुंच, नागरिक विस्थापन और पत्रकारों की मौत के बारे में भी बार-बार चिंताएं उठाई हैं।

बता दें, इस्राइल और हमास के बीच युद्ध लगातार जारी है। हर तरफ चीख-पुकार मची हुई है। सात अक्तूबर से लेकर अब तक 30 हजार से अधिक लोगों की इस संघर्ष में मौत हो चुकी है। वहीं, हमास के बाद इस्राइली सेना भी कार्रवाई करते हुए बिना रुके हमले कर रही है।

गाजा युद्ध के मुद्दे पर घर में घिरे बाइडन, विश्वविद्यालयों में फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनों की बाढ़

वॉशिंगटन, एजेंसी।
गाजा में जारी युद्ध को लेकर अब अमेरिकी सरकार पर भी दबाव बढ़ रहा है और राष्ट्रपति जो बाइडन घर में ही घिरते जा रहे हैं। दरअसल गाजा युद्ध के मुद्दे पर अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ये विरोध प्रदर्शन व्यापक पैमाने पर हो रहे हैं और हालात ये हैं कि अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों में अकादमिक सत्र बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है और हजारों छात्रों के साथ ही अध्यापक और अन्य स्टाफ भी फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों में शामिल हैं।

गाजा युद्ध को लेकर बाइडन पर बढ़ा दबाव

अमेरिकी की कोलंबिया यूनिवर्सिटी से लेकर कैलिफोर्निया की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी तक सभी में फलस्तीन समर्थक रैलियां निकाली जा रही हैं और हजारों छात्र धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्र गाजा में हो रही आम नागरिकों की मौतों के लिए बाइडन सरकार और उनकी नीतियों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। अमेरिकी मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, कोलंबिया यूनिवर्सिटी में कक्षाएं स्थगित चल रही हैं। येले पुलिस ने दर्जनभर प्रदर्शनकारी छात्रों को गिरफ्तार भी किया है। यूनिवर्सिटी परिसर में फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने तंबू भी गाड़ दिए हैं। ऐसा ही हाल अमेरिका के अन्य कॉलेजों का भी है।

एक अन्य मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि स्कूल-कॉलेजों में युद्ध को लेकर प्रदर्शन

बढ़ रहे हैं। छात्र तंबुओं में रह रहे हैं और इससे विश्वविद्यालयों का कामकाज प्रभावित हो रहा है। इससे अराजगता का माहौल पैदा हो रहा है। न्यूयॉर्क पुलिस ने न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से कई प्रदर्शनकारी छात्रों को हिरासत में लिया है। दरअसल फलस्तीन समर्थक छात्रों ने प्रदर्शन के दौरान बैरिकेड तोड़े और अराजकता फैलाई। जिसके चलते उन्हें गिरफ्तार किया गया। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में भी फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारी छात्रों ने 15 के करीब तंबू गाड़ दिए हैं। छात्रों के विरोध प्रदर्शन की कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। एक वीडियो में तो कोलंबिया यूनिवर्सिटी में एक भारतीय मूल की छात्रा प्रदर्शन करते दिख रही है और वह आजादी, ले के रहेंगे आजादी जैसे नारे लगा रही है। कुछ साल पहले भारतीय विश्वविद्यालयों में भी ऐसे ही नारे सुनाई दिए थे। व्हाइट हाउस ने विश्वविद्यालयों में चल रहे इन विरोध प्रदर्शनों पर नाराजगी जताई। राष्ट्रपति जो बाइडन से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यहूदियों के खिलाफ हो रहे इन विरोध प्रदर्शनों की मैं कड़ी निंदा करता हूं। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के अलावा बॉस्टन यूनिवर्सिटी, हावर्ड यूनिवर्सिटी और मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में भी विरोध प्रदर्शन जारी हैं।

भारतीय मूल के शादीशुदा शख्स ने प्रेमिका की पीट-पीटकर हत्या की, हुई 20 साल की जेल की सजा

सिंगापुर, एजेंसी।
सिंगापुर में एक भारतीय मूल के शादीशुदा शख्स को 20 साल की जेल की सजा मिली है। दरअसल, व्यक्ति को यह सजा अपनी प्रेमिका की गैर इरादतन हत्या के लिए सुनाई गई।

एम कृष्णन खुद शादीशुदा था, लेकिन अपनी प्रेमिका का दूसरे पुरुषों के साथ संबंध रखने की बात हजम नहीं कर पाया। जब उसे यह पता चला तो उसने 40 वर्षीय मल्लिका बेगम रहमानसा अब्दुल रहमान को मुक्का और लात मारी, जिससे उसकी 17 जनवरी, 2019 में मृत्यु हो गई। 40 वर्षीय शख्स ने पिछले सप्ताह हाईकोर्ट में अपना जुर्म कबूल कर लिया था। बता दें, उसकी सजा उसकी गिरफ्तारी की तारीख से पहले की है। न्यायमूर्ति वैलेरी थीन ने कहा कि कृष्णन ने वादा किया था कि 2018 में (पुलिस अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार के एक अन्य अपराध के लिए) वह एक सुधरा हुआ व्यक्ति बन जाएगा, लेकिन उसने अपनी पत्नी और प्रेमिका के साथ दुर्व्यवहार करना जारी रखा। सजा सुनाए जाने के दौरान न्यायमूर्ति ने यह भी कहा कि शख्स को गुस्सा करने की बीमारी थी। इसमें शराब ने और इस प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया। न्यायमूर्ति थीन ने कहा कि भले ही अपराध के बाद उसे इस विकार के बारे में पता चला था कि उसे गुस्सा बहुत आता है। यह कहते हुए कि वह महिलाओं के खिलाफ उसके बार-बार घरेलू दुर्व्यवहार को नजरअंदाज नहीं कर सकतीं, अदालत ने कृष्णन को 20 साल जेल की सजा सुनाई।

गौरतलब है, गैर इरादतन हत्या के लिए अधिकतम सजा आजीवन कारावास और बेंत से मारने की सजा है, या 20 साल तक की जेल की सजा और जुर्माना या बेंत से मारना है। साल 2015 की नवंबर में, कृष्णन की पत्नी ने उसे और उसकी प्रेमिका को बेडरूम में शराब पीते हुए पकड़ लिया था। परेशान होकर उसने कृष्णन को खूब खरी खोंटी सुनाई। इस पर शख्स आग बबूला हो गया और उसके चेहरे पर जोरदार थप्पड़ मार दिया। इतना ही नहीं बाद में व्हिस्की की बोतल भी उठा ली। इस पर पत्नी घबरा गई और उसने माफी मांग ली। बाद में यह मामला पुलिस के

बाद गया। हालांकि, यह मामला यही नहीं थमा। इसके बाद कृष्णन का गुस्सा और बढ़ता चला गया। 2017 में अपनी प्रेमिका को किसी छोटी बात पर मारा। एक रिपोर्ट के अनुसार, मल्लिका ने जब कई पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाने की बात स्वीकार की, उसके बाद साल 2019 की शुरुआत में दुर्व्यवहार तेज हो गया। दरअसल, जब दोनों साथ में 15 जनवरी, 2019 में अपार्टमेंट में शराब पी रहे थे, तब मल्लिका ने धोखा देने की बात कबूल की। इस पर कृष्णन भड़क गया और उसे जमकर पीटा। महिला ने शख्स से विनती की कि वह उसे न मारे तो उसने उसकी गर्दन पकड़ ली और उसे धक्का दे दिया, जिससे वह गिर गई और उसका सिर अलमारी से टकरा गया। वह उठी लड़खड़ाते हुए रसोई में पहुंची और एक अलमारी के सामने गिर पड़ी। इस पर कृष्णन ने उसे उठने के लिए कहा और जब वह नहीं उठी तो उसने उसके माथे को दीवार से मार दिया। अगले दिन मल्लिका का अस्पताल में इलाज चला। इस दौरान कृष्णन ने पूरे दिन शराब पी। रात में उसने मल्लिका की बहन से फोन पर बात की और उसके किसी दूसरे आदमी के साथ रिश्ते के बारे में बताया। शख्स का गुस्सा यहीं शांत नहीं हुआ उसने मल्लिका को फिर मारा। उसके चेहरे पर थप्पड़ मारा, उसके बाल पकड़े और उसे थप्पड़ मारा और लात मारी। उसे तबतक मारा जब तक वह मर नहीं गई। जब मल्लिका जमीन पर गिई तो कृष्णन ने उसे बिस्तर पर लेटा दिया। बाद में महसूस किया कि वह सांस नहीं ले रही थी। इसके बाद उसने लगभग 1ः35 बजे सिंगापुर सिविल डिफेंस फोर्स को फोन किया और बाद में पुलिस ने मल्लिका को मृत घोषित कर दिया। शव का पोस्टमार्टम हुआ तो सामने आया कि मौत सिर पर चोट लगने से हुई थी। उसकी खोपड़ी, गर्दन के पीछे, चेहरे और शरीर के आसपास कई चोटों के निशान थे।

संक्षिप्त समाचार

रामदेवबाबा सॉल्वेंट की बाजार में धमाकेदार एंट्री, 85 रुपये का शेयर पहले ही दिन 115 रुपये के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। रामदेवबाबा सॉल्वेंट की शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत हुई है। कंपनी के शेयर 31 पर्सेंट से ज्यादा के फायदे के साथ 112 रुपये पर बाजार में लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में रामदेवबाबा सॉल्वेंट के शेयर 85 रुपये में निवेशकों को मिले थे। यानी, लिस्टिंग के साथ ही निवेशकों को हर शेयर पर 27 रुपये का फायदा हो गया है। रामदेवबाबा सॉल्वेंट का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 15 अप्रैल को खुला था और यह 18 अप्रैल 2024 तक ओपन रहा। लिस्टिंग के ठीक बाद रामदेवबाबा सॉल्वेंट के शेयर 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 117.60 रुपये पर पहुंच गए हैं। रामदेवबाबा सॉल्वेंट की शुरुआत साल 2008 में हुई थी। कंपनी रिफाइंड राइस ब्रैन ऑयल का प्रॉडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन करती है। रामदेवबाबा सॉल्वेंट फिलहाल मदर डेयरी फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स प्राइवेट लिमिटेड, मैरिको लिमिटेड और एम्पायर स्पाइसेज एंड फूड्स लिमिटेड जैसी कंपनियों को राइस ब्रैन ऑयल सेल करती है। इसके अलावा, कंपनी अपने खुद के ब्रांड तुलसी और सेहत के तहत राइस ब्रैन ऑयल की मैन्युफैक्चरिंग, मार्केटिंग करती है। रामदेवबाबा सॉल्वेंट के आईपीओ पर टोटल 126.21 गुना दांव लगा था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 79.96 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का कोटा 314.46 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 65.95 गुना दांव लगा था। रामदेवबाबा सॉल्वेंट के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 1 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1600 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को कंपनी के आईपीओ में 1.36 लाख रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा। रामदेवबाबा सॉल्वेंट के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 50.27 करोड़ रुपये तक का था। कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के स्वच्छ प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 81.01 पर्सेंट थी।

देश में बिकने वाले मसालों की गुणवत्ता जांचेगा खाद्य नियामक, सवाल उठे तो हरकत में सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। खाद्य सुरक्षा नियामक (एफएसएसएआई) ने जांच के मकसद से देश भर से एमडीएच और एवरेस्ट सहित पाउडर के रूप में सभी ब्रांडों के मसालों के नमूने लेना शुरू कर दिया है। एक सरकारी सूत्र ने यह जानकारी दी है। सिंगापुर और हांगकांग में इन दोनों कंपनियों कुछ मसाला उत्पादों की गुणवत्ता को लेकर चिंता जताये जाने के बाद यह कदम उठाया जा रहा है। सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, ''मौजूदा घटनाक्रम के मद्देनजर, एफएसएसएआई बाजार से एमडीएच और एवरेस्ट समेत सभी ब्रांड के मसालों के नमूने ले रहा है ताकि यह जांचा जा सके कि वे तय मानदंडों को पूरा करते हैं या नहीं।'' उन्होंने कहा कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) निर्यात किये जाने वाले मसालों की गुणवत्ता का नियमन नहीं करता है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत आने वाला एफएसएसएआई घरेलू बाजार में बेचे जाने वाले उत्पाद की गुणवत्ता की जांच करने के लिए नियमित रूप से बाजार से मसालों के नमूने लेता है। इस बीच, भारतीय मसाला बोर्ड भारतीय ब्रांडों एमडीएच और एवरेस्ट के चार मसाला-मिश्रण उत्पादों की बिक्री पर हांगकांग और सिंगापुर में लगाए गए प्रतिबंध पर गौर कर रहा है। इन मसालों में कथित तौर पर स्वीकार्य सीमा से अधिक कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड पाये जाने की बात कही गयी है।

मियां-बीवी ने नौकरी छोड़ शुरू किया बिजनेस, 4 साल में बने करोड़पति

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है ऐसे पति-पत्नी की जिन्होंने नौकरी छोड़कर अपना कारोबार करने का फैसला किया। बहुत कम समय में इन्होंने इस बिजनेस को बुलंदियों तक पहुंचा दिया। इनके नाम हैं आरती लक्ष्मण और सुमित रस्तोगी। दोनों एर्टीन्सी नाम के स्टार्टअप के संस्थापक हैं। यह एक फूड स्टार्टअप है जो दुनिया भर में ग्लूटेन और शुगर-फ्री मिठाई की सप्लाई करता है। आइए, यहां आरती और सुमति के सफर के बारे में जानते हैं। आरती लक्ष्मण और सुमित रस्तोगी दोनों के परिवारों में डायबिटीज की हिस्ट्री रही है। हालांकि, दोनों ही मिठाई खाने के बहुत शौकीन थे। जब उन्होंने पाया कि बाजार में शुगर फ्री मिठाइयों के विकल्प बहुत सीमित हैं तो खुद ही डायबेटिक-फ्रेंडली मिठाइयां बनाने का फैसला किया।

फिर हुई प्रयोग की शुरुआत

खाने में गहरी दिलचस्पी रखने वाली एचआर पेशेवर आरती ने शुगर-फ्री डेसर्ट के साथ प्रयोग शुरू किया। 2012 में उन्होंने एक काउंटरटॉप आइसक्रीम मशीन खरीदी। पहले से उपलब्ध रेसिपी के साथ आरती ने मिठाई बनाना शुरू कर दिया। 2015 तक आरती ने चीनी का उपयोग किए बिना अपनी खुद की रेसिपी विकसित कर ली। फिर उन्होंने केक और कुकीज में भी हाथ आजमाया।

नौकरी छोड़ने का फैसला

2019 में आजमाई और परखी हुई रेसिपी के साथ सुमित और आरती ने अपनी नौकरी छोड़ने का फैसला किया। सुमित ने इसके पहले तक नीलसन, सिनोवेट और कई अन्य जानी-मानी कंपनियों के साथ काम किया था। वहीं, आरती एक्सेंचर और सिटीग्रुप ग्लोबल सर्विसेज के साथ जुड़ी हुई थीं। फिर बेंगलुरु की इस दंपति ने 25 लाख रुपये की अपनी बचत के साथ जनवरी 2020 में एर्टीन्सी की शुरुआत की।

शार्क टैंक इंडिया से मिली पहचान

फूड स्टार्टअप के संस्थापक शार्क टैंक इंडिया सीजन 3 में भी गए। इसने आर्टिन्सी को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। केवल 24 घंटों में ऑर्डर में 700 फीसदी की भारी बढ़ोतरी देखने को मिली। ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले कई डायबिटिक रोगियों ने भी पूछताछ की। आर्टिसी ने तीन वर्षों में अपनी उत्पादन क्षमता को तीन गुना कर दिया है। 25 लाख रुपये की बचत के साथ शुरू हुई आर्टिसी का रेवेन्यू वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 4.4 करोड़ रुपये हो गया।

विनिर्माण क्षेत्र में 40 फीसदी तक पहुंच सकती है महिला प्रशिक्षुओं की भागीदारी, 70 प्रतिशत ग्रामीण

नई दिल्ली, एजेंसी। विनिर्माण क्षेत्र में महिला प्रशिक्षुओं की मांग में तेज वृद्धि हुई है। कारखाने अब लैंगिक समानता को अपना रहे हैं। इस साल के अंत तक उम्मीद है कि विनिर्माण क्षेत्र में महिला प्रशिक्षुओं की संख्या 40 फीसदी तक पहुंच सकती है। टीमलीज के अनुसार, 8 से 10 महीने में 10 वीं व 12वीं कक्षा पास करने वाली महिला प्रशिक्षु को नियुक्त करने की मांग में पांच गुना वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, महिला प्रशिक्षुओं की मांग में वृद्धि वाहन, ई-वाहन, इलेक्ट्रॉनिक तथा फोन विनिर्माण क्षेत्रों में तेजी के कारण आई है। इससे महिला प्रशिक्षुओं के प्रतिनिधित्व में अच्छी खासी वृद्धि का अनुमान है। विनिर्माण क्षेत्र में प्रशिक्षु के रूप में करीब 70 प्रतिशत महिलाएं ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से हैं। यह कौशल विकास तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिये इन क्षेत्रों में महिलाओं को मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण अवसर का संकेत देता है। रिपोर्ट के अनुसार, पहले हर महीने 1,000-2,000 महिला प्रशिक्षुओं की मांग थी।यह बढ़कर अब 10,000 से 12,000 प्रति महीने पहुंच गईहै।वहीं, इनकी भर्तियां भी 10-15 फीसदी से बढ़कर 40-45 फीसदी पहुंच गईहै।

सोने की ताबड़तोड़ खरीदारी कर रहा चीन ! भारत को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन जमकर सोने की खरीदारी में लगा हुआ है। गोल्ड खरीदने में चीन ने इस साल भारत को भी पीछे छोड़ दिया है। चीन इस समय सोना खरीदने वाले देशों में पहले नंबर पर है। बीते समय में भारत दुनिया का सबसे ज्यादा सोना खरीदने वाला देश बना हुआ था। हालांकि अब चीन इस मामले में भारत से आगे निकल गया है। भारत और चीन के बीच सबसे ज्यादा सोना खरीदने के मामले में मुकाबला चलता रहता है। पिछले वर्षों को देखें तो दुनिया में सबसे ज्यादा सोना या तो भारत खरीदता है या फिर चीन। चीन के सोना खरीदने के बीच गोल्ड की कीमतों में रेकॉर्ड तेजी बनी हुई है। इस साल सोने की कीमत 2,400 डॉलर प्रति औंस से ऊपर पहुंचकर वैश्विक बाजारों को आकर्षित कर रही है। चीन की ओर से सोने की खरीदारी को भी कीमतों में उछाल की एक वजह माना जा रहा है। चीन में आभूषण, बार और सिक्कों की खपत रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। चीन में गोल्ड की ज्वैलरी की डिमांड 10 फीसदी बढ़ी है, जबकि भारत में 6 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस बीच, चीनी बार और सिक्कों में निवेश 28 फीसदी तक बढ़ गया है। चीन में एक ओर सेंट्रल बैंक लगातार 17 महीने से गोल्ड खरीदते जा रहा है। वहीं दूसरी ओर लोगों ने चीनी नव वर्ष के मौके पर खूब सोना खरीदा है। जनवरी-मार्च के दौरान लोगों की सोने की खरीद पिछले साल से 34 फीसदी ज्यादा रही है।

छोटी सी दुकान से हुई एवरेस्ट मसालों की शुरुआत, आज टर्नओवर 2500 करोड़ रुपये से ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आप जानते हैं एनरेस्ट मसालों की शुरुआत कैसे हुई थी। कंपनी का फाउंडर कौन है। दरअसल एवरेस्ट मसालों को इस ऊंचाई तक पहुंचाने के पीछे वाडीलाल शाह की कड़ी मेहनत है। कंपनी का टर्नओवर आज करीब 2500 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है। एक छोटी सी दुकान से हुई एवरेस्ट मसालों की शुरुआत आज एक बड़ा ब्रांड बन चुकी है। आईए आपको बताते हैं एवरेस्ट मसालों की पूरी कहानी।

वाडीलाल शाह अपने पिता की मसालों की दुकान पर काम किया करते थे। इस दौरान उन्होंने देखा कि महिलाएं मसाले खरीदते समय कोई विशेष कॉम्बिनेशन का ध्यान नहीं रखती हैं। यहीं से उन्हें आइडिया आया कि क्यों न एक कम्पलीट मसाला पैक तैयार किया जाए। इसी पर काम करते हुए वाडीलाल शाह ने एवरेस्ट मसाला का एक बड़ा ब्रांड बना दिया। कंपनी की शुरुआत साल 1967 में हुई थी। भारत के चर्चित एवरेस्ट मसाला ब्रांड के मालिक

वाडीलाल शाह थे। वह मूल रूप से गुजरात के जामनगर के रहने वाले थे। जामनगर में लोग उन्हें प्यार से वाडीकाका कहकर बुलाते थे।

भारत में कौन सा मसाला ब्रांड नंबर वन है : रिपोर्ट्स के मुताबिक, एवरेस्ट मसाला ब्रांड भारत में नंबर वन है। साल 1967 में इस कंपनी की शुरुआत हुई थी।

सब्जियों के व्यंजनों के स्वाद को बढ़ाने के लिए एवरेस्ट मसालों का इस्तेमाल किया जाता है। कंपनी अलग-अलग सब्जियों और व्यंजनों के लिए कई तरह के मसाले बनाती है। एवरेस्ट मसालों के में बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान नजर आते हैं।

पावर कंपनी का कम हो गया कर्ज, शेयर खरीदने की लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को एक बार फिर स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी के शेयरों में तूफानी तेजी देखने को मिली। ट्रेडिंग के दौरान यह शेयर लगभग 10 प्रतिशत बढ़कर 679.40 के 52-सप्ताह के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। यह लगातार पांचवां कारोबारी दिन है जब शेयर में तूफानी तेजी आई है। वहीं, सितंबर 2019 के बाद पहली बार शेयर ने इस स्तर को टच किया है। बता दें कि यह शेयर 753.45 के अपने ऑल टाइम हाई से केवल 9 प्रतिशत दूर है। इस महीने में अब तक शेयर में 27 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, साल-दर-साल इस शेयर में 55 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी के शानदार तिमाही नतीजे की वजह से कंपनी के शेयर रॉकेट की तरह बढ़ रहे हैं। मार्च तिमाही के दौरान कंपनी घाटे से मुनाफे में आई और 1.40 करोड़ का नेट प्रॉफिट हुआ। इससे पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 की जनवरी-मार्च अवधि में कंपनी को 421.11 करोड़ का घाटा हुआ था। कंपनी की कुल आय पिछले वर्ष के 86.36 करोड़ से बढ़कर 1211 करोड़ हो गई। एबिटा के मोर्चे पर कंपनी ने एफवाय24 में 54 करोड़ का पॉजिटिव ग्रोथ देखा।

इसके अलावा एफवाय24 में कंपनी ने अपनी बैलेंस शीट को मजबूत किया है। कंपनी का एफवाय23 में कुल कर्ज 1966 करोड़ था जो घटकर 116 करोड़ हो गया है। कंपनी ने ये भी स्पष्ट किया है कि वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही तक कोई एडवांड कर्ज भुगतान नहीं है। मार्च 2024 तक कंपनी के पास ऑर्डर 8084 करोड़ था, जबकि मार्च 2023 तक यह 4913 करोड़ था। बता दें कि स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी एंड-टू-एंड सौर इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) समाधानों का एक लीडिंग सर्विस प्रोवाइडर है।

एनर्जी कंपनी को मिला बड़ा ऑर्डर, शेयर पर टूटे निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। एनर्जी सेक्टर से जुड़ी कंपनी केपी एनर्जी लिमिटेड को विंड एनर्जी का एक बड़ा ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर के बाद केपी एनर्जी के शेयर पर निवेशक टूट पड़े। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को केपी एनर्जी शेयर में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया। इस शेयर की पिछली क्लोजिंग 390.35 रुपये थी जो मंगलवार को 409.85 पर पहुंच गया।

बता दें कि 26 फरवरी 2024 को शेयर की कीमत 465 रुपये पर थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। मई 2023 में शेयर की कीमत 58.61 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। एक साल की अवधि में इस शेयर ने निवेशकों को 550 प्रतिशत से ज्यादा का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। केपी एनर्जी लिमिटेड ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि उसे विंड एनर्जी प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए भथवारी टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड से एक नया ऑर्डर मिला है। यह परियोजना विंड-सोलर हाइब्रिड पावर प्रोजेक्ट का एक घटक है जो गुजरात में स्थित है। यह परियोजना राज्य ट्रांसमिशन यूटिलिटी (एसटीयू) नेटवर्क का हिस्सा है और कैप्टिव पावर प्रोजेक्ट के तहत है। इस परियोजना के वित्तीय वर्ष 2024-2025 में समाप्त होने की उम्मीद है और इसमें टर्नकी परियोजना विकास के लिए सप्लाई और सर्विस, दोनों शामिल हैं। मार्च तिमाही के दौरान केपी एनर्जी लिमिटेड के नेट प्रॉफिट में लगभग 61 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह एक साल पहले की अवधि में 15.48 करोड़ था जो 24.89 करोड़ रुपये है। इसका राजस्व 148.44 करोड़ रुपये के मुकाबले 39.6 प्रतिशत बढ़कर 207.26 करोड़ रुपये हो गया। केपी एनर्जी की मुख्य कारोबारी गतिविधियों में विंड फार्मों का निर्माण, विंड एनर्जी प्रोजेक्ट और संबंधित सर्विसेज का निर्माण, विंड एनर्जी उत्पादक संपत्तियों का उपयोग करके बिजली का उत्पादन और विंड एनर्जी परियोजनाओं का ऑपरेशन या मेंटेनेंस शामिल हैं।

भोपाल की स्टार्टअप, सोलर स्क्वैयर कैसे भारत की नं.1 होम सोलर कंपनी बनी

भोपाल। बिजली के बढ़ते बिल और मौसम की अत्यधिक चरम परिस्थितियों के कारण कई औसत भारतीय परिवार ऊर्जा के वैकल्पिक साधन तलाशने की ओर प्रेरित हुए हैं। पिछले पाँच सालों में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के फेज़ 2 सब्सिडी कार्यक्रम की मदद से 6,00,000 परिवारों ने सौर ऊर्जा को अपनाया, जिनमें से लगभग 1,30,000 से 1,50,000 परिवारों ने केवल 2023 में सौर ऊर्जा का उपयोग शुरू किया।

सौर ऊर्जा अपनाने की बढ़ती दर को देखते हुए प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने रीवा, मध्य प्रदेश में 750 मेगावॉट के अल्ट्रा मेगा सौर बिजली पार्क का उद्घाटन किया, जो एशिया की सबसे बड़ी सौर बिजली परियोजना भी है। सौर ऊर्जा की अधिकता वाला देश बनने के भारत सरकार के उद्देश्य के अनुरूप, साल 2015 में नीरज जैन और निखिल नाहर ने फुल स्टैक रूफटॉप सोलर सॉल्यूशंस स्टार्टअप सोलरस्क्वैयर एनर्जी का गठन किया, जिसमें 2019-20 में श्रेया मिश्रा भी शामिल हो गयीं। तब से यह सकारात्मक परिवर्तन के इस सफर में अपना सक्रिय योगदान दे रहा है।

मध्य प्रदेश से शुरू हुए स्टार्टअप सोलरस्क्वैयर की प्रतिष्ठा बढ़ाने में भोपाल की एंटरप्रेन्योर श्रेया मिश्रा ने मुख्य भूमिका

निभाई है। आईआईटी, बॉम्बे की ग्रेजुएट, श्रेया मिश्रा को फोर्ब्स ने 30 अंडर 30 एशिया की सूची में भी स्थान दिया 7 उनके दूरदर्शी नेतृत्व और सोलर सॉल्यूशंस के विकास की अटल प्रतिबद्धता ने कंपनी को आवासीय सौर बाजार की एक महत्वपूर्ण कंपनी बना दिया। उनके मार्गदर्शन में सोलरस्क्वैयर कई प्रगतियों के साथ अपनी स्थिति मजबूत करते हुए पूरे देश की पसंदीदा कंपनी बन गई। एक कंज़्यूमर बिज़नेस संभालने के अपने पिछले अनुभव के साथ श्रेया ने इस ब्रांड को अपनी महत्वपूर्ण विशेषज्ञता प्रदान की। यह उनकी बहुमुखी प्रतिभा और इनोवेटिव भावना का प्रमाण है, जिसने सोलरस्क्वैयर को मध्य प्रदेश और पूरे देश में एक अग्रणी स्टार्टअप के रूप में स्थापित कर दिया।

सोलरस्क्वैयर भारत का एक अग्रणी आवासीय सोलर ब्रांड है। यह 100 से ज्यादा आवासीय सोसायटीज़ में इंस्टॉलेशन कर चुका है और 12,000 से ज्यादा परिवारों को समर्थ बना चुका है। श्रेया मिश्रा ने बताया, ''हमारा सफर आकस्मिक रूप से शुरू हुआ। 8 राज्यों और 16 शहरों में काम करते हुए हमने महसूस किया कि घनी आबादी वाले शहरों, जैसे बैंगलुरू, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर में सोलर उद्योग के लिए बड़ी संभावनाएं हैं।

सोलरस्क्वैयर द्वारा पहले वाणिज्यिक और औद्योगिक सेगमेंट्स को सेवाएं दी गई थीं, लेकिन अब यह आवासीय इंस्टॉलेशन पर केंद्रित हो गया है, जिससे इसका 80 प्रतिशत व्यवसाय आता है। इस रणनीतिक केंद्रण ने कंपनी की महत्वपूर्ण वृद्धि कर इसे दोगुने आकार तक पहुँचा दिया। सोलरस्क्वैयर के दृष्टिकोण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है, और यह बिक्री करने से पहले ग्राहकों को सौर ऊर्जा के फायदों के बारे में शिक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सौर ऊर्जा के बारे में फैली गलत धारणाओं के बीच ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सबसे उपयुक्त सौर समाधान की पहचान किया जाना बहुत आवश्यक है। एक धारणा यह फैली है कि सोलर रूफटॉप सिस्टम्स के लिए बहुत कम रखरखाव जरूरी होता है, और इसका रखरखाव स्वयं ग्राहक आसानी से कर सकते हैं, इस धारणा की वजह से कई लोगों ने आफ्टर-सेल्स सर्विस की उपलब्धता देखे बिना ही सोलर सिस्टम खरीद लिए। इसलिए इस वास्तविकता का ज्ञान होना बहुत आवश्यक है कि सोलर प्लांट के रखरखाव के लिए व्यवसायिक विशेषज्ञता का होना बहुत जरूरी होता है, तभी वो अच्छी परफॉर्मेंस दे सकते हैं। इसलिए, सोलर सिस्टम के साथ एक सही आफ्टर-सेल्स सर्विस में निवेश करना भी बहुत महत्वपूर्ण होता है।

सरकारी बैंकों के पास एलओसी जारी करने का पावर नहीं: बॉम्बे हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने मंगलवार को दिए गए अपने एक फैसले में कहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पास केंद्र सरकार के ऑफिस मेमोरेंडा के तहत भारतीयों और विदेशियों के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी करने की शक्ति नहीं है। एलओसी की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जीएस पटेल और न्यायमूर्ति माधव जामदार ने यह घोषणा की। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हालांकि केंद्र सरकार का कार्यालय ज्ञापन अपने आप में असंवैधानिक नहीं है, लेकिन बैंक मैनेजरों को एलओसी जारी करने का अधिकार देना मनमाना माना जाता है। विशेष रूप से यह फैसला ट्रिब्यूनल या क्रिमिनल कोर्ट द्वारा जारी किए गए मौजूदा आदेशों को प्रभावित नहीं करता है, जो किसी इंडिविजुअल को विदेश यात्रा से प्रतिबंधित करते हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के इमीग्रेशन ब्यूरो द्वारा प्रशासित एलओसी, अफसरों को इंडीविजुअल्स को भारत छोड़ने से रोकने में सक्षम बनाती है।

जैसे-जैसे बड़ी हो रही हूं, मैं ग्लैमरस होने की सोच से मुक्त हो रही हूंः लारा दत्ता

एक्ट्रेस और मिस यूनिवर्स रह चुकीं लारा दत्ता अपनी अपकमिंग वेब सीरीज रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड के लिए तैयारी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि उम्र के साथ-साथ वह ग्लैमरस की सोच से भी मुक्त हो रही हैं। ग्लैमरस दिखने के बजाय, उनका लक्ष्य उन किरदारों पर फोकस करना है जो ऑडियंस के दिलों में जगह बनाते हैं

एक्ट्रेस ने साइकोलॉजिकल क्राइम थीम पर काम करने की इछा जाहिर करते हुए कहा कि वह बिना किसी हिचकिचाहट के नेगेटिव कैरेक्टर को आसानी से निभा सकती हैं। लारा ने कहा, जैसे-जैसे मैं बड़ी हो रही हूं, मैं ग्लैमरस होने या सिर्फ एक बड़े खिताब को पाने के रूप में देखे जाने के सोच से मुक्त हो रही हूं। इसके बजाय, मैं उस तरह के काम पर ध्यान दे रही हूं, जो मैं कुछ समय से करना चाहती हूं। आजकल महिलाएं फिल्में बनाने से लेकर स्क्रिप्ट लिखने तक हर तरह के कामों में आगे बढ़ रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मैं उस इंडस्ट्री का हिस्सा बनकर भाग्यशाली महसूस करती हूं जो बेहतरी के लिए बदल रहा है। मेरी दिलचस्पी साइकोलॉजिकल क्राइम थीम में है, भले ही इसका मतलब नेगेटिव किरदार निभाना क्यों न हो। यह मेरे लिए डायरेक्शन का अनोखा अंदाज है और मैं स्क्रीन पर डार्क रोल निभाना पसंद करूंगी। रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड 25 अप्रैल से जियो सिनेमा पर उपलब्ध होगी।

रवि किशन, तन्वी आजमी के साथ काम करना एक्टिंग इंस्टीट्यूट में एडमिशन लेने जैसाः नायला ग्रेवाल

स्ट्रीमिंग सीरीज मामला लीगल है में अपने काम के लिए काफी पॉजिटिव फीडबैक पाने वाली एक्ट्रेस नायला ग्रेवाल ने कहा कि रवि किशन, तन्वी आजमी और बृजेंद्र काला जैसे कलाकारों के साथ काम करना एक्टिंग इंस्टीट्यूट में शामिल होने जाने जैसा महसूस हुआ। रवि किशन, तन्वी आजमी, यशपाल शर्मा, विवेक मुशरान और बृजेंद्र काला जैसे अनुभवी अभिनेताओं से घिरी नायला ने खुद को टैलेंट और ज्ञान की दुनिया में पाया। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन्हें को-एक्टर्स के साथ हर बातचीत में कुछ नया सीखने को मिला। उनके टैलेंट को निखारा और इंडस्ट्री में उनके एक्सपीरियंस को बेहतर बनाया। नायला ने कहा, मामला लीगल है पर काम करना मेरे लिए शानदार एक्सपीरियंस रहा। ऐसे कलाकारों के साथ काम करना एक्टिंग इंस्टीट्यूट में जाने जैसा था। मैंने हर एक से बहुत कुछ सीखा है, और उनके मार्गदर्शन का मुझ पर गहरा प्रभाव पड़ा है। सीरीज में नायला एक वकील की भूमिका में हैं। नायला ने कहा, इतने प्रतिभाशाली कलाकारों का हिस्सा बनकर मैं खुद को भाग्यशाली महसूस करती हूं। उन्होंने कहा, मामला लीगल है में एक वकील की भूमिका निभाने से मुझे अपने अंदर छिपे नए पहलुओं को जानने का मौका मिला और मैं इस तरह की सीरीज में काम पाने का मौका पाकर आभारी हूं।

प्रिंट साड़ी के बिके 50 हजार यूनिट!

रश्मिका मंदना की साड़ी बनी फैशन ट्रेंड!

फिल्मों और फैशन की शानदार दुनियां में, कुछ ऐसे लोग हैं जो एक साधारण ऑउटफिट को शानदार और स्टाइलिस्ट बनाने की क्षमता रखते हैं। रश्मिका मंदाना एक सची ट्रेंडसेटर जिनकी हर एक साड़ी लुक से फैन्स इन्फ्लुएंस हो जाते है जो फैशन के प्रति उत्साही और प्रशंसकों के बीच एक उत्साह को जगाती है।

पुष्पा से लेकर एनिमल में अपनी साड़ी से रश्मिका ने चलाता जादू

पुष्पा में श्रीवल्ली के रूप में उनकी आकर्षक स्क्रीन उपस्थिति स, जहां उनका पारंपरिक पहनावा तुरंत सनसनी बन गया, से लेकर एनिमल में एक मंत्रमुग्ध करने वाली साड़ी में सजी उनकी हालिया उपस्थिति तक, रश्मिका का साड़ी फैशन पर प्रभाव शानदार है। उनकी शालीनता, शिष्टता और सहज आकर्षण कालातीत कपड़ों में नई जान फूंकते हैं, इसे उच फैशन के दायरे में ले जाते हैं।रश्मिका के पहनावे का प्रभाव बहुत गहरा है, यह इस बात से स्पष्ट है कि देश भर की साड़ी की दुकानें अपने पुतलों पर उनके प्रतिष्ठित लुक की प्रतिकृतियां प्रदर्शित करती हैं। चाहे वह पारंपरिक रेशमी साड़ी की अलौकिक सुंदरता हो या आधुनिक ड्रेप की समकालीन ठाठ, रश्मिका हर स्टाइल को सहजता से निभाती हैं। उनके अद्वितीय प्रभाव का एक उदाहरण एक लोकप्रिय साड़ी ब्रांड की चौंका देने वाली सफलता है, जिसने 'एनिमल' में दिखाई गई साड़ी की 50,000 यूनिट बेचीं। इसके किनारों पर जटिल हाथी डिजाइनों से सजी इस विशेष पोशाक ने दुनिया भर में लाखों लोगों के दिलों को मोह लिया। एक सोर्स ने बताया, एनिमल की रश्मिका की साड़ी को प्रशंसकों ने इतना पसंद किया कि हमें हर हफ़्ते अपने स्टोर में साड़ियों को फिर से स्टॉक करने के लिए काम करना पड़ा! हर दिन हमारे पास ग्राहक आते थे और पूछते थे, रश्मिका की एनिमल की साड़ी! हमने हाथी प्रिंट की लगभग 50,000 साड़ियाँ बेचीं हैं! रश्मिका का स्टाइल आइकन बनने का सफ़र उनकी स्थायी अपील और कालातीत शान को दर्शाता है। हर बार अपनी उपस्थिति के साथ, वह न केवल ट्रेंड सेट करती हैं, बल्कि साड़ी फैशन की सीमाओं को भी फिर से परिभाषित करती हैं, अपने प्रशंसकों और फैशन के प्रति उत्साही लोगों पर एक अलग छाप छोड़ती हैं। जहां प्रशंसक उनकी आने वाली फ़िल्मों जैसे पुष्पा 2 : द रूल, द गर्लफ्रेंड, छावा, रेनबो, धनुष के साथ कुबेर, एनिमल पार्क और डी-51 का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं, वहीं रश्मिका का सितारा लगातार चमक रहा है, जिससे मनोरंजन उद्योग में सबसे होनहार प्रतिभाओं में से एक के रूप में उनकी स्थिति मज़बूत हो रही है।

फिर शुरू हुई नागा और शोभिता के बीच अफेयर की चर्चा यूजर्स ने पुराने तरीके से लगाया पता!

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला की नई इंस्टाग्राम पोस्ट ने फिर से खलबली मचा दी है। दोनों की पोस्ट में समानता देखकर सोशल मीडिया यूजर्स इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि दोनों के बीच कुछ पक रहा है। फिल्म जगत में काफी दिनों से नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला का नाम एक साथ लिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इन दोनों के बीच कुछ-कुछ होने की अफवाहों को एक बार फिर से हवा मिल गई है। इस कथित अफेयर को सच बताने के लिए सोशल मीडिया यूजर्स ने इस बार भी उसी तरकीब का इस्तेमाल किया है, जिसे कुछ महीनों पहले इस्तेमाल किया था। आइए जानते हैं कि क्या है दोनों से जुड़ा ताजा मामला और क्यों अफवाहों का बाजार एक बार फिर से गर्म है।

सोशल मीडिया यूजर्स ने ऐसे लगाया पता!

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला की नई इंस्टाग्राम पोस्ट ने फिर से खलबली मचा दी है। दोनों की पोस्ट में समानता देखकर, सोशल मीडिया यूजर्स इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि दोनों के बीच कुछ पक रहा है। दरअसल, शोभिता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर जीप सफारी की एक तस्वीर अपलोड की है। वहीं, नागा चैतन्य ने भी अपने हैंडल पर घूमने के दौरान की एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह सूर्यास्त का आनंद लेते दिख रहे हैं। यह तस्वीर भी किसी जंगल के इलाके की दिखाई दे रही है। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि यह दोनों तस्वीरें एक ही जगह की है।

पहले भी अपनाया था यही तरीका

सोशल मीडिया यूजर्स पहले भी शोभिता और नागा की पोस्ट में समानता देख चुके हैं। दरअसल, शोभिता धुलिपाला ने पिछले साल अमेरिकी अभिनेता मैथ्यू मैक्कनौगी की किताब की फोटो साझा की थी। उस फोटो को देखकर सोशल मीडिया यूजर्स को नागा की एक इंस्टाग्राम पोस्ट याद आ गई थी। नागा चैतन्य भी उसी किताब की तस्वीर को पहले अपलोड कर चुके थे। उस वक्त भी दोनों के बीच अफेयर होने की जमकर चर्चा हुई थी।

सामंथा रुथ प्रभु से लिया था तलाक

नागा चैतन्य ने 7 अक्तूबर, 2017 को सामंथा रुथ प्रभु से शादी की थी। साल 2009 में फिल्म 'ये माया चेस्वे' के सेट पर दोनों की पहली मुलाकात हुई थी। शादी के चार साल बाद दोनों ने एक-दूसरे से अलग होने का फैसला किया था। लोग इन दोनों की जोड़ी पर खूब प्यार बरसाते थे।

मैं मुंबई छोड़ने ही वाली थीःआर्ची सचदेवा

एक्ट्रेस आर्ची सचदेवा टीवी शो मीठा खट्टा प्यार हमारा में सांची का किरदार निभाती नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि यह किरदार निभाना उनकी किस्मत में था। एक्ट्रेस मुंबई छोड़ने वाली थी, जब उन्हें सांची का रोल ऑफर हुआ। आर्ची ने बताया-मैं मीठा खट्टा प्यार हमारा का हिस्सा बनकर बेहद एक्साइटेड हूं। जब मैं जनवरी में मुंबई पहुंची, तो मैंने सांची के किरदार के लिए नहीं, बल्कि किसी दूसरे रोल के लिए ऑडिशन दिया। कई ऑडिशन के बावजूद, चीजें उम्मीद के मुताबिक नहीं रहीं और मैंने मुंबई छोड़ने का फैसला किया। एक्ट्रेस ने आगे कहा, किस्मत मेरे साथ थी, और मुझे सांची के रोल के लिए चुना गया था, और शायद यह किरदार निभाना मेरी किस्मत में था। सांची मॉडर्न और स्मार्ट लड़की है, वह वही हासिल करना चाहती है जिस पर उसने अपना दिल और नजरें जमा रखी हैं। मीठा खट्टा प्यार हमारा में प्रेरणा सिंह और अविनाश मिश्रा भी हैं। मीठा खट्टा प्यार हमारा का प्रीमियर 24 अप्रैल को स्टार प्लस पर होगा।

हैदराबाद में 35 जगहों पर होगी दिव्या खोसला स्टारर फिल्म हीरो हीरोइन की शूटिंग

एक्ट्रेस दिव्या खोसला अपकमिंग फिल्म हीरो हीरोइन के जरिए तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में 35 लोकेशन पर की जाएगी। इन लोकेशन्स में आउटडोर-इनडोर सेटिंग्स के साथ-साथ असली लोकेशन भी शामिल हैं। सुरेश कृष्णा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में एक्टर परेश रावल भी निर्देशक की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने कहा, हीरो हीरोइन के साथ, हमारा मकसद सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करने की अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखना और नयापन लाना है। सुरेश कृष्णा और मैंने कई घंटों तक विचार-मंथन किए, और यह सुनिश्चित किया कि हर सांस्कृतिक बारीकियों को सही ढंग से चित्रित किया जाए। उन्होंने कहा, फिल्म में डांस सीक्वेंस एक ग्लैमरस प्रोजेक्ट होगा, जो हैदराबाद की प्रतिष्ठित पृष्ठभूमि पर आधारित होगा। हीरो हीरोइन की शूटिंग 10 जून से शुरू होने वाली है।

हर सप्ताह लेती हूँ थेरेपी क्लास : आलिया भट्ट

वर्ष 2022 में आलिया भट्ट ने रणबीर कपूर के साथ विवाह किया था। उसी साल नवंबर में आलिया ने बेटी राहा कपूर को जन्म दिया। हाल ही में एक इंटरव्यू में आलिया ने मदरहुड जर्नी से लेकर मेंटल हेल्थ का ख्याल रखने जैसे मुद्दों पर खुलकर बात की। आलिया ने इंटरव्यू में कहा कि मैं कई सालों से हर हफ्ते थेरेपी क्लास ले रही हूं, जिसके बाद मैंने खुद में कई बदलाव देखे हैं। मैं किस तरह प्रोफेशनल और मदर ड्यूटी को एक साथ मैनेज कर पाती हूं ये सब मानसिक स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। मुझे हमेशा लगता है कि लोग क्या सोच रहे होंगे। क्या वो ये सोच रहे होंगे कि मैं सब कुछ अछी तरह से मैनेज कर पाती हूं। हालांकि कोई आपके बारे में नहीं सोचता, फिर भी आप खुद को लेकर कई बार क्रिटिकल हो जाते हो। मैं अपनी मेंटल हेल्थ पर काम करती हूं। आलिया ने आगे कहा कि मैं हर हफ्ते थेरेपी सेशन के लिए जाती हूं। जहां मैं अपने डर के बारे में बोलती हूं।

- साभार एजेंसी

संक्षिप्त समाचार

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए रिटायरमेंट वापस नहीं लेंगे नरेन

नईदिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज खिलाड़ी सुनील नरेन टी-20 वर्ल्ड कप के लिए अपना रिटायरमेंट वापस नहीं लेंगे। टी-20 वर्ल्ड कप 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाना है। उनका कहना है कि इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी के दरवाजे अब उनके लिए बंद हो गए है। वह आईसीसी वर्ल्ड कप में उन खिलाड़ियों का समर्थन करेंगे जो पिछले कुछ समय से इसकी तैयारी कर रहे हैं। सुनील नरेन ने 2023 नवंबर में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं उन्होंने 2019 में वेस्टइंडीज के लिए अपना आखिरी मैच खेला था।

आईपीएल के इस सीजन में शानदार प्रदर्शन

नरेन आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स से खेल रहे हैं। इस सीजन उन्होंने ढ्ढक्क में कोलकाता के लिए ओपनिंग करते हुए 7 मैचों में 176.54 की स्ट्राइक रेट से 286 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और एक अर्धशतक भी शामिल है। वहीं उन्होंने 7 मैचों में 7.11 की इकोनॉमी रेट से 9 विकेट लिए हैं।

वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज से खेलने वाले खिलाड़ियों का करेंगे समर्थन

नरेन ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मुझे आशा है कि आप सभी अच्छे और स्वस्थ्य हैं। मैं वास्तव में बहुत खुश और आभारी हूं कि हाल ही में मेरे प्रदर्शन ने कई लोगों को सार्वजनिक रूप से मेरी रिटायरमेंट से बाहर आने और आगामी टी-20 वर्ल्ड कप में खेलने की इच्छा व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने आगे लिखा- मैंने उस फैसले पर शांति बना ली है। हालांकि, मैं कभी निराश नहीं होना चाहता, लेकिन वह दरवाजे अब बंद हो गए हैं और मैं उन लोगों का समर्थन करूंगा जो जून में वेस्टइंडीज के लिए मैदान में उतरेंगे। जिन लोगों ने पिछले कुछ महीनों में कड़ी मेहनत की है और हमारे प्रशंसकों को यह दिखाने के लायक हैं कि वे एक और खिताब जीतने में सक्षम हैं। मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं।

वेस्टइंडीज कप्तान ने रिटायरमेंट वापस लेने का किया था अनुरोध

कुछ दिन पहले वेस्टइंडीज के कप्तान रोमैन पॉवेल ने कहा था कि हम नरेन से रिटायरमेंट वापस लेने का अनुरोध कर कर रहे हैं, हमें उम्मीद है कि टी-20 वर्ल्ड कप चुने जाने से पहले उनका मन बदल जाएगा। पॉवेल आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स से खेल रहे हैं।

आईपीएल 2024

यशस्वी जायसवाल के नाबाद शतक की बदौलत, राजस्थान रायल्स ने मुंबई को 9 विकेट से रौंदा

जयपुर, एजेंसी। सोमवार को राजस्थान रायल्स के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की आईपीएल में शानदार फॉर्म देखने को मिली। उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ सवाई मानसिंह स्टेडियम में शानदार नाबाद शतक उड़ाया। जयसवाल शतक के दम पर राजस्थान रायल्स ने अपनी शानदार फार्म की बदौलत मुंबई इंडियंस को 9 विकेट से रौंद दिया।

180 रनों के लख्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की टीम की बल्लेबाजी ने शानदार प्रदर्शन किया। यशस्वी जयस्वाल ने सलामी बल्लेबाज जोस बटलर के रूप में केवल एक विकेट गंवाया। जोस बटलर मात्र 25 गेंद पर 35 रन बनाकर आउट हो गए। उसके बाद जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन ने शानदार पारी खेली। कप्तान संजू सैमसन ने जायसवाल के साथ मिलकर मैच फिनिश किया। संजू सैमसन ने 28 गेंद पर 38 रनों की बेहतरीन पारी खेली।

यशस्वी जासवाल ने इस आईपीएल सीजन में पहला शतक बनाया। उन्होंने 60 गेंद पर नाबाद 104 रन की पारी खेली।

अंतराष्ट्रीय रेसलर रिंकू सिंह ने डब्ल्यूडब्ल्यूई को कहा अलविदा

बोले- भारत के सम्मान से बढ़कर कुछ नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। अपनी विशिष्ट वेशभूषा और रिंग में दमदार उपस्थिति से अर्न्तराष्ट्रीय फलक भारत का झंडा बुलंद करने वाले रिंकू सिंह राजपूत ने डब्ल्यूडब्ल्यूई को गुड बॉय कह दिया है। डब्ल्यूडब्ल्यूई के रिंग में बड़े-बड़े विदेशी रेसलरों के छक्के छुड़ाने वाले जिले के गोपीगंज क्षेत्र के होलपुर निवासी रिंकू सिंह राजपूत वीर महान का जलवा अब नहीं दिखेगा।

अपनी विशिष्ट वेशभूषा और रिंग में दमदार उपस्थिति से अर्न्तराष्ट्रीय फलक भारत का झंडा बुलंद करने वाले रिंकू सिंह राजपूत ने डब्ल्यूडब्ल्यूई को गुड बॉय कह दिया है। शनिवार को उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स और फेसबुक पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। हालांकि, इसके पीछे के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पा रहा है। माथे पर त्रिपुंड, गले में रूद्राक्ष की माला और विशिष्ट भारतीय वेशभूषा और लंबे-चौड़े डीलडौल शरीर वाले वीर महान जब डब्ल्यूडब्ल्यूई के रिंग में उतरते थे तो विदेशी रेसलरों के पसीने छुट जाते थे। भदोही जिले के गोपीगंज क्षेत्र के एक छोटे से गांव होलपुर से निकलकर अंतराष्ट्रीय फलक पर छाने वाले रिंकू सिंह राजपूत के पिता ट्रक ड्राईवर थे। शुरू से ही जिद्दी और लक्ष्य के प्रति अडिग रहने वाले रिंकू ने पहले जैवेलिन थ्रोअर के रूप में शुरूआत की।

रिंकू ने ट्वीट कर दी जानकारी

बाद में उन्होंने बेसबॉल में नाम कमाया और फिर डब्ल्यूडब्ल्यूई के रिंग में उतरते ही देश-दुनिया में छा गए। रिंग में इन्हें वीर महान के नाम से जाना जाता था। अपने पिता के बेहद करीब रिंकू सिंह राजपूत बीते साल अप्रैल माह में भदोही जिले में आए थे। उन्होंने लिखा...बात जब भारतवासियों के मान-सम्मान पे आ जाए तो त्याग सबसे पहले। गुड बॉय डब्ल्यूडब्ल्यूई...।

रिंक सिंह राजपूत को के इस फैसले को लेकर जब उनके परिवार से बात करने का प्रयास किया जाए तो परिजनों ने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। उनके छोटे भाई राजन सिंह ने कि ये उनका फैसला है। इसके बारे में वहीं बता सकते हैं।

पिता को प्रतिदिन फोन पर देते हैं समय

रिंकू सिंह मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम व भगवान शिव के भक्त और मां भगवती के उपासक हैं। रिंकू सिंह के बड़े भाई राजन सिंह बताते हैं कि वे मां के काफी करीब रहे हैं। अब भी सात समुंदर पार होने और इतना व्यस्त होने के बावजूद प्रतिदिन बाबूजी (पिता) को सुबह या शाम में जरूर समय देते हैं।

फोन पर व्हाट्सएप कॉलिंग से ही बात होती है।

शुद्ध शाकाहारी हैं वीर महान

बताते हैं कि बीते वर्ष सर्दी के मौसम में घर आए थे। राजन सिंह बताते हैं कि रिंकू जहां रहते हैं अपनी पूजन की सामग्री साथ रखते हैं। प्रतिदिन समय के अनुसार पूजा करना, चंदन लगाना उनकी दिनचर्या है। भक्ति की वजह से ही उन्होंने अपनी भुजा पर राम और सीने पर मां लिखवाया है। वह शुद्ध शाकाहारी हैं।

रिंकू सिंह राजपूत का परिवार

भदोही जिले के गोपीगंज क्षेत्र में स्थित होलपुर गांव निवासी ब्रह्मदीन सिंह ट्रक ड्राइवर थे। उससे ही परिवार का खर्च चलता था। रिंकू की मां अन्तराजा सिंह का पांच नवंबर 2018 को निधन हो चुका है। ब्रह्मदीन बताते हैं कि उनकी कुल सात संतानें हैं। इसमें चार पुत्र रत्नेश सिंह उर्फ गोपाल बीएसएफ में, राजकुमार सिंह सेना में, राजन सिंह रेलवे में और रिंकू सिंह रेसलर हैं। तीन पुत्रियां कुसुम सिंह, सुसुम सिंह व रुसुम सिंह हैं।

तीनों की शादी हो चुकी है। रिंकू का जन्म आठ अगस्त 1988 को हुआ। उनके पिता बताते हैं कि रिंकू की मां भगवती की भक्त थीं। वह विंध्याचल दर्शन करने गईं थी, वहीं पर रिंकू का जन्म हुआ था।

रिंकू का कैसा रहा जीवन, किस तरह से बढ़े आगे

रिंकू के पिता बताते हैं कि वह बचपन से ही खेल में रुचि रखते थे। भाई राजन के मुताबिक, आठवीं तक की पढ़ाई करने के बाद भाला फेंकने का ट्रायल दिया। उसमें सफल होने पर गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ गए। वहां से खेलते रहे और जूनियर नेशनल में गोल्ड मेडल भी जीते। 2008 में द मिलियन डॉलर आर्म नाम के रियलटी टीवी शो में हिस्सा लिया। इसमें तेज बेसबॉल फेंकने वाले खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

बेसबॉल में करियर बनाने गए थे अमेरिका

बेसबॉल के इस टैलेंट हंट शो में रिंकू को भाला फेंकने के अनुभव का लाभ मिला और मजबूत शरीर के कारण उन्होंने 140 किमी प्रति घंटे की गति से बेसबॉल फेंककर पहला स्थान हासिल किया। इसी पर एक फिल्म भी बनी। इसके बाद बेसबॉल में करियर बनाने अमेरिका गए। वहां पीटर्सबर्ग पायरेट्स से करार करने में कामयाब रहे कई लीग में हिस्सा लिए और जीते।

2018 में बेसबॉल को कहा अलविदा

रिंकू सिंह राजपूत ने जिस भी खेल में हाथ आजमाया उसमें बुलंदी तक पहुंचे। 2018 में बेसबॉल को अलविदा कहने के बाद पेशेवर रेसलिंग में करियर बनाना शुरू किया। उसी साल डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ करार किया। भारतीय रेसलर सौरव गुर्जर के साथ टीम बनाई। कुछ समय बाद इनकी टीम 'द इंडस शेर' में जिंदर महाल का भी नाम जुड़ा।

पहले रिंकू अपने असली नाम से ही खेलते थे बाद में इन्होंने वीर महान नाम धारण कर लिए। इनकी टीम ने लगातार कई मुकाबले जीते। 2021 में वीर अपनी इस टीम से अलग हो गए। स्वतंत्र रेसलर के रूप में डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ करार किया। बीते दिनों उन्होने रे और डोमिनिक मिस्टिरियो की पिता-पुत्र की जोड़ी को पछाड़कर चर्चा बटोरी है।

युजवेंद्र चहल ने रचा इतिहास, आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के स्टार गेंदबाज युजवेंद्र चहल ने सोमवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 200 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बनकर इतिहास रच दिया। चहल ने मोहम्मद नबी (23) का विकेट लेकर 200 विकेट की उपलब्धि हासिल की। चहल ने 2013 में अपना आईपीएल डेब्यू किया और अपने 153वें गेम में इस मुकाम पर पहुंचे। टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले चहल इस आईपीएल सीजन-13 में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं।केवल दो अन्य व्यक्ति पहले टी20 प्रतियोगिता में 200 विकेट तक पहुंचे हैं- डैनी ब्रिग्स (219) और समित पटेल (208) - दोनों इंग्लैंड के टी20 ब्लास्ट में।

हार्दिक पंड्या पर एक बार फिर इरफान पठान ने साधा निशाना

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में 22 अप्रैल को मुंबई इंडियंस को एक बार फिर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। आठ मैचों में मुंबई इंडियंस की टीम महज तीन ही मैच जीत पाई और इन सबके बीच मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या लगातार आलोचकों के निशाने पर हैं। राजस्थान रॉयल्स की ओर से सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने शतक लगाया और संदीप शर्मा ने पांच विकेट चटकाए।

इस मैच के बाद इरफान पठान ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने यशस्वी जायसवाल की जमकर तारीफ की, लेकिन साथ ही हार्दिक पांड्या पर एक बार फिर जमकर निशाना साधा है। इरफान पठान ने साथ ही कहा कि वह जिस तरह की फॉर्म में हैं, वह टीम इंडिया के लिए अच्छी बात नहीं है।

मैं कोशिश कर रहा था कि...ताबड़तोड़ शतक ठोकने के बाद बोले यशस्वी

इरफान पठान ने यशस्वी जायसवाल की तारीफ करते हुए कहा कि जब वह शुरुआती मैचों में ज्यादा रन नहीं भी बना रहे थे, तब भी 140 का स्ट्राइक रेट पर रन बना रहे थे। इसलिए ही उनकी इतनी तारीफ होती है।

इरफान ने कहा कि हार्दिक पांड्या आईपीएल में फॉर्म में वापसी के लिए आसान तरीके ढूंढ रहे हैं और ऐसे में आपको अपने साथी खिलाड़ियों से रिस्पेक्ट नहीं मिलता है।

मिनर्वा एकेडमी ने पंजाब एफसी को हराया और ग्रुप चैंपियन बनकर उभरी

चंडीगढ़, एजेंसी। अंडर-15 आई-लीग के एक अहम मुकाबले में मिनर्वा एकेडमी ने जीत दर्ज की और पंजाब एफसी को 4-3 से हार का सामना करना पड़ा। इस रोमांचक जीत के साथ ही टीम ने नॉक आउट चरण में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया।

मैच की शुरुआती हूटर के साथ मिनर्वा एकेडमी ने अपना दृढ़ संकल्प और कौशल दिखाते हुए 12वें मिनट में बाइटे के गोल की बदौलत बढ़त बना ली। पंजाब एफसी ने खतरनाक दिख रही मिनर्वा टीम के खिलाफ जोरदार वापसी करते हुए तीन त्वरित गोल करके उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया और 3-1 से आगे हो गई। मिनर्वा एकेडमी ने पीछे हटने से इनकार कर दिया, रोकश 29वें मिनट में ने नेट पर गोल करके हाफ टाइम तक स्कोर 2-3 कर दिया।

दूसरा हाफ़ बेहद संघर्षपूर्ण रहा

मिनर्वा एकेडमी ने लगातार आक्रमण किया और अंततः गिबाश के गोल की मदद से हाफ़ की शुरुआत में ही बराबरी कर ली।

ये गोल 47वें मिनट में आया। इसके बाद दोनों टीमें गोल की कोशिश करती रही, लेकिन 90 मिनट तक दोनों को कामयाबी नहीं मिली। 90+4 मिनट में तुबोई ने गोल किया और 4-3 की जीत के साथ अंडर-15 आई-लीग के इतिहास में सबसे बड़ी वापसी में से एक को पूरा किया।

इस जीत को सभी ने सराहा

इस जीत के साथ मिनर्वा एकेडमी ने अभी तक खेले गए सभी छह मैचों में अजेय रहते हुए ग्रुप चरण को शीर्ष पर समाप्त किया। पांच जीत, 20 गोल करने और केवल चार गोल खाने का उनका प्रभावशाली रिकॉर्ड उनकी ताकत और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। सिटी टीम 16 अंकों के साथ नॉकआउट चरण में पहुंच गई। इस शानदार जीत में मिनर्वा एकेडमी ने कभी न हार मानने वाला रवैया दिखाते हुए लड़ने की भावना को प्रदर्शित किया। इससे प्रशंसक अपनी सीटों से खड़े हो गए। टीम ने टूर्नामेंट के बाकी हिस्सों के दौरान एक अविस्मरणीय यात्रा का वादा करने के लिए मंच तैयार किया।

रिटायरमेंट: भारत के सबसे सफल स्क्वाश खिलाड़ी सौरव घोषाल ने पेशेवर सर्किट को अलविदा कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे बेहतरीन पुरुष स्क्वाश खिलाड़ी सौरव घोषाल ने पेशेवर सर्किट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है, लेकिन वह अगले कुछ समय तक बहु-खेल स्पर्धाओं वाले आयोजन में भारत का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे।

पेशेवर सर्किट में 22 साल तक खेलने वाले घोषाल ने इंचियोन और हांगझू एशियाई खेलों की टीम स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीते थे। इसके अलावा उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में तीन पदक जीते हैं। सौरव घोषाल ने ग्लासगो में 2022 विश्व युगल चैंपियनशिप में मिक्स्ड डबल्स वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था।

घोषाल ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट डालकर संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने लिखा, मैंने 22 साल पहले पीएसे विश्व टूर पर अपनी यात्रा शुरू की थी। उस समय मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं इतने लंबे समय तक पेशेवर स्क्वाश खेलूंगा। जब मैंने दुनिया भर में यात्रा की और कुछ बड़े मंचों पर खेलते हुए मैंने सोचा कि यह कभी खत्म नहीं होगा, लेकिन हर चीज का अंत होता है। यह पोस्ट लिखते समय मैं भावनाओं से भरा हुआ हूं। यह खेल इतने वर्षों से मेरा जुनून, मेरी आजीविका और मेरी पहचान रहा है, इसलिए गर्व और दुख की मिश्रित भावनाओं के साथ मैं पीसीए से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं।

शीर्ष-10 में पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय हैं सौरव घोषाल

कोलकाता में जन्में घोषणा दुनिया के शीर्ष-10 में पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने अप्रैल 2019 में करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की थी और छह महीने तक उसे बनाए रखने में सफल रहे थे। घोषाल ने 2003 में पीएसए में डेब्यू करने के बाद से 18 फाइनल में पहुंचकर 10 पीएसए खिताब जीते हैं। उन्होंने पीएसए टूर पर अपने 511 मैचों में से 281 जीते हैं। घोषाल के नाम 13 राष्ट्रीय खिताब जीतने का रिकॉर्ड भी है। उन्होंने इसमें से आखिरी खिताब 2020 में जीता था।

संक्षिप्त समाचार

पिद्दी और उसके दोस्तों का ज़बरदस्त कराटे कौशल देखें ब्रांड न्यू शो कराटे शीप में

मुंबई, एजेंसी। सोनी ये! पर इस अप्रैल कराटे शीप में शीप्स का झुंड लेकर आ रहा है हँसी से भरपूर बेहतरीन कराटे मूव्स। पिद्दी और कुंग-फू कुमारी के फार्म में देखने को मिलेंगे हँसी से लोटपोट कर देने वाले शानदार कराटे मूव्स और फ्लाइंग किक। वो आपको कभी बोर नहीं होने देंगे। कभी पढ़ना सीखकर, तो कभी हास्यास्पद गैजेट का उपयोग करके या फिर जंगल में खो जाने तक वो हमेशा कुछ ना कुछ मनोरंजक करते रहते हैं। वहीं दूसरी ओर भूखा भेड़िया उन पर सेंध लगाता रहता है, और इन भेड़ों को खाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। कभी वह पिद्दी और कुंग-फू कुमारी के डांस रूटीन को बिगाड़ देता है या उनसे कराटे सीखने के जाल में उन्हें फँसा लेता है। लेकिन हर बार ये भेड़ें कराटे के अपने बेहतरीन मूव्स से भेड़िये को दूर उड़ा देती हैं। कुंग-फू कुमारी के जोश और पिद्दी के नेतृत्व के साथ ये झबरीले लड़ाके भेड़ भेड़िये को हराकर साबित कर देंगे कि साइज़ कोई मायने नहीं रखता। तो यह ऑल-न्यू शो देखने के लिए कैलेंडर की तारीखें नोट कर लीजिए, क्योंकि पिद्दी और कुंग-फू कुमारी जंगल में अपना एडवेंचर शुरू कर रहे हैं।

कांग्रेस का घोषणापत्र पाकिस्तान में चुनाव जीतने जैसा, हिमंत ने मेनिफेस्टो को लेकर विपक्ष पर साधा निशाना

एर्नाकुलम (केरल)। असम के सीएम और बीजेपी नेता हिमंत बिस्वा शर्मा ने कांग्रेस के घोषणापत्र को लेकर एक बार फिर निशाना साधा है। असम सीएम ने कहा, ÷कांग्रेस पार्टी का घोषणापत्र इस तरह से तैयार किया गया है कि वे पाकिस्तान में चुनाव जीतें। घोषणापत्र पाकिस्तान के लोगों के लिए अधिक और भारत के लोगों के लिए कम है। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस ने ऐसा घोषणा पत्र बनाया है जो आम जनता से संसाधन छीन लेगा और कांग्रेस देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर देगी। हमने कांग्रेस के घोषणापत्र की सबसे सही तरीके से व्याख्या की है। मैं उन्हें चुनौती दूंगा कि वे सार्वजनिक बहस के लिए आएं और दिखाएं कि यह घोषणापत्र तुष्टिकरण के अलावा कुछ नहीं है...प्रधानमंत्री ने सही कहा है कि देश के संसाधनों पर हर किसी का अधिकार है। यह कांग्रेस पार्टी को बताना है कि उन्होंने ऐसा क्यों कहा कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार एक विशेष समुदाय का है। राहुल गांधी पप्पू के लिए सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार हैं।

संपत्ति के लिए मां-बाप की दी सुपारी, छोटे भाई की कराई हत्या

गडग। कर्नाटक के गडग में चार लोगों की हत्या के मामले में पुलिस ने सुपारी किलिंग गिरोह को पकड़कर इस मामले को सुलझा लेने का दावा किया है। इस हत्याकांड में बड़े बेटे विनायक बकाले ने संपत्ति के विवाद में अपने छोटे भाई और मां-बाप की हत्या कराने के लिए 65 लाख रुपये की सुपारी दी थी। हालांकि साजिश पूरी तरह सफल नहीं रही और उसके मां-बाप की जान बच गई। पुलिस के अनुसार विगत 19 अप्रैल को गडग के दसारा ओनी में 35 वर्षीय विनायक ने सुपारी लेकर हत्या करने वाले गिरोह के हाथों अपने छोटे भाई कार्तिक बकाले (27), नजदीकी रिश्तेदार परशुराम हदीमनी (55), लक्ष्मी हदीमनी (45) और आकांक्षा हदीमनी (16) को मरवा दिया। निशाने पर उसके माता-पिता क्रमशः सुनंदा बकाले और प्रकाश बकाले बाल-बाल बच गए। प्रकाश और सुनंदा भाजपा के स्थानीय नेता हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि कार्तिक की शादी तय हो गई थी और उसमें शामिल होने के लिए ही हदीमनी परिवार वहां आया था। इस हत्याकांड के बाद जब देखा गया कि घर से शादी के गहने और अन्य कीमती सामानों को हाथ तक नहीं लगाया गया है तो यह साफ हो गया कि इस हत्याकांड का कारण लूटपाट कतई नहीं था। आइजी पुलिस (नार्थ जोन) विकास कुमार ने बताया कि विनायक ने सुपारी के 65 लाख रुपये फिरोज को दिए थे, जिससे उसने वाहन और हथियारों का इंतजाम किया। वारदात में शामिल गिरोह के अन्य सदस्यों में फिरोज काजी (29), जिशान काजी (24), जुड़वां भाई सोहेल अशफाक काजी (19), साहिल अशफाक काजी (19) सभी गडग से, सुल्तान जिलानी शेख (23), महेश जगन्नाथ सालुके (21) सभी महाराष्ट्र के सांगली से पकड़े गए हैं।

एनसीआर में फिर स्वाइन फ्लू की दस्तक, एक शख्स की मौत भी हो गई

नई दिल्ली, एजेंसी।
स्वाइन फ्लू से राजनगर एक्सटेंशन के कारोबारी की सोमवार को मौत हो गई। चार दिन से वह निजी अस्पताल में भर्ती थे। मामले में अस्पताल को नोटिस जारी कर मरीज की सूचना स्वास्थ्य विभाग को न देने पर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

राजनगर एक्सटेंशन निवासी 54 वर्षीय कपड़ा कारोबारी को 18 अप्रैल को बुखार, हाइपरटेंशन की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच में उन्हें गंभीर निमोनिया की भी पुष्टि हुई। मरीज को सांस लेने में परेशानी हो रही थी। स्वाइन फ्लू (एच1एन1) की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई। सोमवार सुबह उनकी मौत हो गई। अस्पताल के अनुसार, कारोबारी को पहले से कोई बीमारी नहीं थी। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता ने कहा, अस्पताल से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

गाजियाबाद जिले में पांच साल बाद स्वाइन फ्लू से किसी की मौत हुई है। इससे पहले वर्ष 2019 में मोदीनगर की आदर्श कॉलोनी निवासी 62 वर्षीय महिला मंजू शर्मा की जान चली गई थी।

वर्ष 2017 में स्वाइन फ्लू का सबसे ज्यादा असर दिखा था। उस समय चार लोगों की मौत हो गई थी। सोमवार को कारोबारी की मौत से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। सीएमओ डॉ. भवतोष शंखधर ने बताया कि कारोबारी के घर के आसपास जांच कराई जा रही है। शरीर में दर्द, ठंड लगना, खांसी, सिरदर्द, बुखार, उल्टी और दस्त। सामान्य फ्लू जैसे लक्षण होने के बाद भी यह इंसानों के लिए जानलेवा है। गंभीर मामलों में सांस की तकलीफ होती है,जिससे मौत का खतरा है। हालांकि, अधिकांश लोगों में लक्षण हल्के होते हैं। वायरस वाली सतह से संक्रमण को आपके शरीर में फैलने से रोकने के लिए बार-बार छुई जाने वाली सतहों की नियमित रूप से साफ-सफाई करें। इस बीमारी से पीड़ित लोगों के संपर्क में आने से बचें। यदि लक्षण आ गए हैं तो डॉक्टर से सलाह के अनुसार दवा लें और घर पर ही रहें। इसके लक्षण सामान्य फ्लू जैसे ही होते हैं। इसलिए फ्लू में अंतर करना मुश्किल होता है। डॉक्टर एच1एन टेस्ट के जरिए संक्रमण की जांच करते हैं। यह बीमारी लगभग आठ दिनों तक रहती है।

कुछ लोगों में एच1एन1 फ्लू का खतरा अधिक होता है। बुजुर्गों, 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चे, मधुमेह, एचआईवी व कैंसर पीड़ितों, गर्भवती महिला, अस्थमा, हृदय रोग से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी की जरूरत है। स्वाइन फ्लू हवा के जरिए एक इंसान से दूसरे इंसान में फैल सकता है। संक्रमित व्यक्ति के छींकने या खांसने से वायरस दूसरों में फैल जाता है। इसलिए ऐसे लोग हमेशा रूमाल या कपड़े का इस्तेमाल करें। स्वाइन फ्लू आमतौर पर एच1एन1 फ्लू इन्फ्लूएंजा-ए वायरस के परिवार का हिस्सा है। यह वायरस आमतौर पर संक्रमित सूअर के संपर्क में आने से होता है। यह मरीज के नाक, गले और फेफड़ों की कोशिकाओं को संक्रमित करता है।

हनुमान जयंती पर श्रीमद रामायण में बाल हनुमान की शक्ति और भक्ति की ताकत

रांची। सोनी की दिव्य गाथा, 'श्रीमद रामायण' में माता सीता को खोजने के प्रयास तेज़ हो गए हैं, क्योंकि भगवान हनुमान ने अपनी वानर सेना के साथ लंका की ओर कदमताल शुरू कर दिया है। इस सफर के दौरान, वे समुद्र के किनारे पहुंच जाते हैं, और उनकी उम्मीदों का बांध टूटना शुरू हो जाता है क्योंकि सेना के पास समुद्र पार करने का कोई साधन नहीं है। तभी जामवंत भगवान हनुमान के सामने पहुंचते हैं और उन्हें उनके जन्म और उन दिव्य शक्तियों का स्मरण कराते हैं, जिनसे उन्हें लंका में माता सीता को खोजने में मदद मिलेगी। अंजना और केसरी से जन्मे, भगवान हनुमान के पास अद्वितीय शक्तियां थीं, लेकिन इस कारण से वे काफी नटखट और शरारती भी हो गए। इतना कि एक दिन, अपने दोस्तों के साथ खेलते हुए, उन्हें एक लाल चमकता हुआ गोला दिखाई देता है जिसे वह फल मानते हुए उसे खाने के लिए निकल पड़ते हैं, लेकिन वह वास्तव में सूर्य है। चूंकि अनजाने में ही सही, लेकिन बाल हनुमान ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया था, इसलिए भगवान ब्रह्मा ने हनुमान को श्राप दिया, जिसके कारण भगवान हनुमान अपनी सभी शक्तियों को भूल गए, जो तभी वापस आ सकती थी जब कोई उन्हें उनकी याद दिलाता और उन्हें राम भक्ति का वरदान देता। निर्भय वाधवा कहते हैं, ÷शो 'श्रीमद रामायण' में, बाल हनुमान की कहानी दिखाया जाना किसी साधारण पल से कही बढ़कर बात है, यह कहानी बड़ी खूबसूरती से हमें याद दिलाती है कि वास्तविक धैर्य का जन्म केवल शारीरिक कौशल से नहीं बल्कि व्यक्ति की आत्मा की पवित्रता से भी होता है।

दिल्ली में दिन चढ़ने के साथ ही गर्मी का अहसास, तेज हवा चलने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में धूप दिन चढ़ने के साथ ही गर्मी का अहसास बढ़ने लगता है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो साल के इस समय के लिए सामान्य तापमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। विभाग ने बताया कि सापेक्षिक आर्द्रता 27 प्रतिशत से 54 प्रतिशत के बीच रही। आईएमडी ने मंगलवार को दिन में आसमान साफ रहने और तेज हवा चलने का अनुमान जताया है।

मौसम विभाग के अनुसार राजधानी में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश 38 और 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा कि अगले सात दिनों तक राष्ट्रीय राजधानी में लू चलने की कोई संभावना नहीं है। आईएमडी के अनुसार, हीटवेव की स्थिति तब लागू होती है जब अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास या उससे ऊपर होता है। राजधानी के कई इलाकों में रविवार रात तेज हवा के साथ हल्की बूंदाबांदी हुई। इसके चलते मौसम में

नमी बढ़ी और लोगों को गर्मी से राहत मिली।

दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में सोमवार सुबह तेज सूरज निकला, लेकिन रविवार रात को हुई बूंदाबांदी के चलते तापमान में तेजी से इजाफा नहीं हुआ। मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहा। यहां पर आर्द्रता का स्तर 69 से 27 फीसदी तक रही। वहीं, मौसम की इन गतिविधियों के चलते दिल्ली की हवा लगातार साफ बनी हुई है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 127 अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है। अगले दो-तीन दिनों के बीच भी वायु गुणवत्ता का यह स्तर बना रहेगा। मौसम विभाग का कहना है कि राजधानी दिल्ली में अगले दो दिन में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। आईएमडी वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि आने वाले सात दिन तक लू चलने की कोई संभावना नहीं हैं। इसके बाद तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा।

क्यों नहीं हटे कचरे के पहाड़, राजनीति नहीं जनता के बारे में सोचे भाजपा; दिल्ली में कूड़े की आग पर सियासी आंच तेज

नई दिल्ली, एजेंसी।
गाजीपुर लैंडफिल साइट पर लगी आग को लेकर सोमवार को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। भाजपा ने आम आदमी पार्टी शासित दिल्ली नगर निगम पर हमला किया। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने लैंडफिल स्थल का दौरा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह आप सरकार के भ्रष्टाचार का एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आग लगने की पीछे दिल्ली सरकार जिम्मेदार है। एमसीडी की सत्ता में आने से पहले आप ने 31 दिसंबर 2023 तक कूड़ा हटाने का दावा किया था लेकिन अभी तक नहीं हटा। सचदेवा ने कहा कि 18 घंटे की बाद आग सुलग रही है, जबकि निगम की सत्ता में आने से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी लगातार लैंडफिल साइटों को लेकर सवाल उठाते थे। उन्होंने जनता से वादा किया गया था कि अगर निगम की सत्ता आए तो दिसंबर 2023 तक गाजीपुर के साथ भलस्वा और ओखला की लैंडफिल साइट को साफ कर दिया जाएगा। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली ने कहा कि गाजीपुर लैंडफिल साइट में लगी आग को बुझाने के लिए केंद्र सरकार और दिल्ली नगर

निगम के साथ समन्वय स्थापित करना चाहिए। पहले से ही प्रदूषण का दंश झेल रहे दिल्लीवालों के स्वास्थ्य पर धुआं गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। लैंडफिल साइट में लगातार आग सुलग रही है और इससे जहरीला धुआं निकल रहा है।

भाजपा के आरोपों पर महापौर डॉ शैली ओबरॉय ने पलटवार किया। महापौर ने कहा भाजपा को समझना होगा कि आपदा के समय राजनीति न करे। सबको मिलकर जनता के बारे में सोचना चाहिए। लैंडफिल साइटों में कूड़े के पहाड़ की ऊंचाई को कम किया है। निगम की स्थायी समिति का गठन होने के बाद अतिरिक्त एजेंसियों को कूड़ें को खत्म करने की जिम्मेदारी सौंपेंगे। डॉक्टरों के मुताबिक, गाजीपुर लैंडफिल साइट के कूड़े में भारी मात्रा में कैमिकल होता है। इसमें आग लगने से फैलने वाला धुआं आसपास रहने वाले लोगों को गंभीर रूप से बीमार कर सकता है। खासतौर पर सांस और हृदय रोगों से जूझ रहे लोगों के लिए यह जानलेवा साबित हो सकता है। बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए भी परेशानी खड़ी कर सकता है।
इससे सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन, गले में खराश, दिमाग में सूजन जैसे दिक्कतें हो सकती हैं।

शादियों तक पहुंचा लोकसभा चुनाव का जोश, मेहमानों को दिलाई मतदान की शपथ

अलीगढ़, एजेंसी।
26 अप्रैल को अलीगढ़ जिले में मतदान होना है। इससे पूर्व अधिकारी तैयारियों में जुटे हुए हैं। कोशिश है प्रत्येक वोटर इस बार मतदान करे। इसे लेकर स्वीप के तहत विभिन्न प्रकार के जागरूकता अभियान प्रशासन की तरफ से चलाए जा रहे हैं। इस क्रम में विभाग अब शादी समारोह में जाकर भी अतिथियों को मतदान करने के लिए शपथ दिला रहे हैं। रविवार को अधिकारी आगरा रोड स्थित शादी समारोह में पहुंचे और लोगों को मतदान की शपथ दिलाई।

मतदान को लेकर प्रशासन की तरफ से ग्रामीण इलाकों में किसान पाठशालाएं हो रही हैं। विभिन्न विभागों में रोज शपथ ग्रहण कराई जा रही है। इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए अब विवाह समारोह में भी प्रशासन ने शिरकत करना शुरु कर दिया है। रविवार को आगरा रोड स्थित गार्डन में एक विवाह समारोह था। डीपीआरओर धनंजय जायसवाल व अन्य विभाग के लोग समारोह में शामिल हुए। सभी अतिथियों को संबोधित करते हुए मतदान के प्रति जागरूक किया गया। सभी को मतदान की शपथ दिलाई गई। डीपीआरओ ने बताया कि जनपद में स्वीप अभियान तहत मतदाताओं को जागरूक व शिक्षित करने के

लिए सीडीओ के निर्देशन पर एक अनोखी पहल शुरु की गई है।

26 अप्रैल शुक्रवार को मतदान दिवस होने की वजह से शहर मुफ्ती ने सभी नमाजियों से अपील की है। उन्होंने जुमा के दिन पहले मतदान फिर नमाज पढ़ने के लिए अपील किया है। शहर मुफ्ती मो. खालिद हमीद ने पत्र जारी करते हुए लिखा कि 26 अप्रैल शुक्रवार को जुमा का दिन है। इसी दिन अलीगढ़ में लोकसभा के लिए मतदान होना है।

उन्होंने सभी से अपील कि आप सब पहली फुरसत में सुबह के समय मतदान करें। क्योंकि बतौर नागरिक मतदान करना हमारी जिम्मेदारी है। वोट किसी भी हालत में करें। मतदाताओं को किया जागरूक याहू फ्रेंड्स क्लब का लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जागरूक मतदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्लब की सदस्यों ने जागरूक मतदाता बने, आओ हम सरकार बनाएं, सब काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो आदि नारे लगाए।

बृजभूषण शरण सिंह का कट सकता है टिकट, पत्नी केतकी को मिल सकता है मौका

कैसरगंज, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश की ज्यादातर सीटों पर भाजपा ने अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है, लेकिन रायबरेली और कैसरगंज जैसी चर्चित सीटें अब भी बाकी हैं। कैसरगंज पर तो सभी की निगाह है क्योंकि यहां से बाहुबली नेता बृजभूषण शरण सिंह भाजपा के सांसद हैं। उनका टिकट अब तक फाइनल नहीं हुआ है और पार्टी ने यह भी संकेत नहीं दिए हैं कि दि बृजभूषण चुनाव में नहीं उतरे तो उनकी जगह पर कौन होगा। इस बीच पार्टी सूत्रों का कहना है कि बृजभूषण शरण सिंह के टिकट पर फैसला उन पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों की वजह से भी टल रहा है।

यह मामला कोर्ट में चल रहा है और दिल्ली की अदालत इसी महीने के अंत तक फैसला सुना सकती है। ऐसे में भाजपा हाईकमान चाहता है कि अदालत के फैसले को देखने के बाद भी टिकट तय किया जाए। कहा जा रहा है कि यदि फैसला बृजभूषण शरण सिंह के फेवर में रहा, तब तो उन्हें टिकट मिल सकता है। अन्यथा उनके ही परिवार के किसी मेंबर को उम्मीदवार बनाया जा सकता है। सबसे ज्यादा चर्चा उनकी पत्नी केतकी सिंह के नाम की चल रही है। केतकी सिंह पहले भी 1996 से 1998 तक सांसद रह चुकी हैं। हालांकि कहा जा रहा है कि बृजभूषण परिवार में भी किसी को अपनी जगह टिकट नहीं देना चाहते

और खुद लड़ना चाहते हैं।

इसलिए भाजपा के लिए कैसरगंज सीट पर फैसला करना थोड़ा मुश्किल होगा। भाजपा हाईकमान बृजभूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न के आरोपों वाले मुकदमे का हवाला देते हुए कहा रहा है कि आप इस पर फैसले का इंतजार करिए। यदि आपके पक्ष में फैसला आया तो चुनाव लड़ें, वरना परिवार के किसी सदस्य को मौका दें। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि केतकी सिंह को उतारने से महिला कार्ड भी मजबूत होगा। पीएम नरेंद्र मोदी खुद महिलाओं को लगातार प्रमोट करने की बात कर रहे हैं।

दरअसल बीते सप्ताह दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप तय करने पर फैसला आने वाला था।

दिव्यांग बच्चों की मां को चाइल्ड केयर लीव देने से मना नहीं कर सकते, सुप्रीम कोर्ट ने मुद्दे को गंभीर मानते हुए दिए निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी।
मुद्दे को गंभीर मानते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि विकलांग बच्चे की देखभाल करने वाली मां को बाल देखभाल अवकाश देने से इनकार करना, कार्यबल में महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करने के राज्य के संवैधानिक कर्तव्य का उल्लंघन होगा।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की पीठ ने दिव्यांग बच्चों वाली कामकाजी महिलाओं को चाइल्ड केयर लीव (सीसीएल) देने के मुद्दे पर नीतिगत निर्णय लेने के लिए हिमाचल प्रदेश के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने का भी निर्देश दिया है।

इसमें कहा गया है कि याचिका में एक गंभीर मुद्दा उठाया गया है और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी विशेषाधिकार का मामला नहीं है, बल्कि एक संवैधानिक आवश्यकता है और एक आदर्श नियोक्ता के रूप में राज्य इससे अनजान नहीं हो सकता। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि केंद्र को मामले में पक्षकार बनाया जाए और इस पर निर्णय देने में एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से सहायता मांगी।

अदालत ने राज्य के अधिकारियों को याचिकाकर्ता महिला (राज्य में बतौर भूगोल विभाग में सहायक प्रोफेसर कार्यरत) को सीसीएल देने की याचिका पर विचार करने का भी निर्देश दिया। उनका बेटा आनुवंशिक विकार से पीड़ित है और जन्म के बाद से उसकी कई सर्जरी हो चुकी हैं। अपने बेटे के इलाज और सीसीएल के लिए प्रदान किए गए केंद्रीय सिविल सेवा नियमों के कारण उनकी स्वीकृत छुट्टियां समाप्त हो गईं। पीठ ने कहा, चाइल्ड केयर लीव एक महत्वपूर्ण संवैधानिक उद्देश्य को पूरा करती है, जहां महिलाओं को

कार्यबल में समान अवसर से वंचित नहीं किया जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसी छुट्टियों से इनकार एक कामकाजी मां को नौकरी छोड़ने के लिए मजबूर कर सकता है और विशेष आवश्यकता वाले बच्चे वाली महिला के लिए यह काफी महत्वपूर्ण है। बेंच ने राज्य सरकार को सीसीएल पर अपनी नीति को संशोधित करने का निर्देश दिया, ताकि इसे विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुरूप बनाया जा सके। निर्देश में कहा गया है कि समिति में मुख्य सचिव के अलावा महिला एवं बाल विकास और राज्य के समाज कल्याण विभाग के सचिव होंगे और उन्हें 31 जुलाई तक सीसीएल के मुद्दे पर निर्णय लेना होगा। अदालत ने विकलांग व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों की सुरक्षा और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 के तहत आयुक्त से भी प्रतिक्रिया मांगी थी।

ताजमहल संरक्षण के विजन डाक्यूमेंट पर सुप्रीम कोर्ट ने एएसआई से मांगा जवाब, केंद्र और राज्य सरकार को भी किया तलबः सुप्रीम कोर्ट ने ताजमहल और उसके आसपास के पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए तैयार किए गए विजन डाक्यूमेंट पर भारतीय पुरातत्व संरक्षण (एएसआइ) से जवाब मांगा है। इसके साथ ही कोर्ट ने ताजमहल के पास यमुना नदी की गाद और कचरा साफ करने की मांग पर केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और आगरा विकास प्राधिकरण से भी जवाब तलब किया है। ये निर्देश सोमवार को जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्वल भुइयां की पीठ ने ताजमहल और ताज ट्रिपेजियम जोन (टीटीजेड) के संरक्षण के मामले में सुनवाई के दौरान दिए। जब कोर्ट ताजमहल संरक्षण के लिए तैयार किए गए विजन डाक्यूमेंट को लागू करने से संबंधित अर्जी पर सुनवाई कर रहा था तो पीठ ने इस बात पर आश्चर्य जताया कि 26 जुलाई 2018 को यह बात नोट की गई थी कि प्लान तैयार हो गया है लेकिन उसमें एएसआइ से परामर्श नहीं किया गया जोकि ताजमहल का संरक्षण देख रही है। पीठ ने कहा कि वह इस मामले में एएसआइ का जवाब जानना चाहती है। कोर्ट ने विजन डाक्यूमेंट पर एएसआइ का जवाब मांगते हुए मामले को 11 जुलाई को फिर सुनवाई पर लगाने का आदेश दिया।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएएवआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टैंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेलः purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)